फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 54 प्रभात जयपुर, मंगलवार 24 सितम्बर, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Man-Eaters- Lions, Tigers, Wolves

The man-eating Lions of Tsavo in Africa would hunt in pairs, one would act as decoy while the other would attack from the rear.

Honey Bees Can Sniff Out Lung Cancer

Insects have an amazing sense of smell, the same way dogs do.

तिरुपति का लड्डू अयोध्या का स्थान लेगा भाजपा के प्रचार अभियान में

मामला सिर्फ लड्डू का नहीं, भाजपा इसका उपयोग दक्षिण भारत के मंदिरों को सरकार के चंगुल से मुक्त कर धार्मिक संगठनों के सुपुर्द करने के लिए करना चाहती है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। आंध्र प्रदेश में अपने सहयोगी दल के मार्फत भाजपा को एक ऐसा भावनात्मक मुद्दा मिल गया, जिससे यह पूरे देश में हिन्दुओं की भावनाओं को भड़का रही है। चुनावी मुद्दे के रुप में राम मंदिर की चमक फीकी पड़ रही है। राजनैतिक विश्लेषक यह अनुमान लगाने में व्यस्त हैं कि क्या विख्यात तिरुपति लड्डू भाजपा को वह विजय दे सकते हैं, जिससे वह पूरे देश के राजनैतिक माहौल को गर्मा सके।

भाजपा के सहयोगी दल तेलगुदेशम के प्रमुख और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चन्द्रबाबू नायडू द्वारा यह मुद्दा उठाने के कुछ ही मिनटों में भाजपा नेताओं, मंत्रियों तथा देश भर के भाजपा समर्थकों ने सोशल मीडिया पर इस घटना पर लिखना और खुद को हिंदुओं का प्रतिनिधि बताने वाले लोगों ने सोशल मीडिया पर गुस्सा दिखाना शुरु कर दिया और वे लड्डू में गड़बड़ी करने वालों पर कड़ी कार्यवाही करने की मांग करने लगे।

- अयोध्या के मंदिर का भावनात्मक महत्व कम हो रहा है, इसका आभास भाजपा को हालिया लोकसभा चुनाव से हो गया, जब भाजपा के कोर वोटर ने खिसक कर विपक्ष के प्रति रूझान दर्शाया।
- तिरुपति लड्डू का विवाद उठाने में भाजपा ने अपने सहयोगी व आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू का पूरा उपयोग किया। चंद्रबाबू का भी इसमें एक फायदा है, क्योंकि यह विवाद जगन मोहन रेड्डी का राजनैतिक करियर खत्म कर सकता है। ज्ञातव्य है कि जगन मोहन के कार्यकाल में लड्डू में पशु चर्बी के मिलावट की शिकायत मिली थी।
- इस सारे विवाद में राजनैतिक पंडित एक सवाल पूछ रहे हैं कि लड्डू में मिलावट की लैब रिपोर्ट, जिसे सोशल मीडिया पर भारी पैमाने पर शेयर किया जा रहा है, जुलाई में ही आ गई थी, तो अब तक मंदिर प्रशासन व चंद्रबाबू सरकार चुप क्यों बैठे थे?

तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टी.टी.डी.) द्वारा संचालित यह मंदिर आंध्र के चित्तूर जिले के तिरुमला में सात पहाड़ियों के बीच स्थित है और मोटे अनुमान, के अनुसार एक सामान्य दिन में साठ से अस्सी हजार लोग यहां दर्शन करने आते हैं। धार्मिक उत्सव व अन्य अवसरों पर यह संख्या दोगुनी- तिगुनी हो जाती है।

मंदिर में भीड़ का नियंत्रण करने का सिस्टम 20-30 साल पहले ही कम्प्यूटरीकृत कर लिया गया था और यहां का भीड़ प्रबंधन तरीका पूरे विश्व में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

यही नहीं, मंदिर में बंटने वाला प्रसाद भी अपने विशिष्ट स्वाद व गुणवत्ता के लिए विख्यात है और इसे जी.आई. टैग भी मिला हुआ है, लेकिन जैसे ही मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने आरोप लगाया कि लड्डू में बीफ की चर्बी, मछली का तेल व अन्य अशुद्धियां हैं तो भारी खलबली मच गई। जल्दी ही सोशल मीडिया पर एक प्रमाण भी शेयर किया जाने लगा। यह एक लैब रिपोर्ट थी जिसे बड़े-बड़े भाजपा नेताओं ने शेयर किया। इस लैब रिपोर्ट में पुष्टि की गई की कि तिरुपति प्रसादम में अशुद्धियां हैं। यह लैब गुजरात में है। टी.टी.डी., जो मंदिर का संचालन करता है, ने दावा किया कि अशुद्ध घी के कुछ टैंकर्स पकड़े गए थे, पर इनका इस्तेमाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चाइल्ड पॉर्नोग्राफी रखना, देखना अपराध, सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, 23 सितंबर। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को अपने एक 'ऐतिहासिक फैसले' में कहा कि बच्चों के साथ यौन-क्रिया के स्पष्ट चित्रण और उनसे संबंधित अपमानजनक सामग्री को रखना या देखना यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो कानून) के अलावा सूचना एवं तकनीकी कानून के तहत भी अपराध माना जाएगा।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और

- मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ न्यायमूर्ति पारदीवाला व मिश्रा की पीठ ने इस संदर्भ में दिशा-निर्देश जारी किये।

न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने गैर सरकारी संगठन जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन अलायंस की अपील और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के हस्तक्षेप पर इस विषय में मद्रास उच्च न्यायालय के एक फैसले को पलटते हुए नये दिशा निर्देश जारी किए हैं।

पीठ ने अपने फैसले में केंद्र सरकार को बाल पोर्नोग्राफी शब्द की जगह संशोधित शब्दावली- बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री शब्द प्रयुक्त करने के लिए जरूरी प्रक्रिया अपनाने के निर्देश दिए हैं।

पीठ ने कहा है, संसद को ऐसे अपराधों की वास्तविकता को अधिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'क्या युवा प्रोफैशनल्स में वाकई में ''इनर स्ट्रैन्थ'' की कमी है?'

और इस कारण वे आज कॉरपोरेट जगत के भारी तनाव वाली नौकरियों को नहीं झेल पाते?

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। लगता है निर्मला सीतारमन अब केवल केन्द्रीय वित्त मंत्री नहीं हैं, इससे बहुत आगे बढ़कर वो ''मैनेजमैंट गुरु'' और आध्यात्मिक लीडर भी बन गई हैं।

अत्यधिक काम के कारण एक युवा प्रोफैशनल की असमय मृत्यु, वर्तमान सरकार की इस भारी चिंता की सूचक है कि कहीं अन्तर्राष्ट्रीय निवेश भारत से दूर ना हो जाएं।

सर्वविदित है कि बहुत सी ग्लोबल कंपनियाँ अत्यधिक प्रतिस्पर्धी वातावरण में काम करती हैं और वो अपने कर्मचारियों से खून की हर बूँद ले लेती हैं। युवा प्रोफेशनल्स से दिन-रात काम करने को कहा जाता है और तब भी मालिकों की मांग खत्म नहीं होती।

दिन भर की दुष्कर मेहनत के बाद, ऑफिस के समय बाद देर रात तक काम करना होता है। सुबह फिर 8 से 8:30 के बीच ऑफिस पहुँचना होता है। दिन, प्रतिदिन की इस मेहनत का काम करने वालों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ता है। पश्चिमी देशों में इस तरह के, कमर तोड़ने वाली पद्धतियों को गलत माना गया है और कई देशों में अधिनियम भी बनाए गए हैं।

- अन्र्स्ट एण्ड यंग की युवा बहु प्रतिभा वाली प्रोफैशनल की आत्महत्या के प्रकरण को ''इनर-स्ट्रैन्थ'' की कमी बताया जा रहा है।
- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने युवा प्रोफैशनल्स को तनाव झेलने के लिये योग व आध्यात्म (स्प्रिचुएलिटी) की शरण में जाने का मशविरा दिया।
- वित्त मंत्री की सलाह शायद इस नारे से प्रभावित है कि अगले तीन/चार साल में भारत विश्व की तीसरे नम्बर की इकोनॅमी होने जा रहा है, अतः युवा पीढ़ी पर, प्रोफैशनल जिम्मेवारियों का प्रेशर तो बढ़ेगा और इस दबाव को भारत सफलता से झेल लेगा, यह छवि, विश्व में बनना जरूरी है, विदेशी पूँजी को लगातार भारत में आने के लिये प्रेरित करते रहने के लिये।

चीन में इस तरह की प्रैक्टिस का बड़े स्तर पर युवा प्रोफेशनल्स ने विरोध किया है और कई लोग अपनी बड़ी-बड़ी तनख्वाहों वाली नौकरियाँ छोड़कर बिल्कुल विपरीत विकल्प चुन रहे हैं। कुछ लोग इस ''रैट रेस'' को छोड़कर जॉब मार्केट से बाहर हो रहे हैं।

कई अन्य लोग अच्छे वेतन देने वाली मल्टीनैशनल कंपनियों को छोड़कर देश के इन्टीरियर में छोटे बिज़नेस शुरु कर रहे हैं या फिर रिटेल आउटलैट् या छोटे रेस्त्रां में काम करना शुरु कर रहे है।

इन लोगों का कहना है कि इन्होंने लोगों के साथ ''संबंधों'' को फिर से पाया है और उन्हें व्यक्तित्व संबंधी सार्थक अनुभव हुए हैं। सभी में प्रबल भावना यह है कि ''चूहे की दौड़'' इस लायक नहीं थी, जिसके लिए ''हाई प्रैशर'' वाली कॉरपोरेट नौकरियों में इतने सारे बलिदान देने पड़ते हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर हैरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर तीसरी बार निलंबित

पट्टा जारी करने की एवज में लाखों रूपए की रिश्वत लेते हुए ट्रैप हुए पति सुशील गुर्जर के साथ महापौर मुनेश गुर्जर की लिप्तता मानते हुए राज्य सरकार ने उन्हें दोषी माना

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 23 सितम्बर। राजस्थान सरकार ने लम्बी जद्दोजहद के बाद आखिरकार जयपुर हैरिटेज नगर निगम की महापौर मुनेश गुर्जर (बतौर वार्ड नं. 43 पार्षद सदस्य भी) को निलंबित कर दिया। पट्टा जारी करने की एवज में लाखों रु. की रिश्वत लेते हुए ट्रैप हुए पति सुशील गुर्जर के साथ मुनेश गुर्जर की लिप्तता मानते हुए, राज्य सरकार ने उन्हें प्रथम दृष्टया दोषी माना है। स्वायत्त शासन एवं नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा की स्वीकृति के बाद सोमवार को स्वायत्त शासन निदेशक कुमार पाल गौतम ने निलंबन आदेश जारी कर दिए।

स्वायत्त शासन निदेशक कुमार पाल गौतम ने बताया कि मुनेश गुर्जर की ओर से पट्टा जारी करने की एवज में रिश्वत राशि प्राप्त करने से संबंधित प्रकरण में स्थानीय निकाय विभाग के उपनिदेशक (क्षेत्रीय) को जांच

- गौरतलब है कि यह तीसरा मौका है, जब मुनेश गुर्जर को राज्य सरकार ने निलंबित किया है। इससे पहले पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने 5 अगस्त 2023 और फिर 26 सितंबर, 2023 को निलंबित किया था। हालांकि, दोनों बार मुनेश गुर्जर ने राज्य सरकार के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी, जहां से उनको राहत मिली और वापस महापौर की कुर्सी पर बैठीं।
- स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा की स्वीकृति के बाद स्वायत्त शासन निदेशक कुमार पाल गौतम ने महापौर तथा पार्षद पद से निलम्बन के आदेश जारी किये।

अधिकारी नियुक्त किया गया था। जांच अधिकारी ने मुनेश गुर्जर को सुनवाई का अवसर देते हुए, रिपोर्ट विभाग को भेजी। विभाग को प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर, मुनेश गुर्जर द्वारा अपने पति सुशील गुर्जर के कहने से पट्टों पर हस्ताक्षर करने, पट्टों के बारे में अपने पति से चर्चा कर उनको लम्बित रखने और पट्टों की एवज में रिश्वत राशि प्राप्त कर हस्ताक्षर करने के आरोप प्रथम दृष्टया प्रमाणित पाए गए।

रिपोर्ट में प्रथम दृष्टया दोषी पाए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'एसएमएस स्टेडियम सरकारी संपत्ति, इसे कैसे दिया गया निजी सोसायटी को'

जयपुर, 23 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आर.सी.ए. के पूर्व पदाधिकारियों के खिलाफ दर्ज एफ.आई.आर. के मामले में मौखिक टिप्पणी करते हुए सवाल उठाया कि एस.एम.एस. स्टेडियम सरकारी संपत्ति है। ऐसे में इसे आर.सी.ए. जैसी निजी सोसायटी को कैसे दिया जा सकता है। अदालत ने पूछा कि इसके लिए किस अथॉरिटी के साथ एम.ओ.यू. किया गया। अदालत ने इस मामले में प्रमुख

- राजस्थान हाईकोर्ट ने स्टेडियम आर.सी.ए. को दिए जाने के मामले में मौखिक टिप्पणी की।

खेल सचिव को भी 7 अक्टूबर को पेश होने के लिए कहा है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश आर.सी.ए. के पूर्व सचिव भवानी शंकर सामोता व अन्य की याचिका पर दिए।

अदालत ने एडहॉक कमेटी की ओर से आर.सी.ए. के पूर्व पदाधिकारियों पर लगाए गये आरोपों के संबंध में कहा कि राज्य सरकार जब भी बदलती है, तब इस तरह के आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मेरे पिता कांग्रेस के झंडे में लिपटकर गए मैं भी कांग्रेस के झंडे में लपेटी जाऊंगी'

हरियाणा की दलित नेता कुमारी सैलजा ने कांग्रेस छोड़ने और भाजपा में जाने की तमाम अटकलों को खारिज किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। केन्द्रीय गृह मन्त्री अमित शाह ने आज हरियाणा के टोहाना कस्बे में आयोजित एक चुनावी रैली में कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस ने दलित नेता कुमारी सैलजा का ''अपमान किया है। ए.आई.सी.सी. ने इस आरोप का तुरन्त खंडन करते हुए कहा कि वे पार्टी के प्रचार-अभियान में 26 सितम्बर को शामिल होंगी।

अपनी मुख्य राजनैतिक प्रतिद्वन्द्वी कांग्रेस को निशाने पर लेने की कोशिश करते हुए, शाह ने कांग्रेस पर बहुत कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस ''दलित-विरोधी'' पार्टी है तथा इसने कुमारी सैलजा एवं अशोक तँवर जैसे दलित नेताओं का अपमान किया है।

कांग्रेस ने कहा कि ए.आई.सी.सी. महासचिव तथा सिरसा-सांसद कुमार सैलजा हरियाणा में कांग्रेस के प्रचार-अभियान में 26 सितम्बर से शामिल

- कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, कुमारी सैलजा हुड्डा गुट से नाराज थीं, इसलिए उन्होंने चुनाव प्रचार से दूरी बना रखी थी और इस बारे में उन्होंने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से बात की है।
- अन्ततोगत्वा कुमारी सैलजा ने 26 सितम्बर से पार्टी चुनाव प्रचार अभियान में शामिल होने की घोषणा कर दी।
- हरियाणा में भाजपा, सैलजा की नाराज़गी का फायदा उठाने की कोशिश कर रही है। अमित शाह ने एक चुनावी सभा में सैलजा के अपमान का आरोप लगाते हुए कांग्रेस को दलित विरोधी पार्टी बताया था।

होने वाली हैं। कांग्रेस ने शाह के आरोप को मद्देनजर रखते हुए कहा कि उन्हें ''कौआ काटेगा।''

सैलजा, जिन्हें भूपिन्दर सिंह हुड्डा खैमे को लेकर कुछ समस्याएं हैं, पिछले रविवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से नई दिल्ली में मिली थीं। सूत्रों ने कहा कि सैलजा, जो पार्टी के प्रचार से 12 सितम्बर से ही नदारद हैं, ने खड़गे के समक्ष कई मुद्दे उठाए थे। उन्होंने कहा था कि पार्टी का चुनाव घोषणा पत्र बनाते समय, उनकी व कई अन्य वरिष्ठ नेताओं की किस तरह से ''उपेक्षा की गई''। उन्होंने प्रत्याशियों के चयन के तौर-तरीकों पर सवाल खड़े किए तथा कहा कि उन्हें तथा अन्य योग्य पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को पार्टी मंचों से दूर रखा गया।

संयोगवश, खड़गे, जिन्हें सोमवार को हरियाणा के अम्बाला और गन्नोर में अपनी पहली सार्वजनिक सभा सम्बोधित करनी थी, ने अपना कार्यक्रम आखिरी क्षणों में रद्द कर दिया। कांग्रेस ने इसका कारण उनका ''अस्वस्थ हो जाना'' बताया। खड़गे के न आने के कारण, इन सभाओं को हुड्डा ने सम्बोधित किया।

इस बात की पुष्टि करते हुए, कि उन्होंने खड़गे से भेंट की थी, सैलजा ने मीडिया से कहा, ''(मीटिंग में) मैंने कई मुद्दे उठाए थे। लेकिन उन मुद्दों पर सार्वजनिक रूप से मेरा बोलना ठीक नहीं होगा। यह हमारी पार्टी का अन्दरूनी मामला है।'' सूत्रों का कहना है कि खड़गे ने उनकी सारी बातें सुनीं तथा उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

सैलजा ने स्पष्ट किया कि पार्टी के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारतीय रेलवे में इंजीनियरों की कमी चिन्ताजनक स्तर तक पहुंची

पूर्व में यू.पी.एस.सी. इण्डियन रेलवे के लिए इंजिनियरिंग सर्विस की परीक्षा के मार्फत इंजीनियर की भर्ती करती थी, और चयनित इंजीनियरों को विभिन्न स्पेशलाइज्ड़ इंस्टीट्यूट्स में भेजा जाता था

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। कुशल इंजीनियरों को अपनी ओर आकर्षित करने में असफल रहे भारतीय रेल प्रबन्धक अब बिना समय गँवाये विभिन्न सम्भावनाओं को खँगालने में जुट गए हैं, जिनमें एकीकृत इन्डियन रेलवेज़ मैनेजमेंट सर्विस (आई.आर.एस.) को दो हिस्सों में तोड़ना भी शामिल है - इंजीनियरिंग शाखा तथा गैर-इंजीनियरिंग शाखा।

रेलवे के 12 लाख कर्मचारियों में से करीब 10,000 ग्रेड-ए अफसर हैं। साइलोज़ में काम करने की संस्कृति को समाप्त करने तथा इंजीनियरिंग स्ट्रीम से जुड़े अफसरों के जबरदस्त प्रभुत्व को कम करने के विचार पर काम करते हुए, केन्द्र सरकार ने 2019 में 8 सेवाओं का विलय एकीकृत आई.आर.एम.एस. में कर दिया था। चूँकि यह कदम जल्दबाजी में उठाया गया था, इसलिए कुछ विसंगतियाँ सामने आई हैं। उपरोक्त विलय सबसे ऊँची तथा सबसे नीचे की सेवाओं में तो कर दिया गया था, जबकि सबसे ज्यादा रेल अधिकारी तो बीच के बड़े हिस्से में थे। इस प्रकार मध्यम दर्जे के अधिकारी, जो कुल अधिकारियों के करीब 90 प्रतिशत हैं, अछूते ही रह गए हैं।

आई.आर.एम.एस. के अस्तित्व में आने के पहले, यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यू.पी.एस.सी.) रेलवे के खाली पदों के लिए इंडियन इंजीनियरिंग सर्विसेज़ (आई.ई.एस.) परीक्षा का आयोजन करता था। ये रिक्त स्थान मैकनिकल, इलेक्ट्रीकल या सिग्नलिंग वर्टीकल्स जैसी विशिष्टीकृत सेवाओं में हुआ करते थे। इन चयनित इंजीनियरों की विशिष्टीकृत संस्थानों में गहन ट्रेनिंग भी हुआ करती थी।

कुछ प्रमुख ट्रेनिंग संस्थान थे - पुणे का 'आई.आर.एम. इन्स्टीट्यूट ऑफ सिविल इंजीनियर्स,' नासिक का 'इन्सटीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रीकल इंजीनियर्स' तथा सिकन्दराबाद का 'सिग्नलिंग एंड टेलीकॉम इन्सटीट्यूट'। आई.आर.एम.एस. प्रारूप में, ये प्रक्रियाएं तथा व्यवस्थाएं भंग कर दी गईं क्योंकि अब इन परीक्षाओं में इंजीनियर (किसी भी ब्रांच के विशेषज्ञ) तथा गैर-इंजीनियर-दोनों ही प्रकार के अभ्यर्थी बैठने लगे। अब

- पर, बाद में यह व्यवस्था बदली और, इंजीनियरिंग परीक्षा को इंजीनियरिंग व नॉन-इंजीनियर्स, दोनों के लिए खोल दिया गया। और, कई नॉन इंजीनियर्स भी परीक्षा में बैठकर रेलवे इंजीनियरिंग सर्विस में आ गए।
- पर, ऐसे चयनित उम्मीदवारों की तकनीकी प्रोफेशन में खास रूची नहीं रहती थी, उदाहरण के लिए, गत दो सालों में भर्ती किए गए 150 इंजीनिरिंग सर्विस के अफसरों में से आधे से ज्यादा, ''स्पेशल लीव'' लेकर आई.ए.एस., आई.एफ.एस. की परीक्षा की तैयारी में व्यस्त हो गए।
- स्वाभाविक ही है, भारतीय रेलवे इंजीनियर्स की कमी इतनी कमी हो गई कि, रेलवे में एक विज्ञापन निकाला, रिटायर होने वाले इंजीनियर्स दो साल का एक्सटेंशन देने के लिए जिससे इंजीनियर्स की कमी कम से कम कुछ समय के लिए टल जाए।
- भारतीय रेलवे में इंजीनियरों की कमी चिन्ताजनक स्तर पर पहुंची
- रेल मन्त्रालय में अब इण्डियन रेलवे मैनेजमेंट सर्विस, को दो भागों में विभक्त करने की सोचने लगी है।

भर्ती हुए अभ्यर्थियों की रुचि 'इन-हाउस' विशिष्टीकृत ट्रेनिंग में नहीं होती है और न अब उनके लिए ट्रेनिंग के अवसर ही उपलब्ध हैं क्योंकि पूर्ववर्ति तौर-तरीकों का परित्याग कर दिया गया है। एक अधिकारी ने इस बात को स्वीकार किया, ''इसलिए, अब आई.आर. को विशिष्टीकृत कौशलों में दक्ष इंजीनियरिंग प्रतिभाएं नहीं मिल रही हैं।''

रेलवे प्रबन्धक ज़ोन-स्तर पर इंजीनियरों की बढ़ती जा रही कमी को लेकर चिन्तित हैं, जबकि अधिकांश काम इसी स्तर पर होते हैं। रेल मंत्रालय ने पिछले महीने एक विज्ञापन निकाला था, जिसमें हाल ही में सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों को दो-तीन साल अतिरिक्त सेवाएं देने के लिए आमन्त्रित किया गया था। लेकिन विपक्षी दलों ने नेताओं के विरोध के फलस्वरूप, इस योजना को तुरन्त ही स्थगित कर दिया गया। रेलवे के पूर्व अधिकारी एस.के. लूथरा, जो ''रेल बिजनेस मैग्ज़ीन'' का सम्पादन करते हैं, ने कहा, जो भी हो, निम्न-स्तर पर अधिकारियों की बढ़ती जा रही कमी की चुनौतियों का समाधान इस प्रकार के ''क्विक-फिक्स'' उपायों से नहीं हो सकता। अत्यावश्यक, त्वरित तथा ठोस नीतिगत पुनर्विचार की आवश्यकता है।''

ये शिकायतें, कि अब आई.आर. में नॉन-सीरियस अभ्यर्थी भर्ती हो रहे हैं, पूरी तरह गलत नहीं हैं। पिछले दो वर्षों में, आई.आर.एम.एस. के माध्यम से भर्ती हुए 150 इंजीनियरों में से, करीब 50 प्रतिशत लोग या तो ''स्पेशल लीव' पर जा चुके हैं या उन्होंने इसके लिए आवेदन कर रखा है। जाहिर है कि ये लोग भारतीय प्रशासनिक सेवा या भारतीय विदेश सेवा जैसी अन्य प्रतिष्ठित सेवाओं के लिए प्रयास करना चाहते हैं।

रेलवे की शीर्ष नौकरशाही में इस बात को लेकर बहुत चिंतित है। आम शिकायतें यह भी हैं कि जनरल मैनेजरों, रेलवे बोर्ड सदस्यों तथा रेलवे बोर्ड चेयरमैन-कम-चीफ एग्जीक्यूटिव आफिसर जैसे अधिकारियों के चयन में पारदर्शिता का कथित अभाव है। आई.आर. के पूर्व जनरल मैनेजर ए.के.जैन ने कहा, ''चयन के पूर्व मानकों का परित्याग कर देने के बाद, ''पिक एंड चूज़'' नीति प्रचलन में है।'' रोचक बात यह है कि पिछले पाँच वर्षों में सी.आर.बी./सी.ई.ओ. के पदों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

कर्म, ज्ञान और भक्ति– ये तीनों जहाँ मिलते हैं वहीं सर्वश्रेष्ठ पुरुषार्थ जन्म लेता है। –अरविंद

कहीं पर निगाहें, कहीं पर निशाना

दिनांक 23 सितंबर 2024 के संपादकीय में डॉ दुर्गा प्रसाद अग्रवाल ने 'एक देश, एक चुनाव' विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला है। उन्होंने इसकी पृष्ठभूमि एवं इसके सरकार द्वारा घोषित लाभ को भी अच्छी तरह समझाया है। इस संपादकीय को पढ़ने से ऐसा लगता है कि 'एक देश एक चुनाव' का नारा मात्र एक नारा ही बन कर रह जायेगा और इसके धरातल पर उतरने की संभावना नगण्य है। यह वैसा ही नारा है जैसा ''अबकी बार 400 पार'' का नारा था।

एक देश एक चुनाव की बात प्रधानमंत्री ने गत स्वतंत्रता दिवस को लाल किले की प्राचीर से कहकर इस बात में सफलता अवश्य हासिल कर ली है कि वे देश की जनता का ध्यान मूल मुद्दों से भटका कर उन्हें निरर्थक चर्चा में उलझा कर रख दें ।

यह तो सरकार स्वयं भी समझती है कि व्यावहारिक रूप से पूरे देश में लोकसभा और विधानसभा का चुनाव एक साथ करा पाना संभव नहीं है। जो लोक सभा चुनाव, दो-तीन चरणों में हो सकते थे, उन्हें गत चुनाव में सात चरणों तक खींचा गया । फलस्वरूप, लगभग दो से अधिक महीने तक चुनावी प्रक्रिया ही चलती रही । ऐसी स्थिति में सरकार का यह कहना अमहत्वपूर्ण हो जाता है की बार-बार चुनाव होने से समय व्यर्थ होता है। जो सरकार लोकसभा का चुनाव भी एक दो चरणों में नहीं करा सकती, उसके लिए यह कहना कि वह समय को बर्बाद होने से बचाने के लिए ऐसा कर रही है, बेमानी होगा ।

वास्तव में सरकार यदि बार-बार होने वाले चुनाव को एक साथ करने की दिशा में गंभीर होती तो वह इतना तो कर ही सकती थी कि झारखंड और महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव जम्मू एवं कश्मीर तथा हरियाणा विधानसभा चुनाव के साथ ही करवा लेती। शायद ऐसा इसलिए नहीं किया गया कि प्रधानमंत्री जी पूरा समय राज्यों में चुनाव प्रचार के लिए देना चाहते हैं । इसी प्रकार गुजरात एवं हिमाचल विधानसभाओं के चुनाव, जो सदैव एक ही साथ होते रहे, गत कुछ वर्षों से इन्हें भी कुछ दिनों के अंतराल से कराया जाता है। इसके पीछे मंतव्य राजनीतिक लाभ के अतिरिक्त और कोई दिखाई नहीं देता।

सरकार ने यह घोषणा की है कि वह विधानसभा और लोकसभा के चुनाव एक साथ कराने के लिए संविधान में आवश्यक संशोधन करेगी । यह उल्लेखनीय है कि कोविंद कमेटी की सिफारिश के अनुसार 15 संशोधन, संविधान में करने पड़ेंगे। इसके लिए दो बिल लाने होंगे- एक बिल विधानसभा और लोकसभा के संबंध में होगा और दूसरा पंचायत और स्थानीय निकायों के चुनाव को एक साथ करने के संबंध में होगा ।

संविधान के वर्तमान प्रावधान के अनुसार पंचायत और स्थानीय अधिकारियों के चुनाव कराने का दायित्व संबंधित राज्य सरकार का है, ना कि केंद्र सरकार का । यदि इसके लिए केंद्र सरकार को अधिकार प्राप्त करने हैं तो संविधान में संशोधन करना पड़ेगा। इसके लिए अलग बिल लाने की आवश्यकता पड़ेगी जिसे न केवल संसद द्वारा पारित कराना पड़ेगा अपितु आधे से अधिक राज्यों की विधानसभाओं से भी अनुमोदन कराना होगा। वर्तमान लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी की कुल 240 सीटें हैं और अनेक राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं। इन परिस्थितियों में न तो केंद्र सरकार इस स्थिति में है कि विधान मिल सभाओं और लोकसभा के चुनाव को एक साथ करने के लिए आवश्यक संविधान संशोधन पारित करवा सके एवं न ही वह इस स्थिति में है कि स्थानीय निकाय और पंचायत के चुनाव एक साथ करने के लिए आधे से अधिक राज्यों की विधासभाओं में इस संविधान संशोधन को पारित करवा सके ।

सैद्धांतिक रूप से हम यह मान भी लें कि ऐसा संभव हो जाता, तब भी इसे भारत के संघीय ढांचे पर प्रहार के रूप में तो देखा ही जाना चाहिए। यदि फिर भी ऐसा किया गया तो इसकी पूर्ण संभावना है कि इसे सर्वोच्च न्यायालय द्वारा संविधान के मूल ढांचे के विरुद्ध मानते हुए इसे निरस्त कर दिया जाएगा।

यदि वास्तव में सरकार चुनाव में शुचिता लाना चाहती है तो उसके लिए अनेक सुझाव चुनाव आयोग ने जो कई सालों से सरकार को दे रखे हैं, उन्हें ही लागू कर दे, जैसे राजनीतिक दल द्वारा किए गए खर्च की सीमा निर्धारित करना, अपराधिक प्रकृति के व्यक्तियों को चुनाव लड़ने से वंचित करना आदि।

प्रत्येक राज्य एवं प्रत्येक पंचायत चुनाव में चुनावी मुद्दे अलग-अलग होते हैं एवं स्थानीय समस्याएं विभिन्न प्रकार की होती हैं। गत कुछ वर्षों से ऐसा माहौल बना दिया गया है कि केंद्रीय शीर्ष नेतृत्व के नाम पर देश का कोई भी चुनाव जीता जा सकता है। प्रधानमंत्री जी स्वयं ऐसे चुनावों में प्रचार हेतु पहुंच जाते हैं। इससे न केवल प्रधानमंत्री पद की गरिमा कम हुई है अपितु इससे सरकार के राजकाज पर भी विपरीत प्रभाव निश्चित रूप से पड़ा है। उदाहरण के लिए, हाल ही में कर्नाटक में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री ने उस राज्य का 34 बार दौरा किया। ऐसे समय में, जब अनेक गंभीर समस्याएं देश के सम्मुख उपस्थित हैं, वहां प्रधानमंत्री जी किसी एक राज्य के चुनाव में जीत हासिल करने के उद्देश्य से 34 बार चले जाएं तो उनकी प्राथमिकताओं पर प्रश्न उठना स्वाभाविक ही है। विडंबना यह है कि, इस सबके बावजूद भी, कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी विजय प्राप्त नहीं कर सकी और वहां कांग्रेस की सरकार बन गई ।

हमें यह समझने की आवश्यकता है कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व की वास्तविक नीयत चुनाव में खर्चा कम करना अथवा सरकारी कामकाज में रुकावट को रोकना नहीं है। यह तो केवल जनता को लुभाने के लिए एक मुखौटा कहा जा सकता है । वास्तविक नीयत तो ऐसा लगता है कि, अधिकारों के अधिकाधिक केंद्रीकरण करने की है । यह और कुछ नहीं, बल्कि राज्यों की स्वायत्तता को कम करना ही है । ऐसा करने का प्रयास पहले भी जीएसटी, नोटबंदी तथा अचानक लॉकडाउन के माध्यम से किया गया था। यह तो केंद्रीय नेतृत्व को समझ में आ भी जाना चाहिए कि अब केवल प्रधानमंत्री के चेहरे पर वोट हासिल करना उतना सरल नहीं रहा है। जब भी ऐसा करने का प्रयास किया गया, तो सोशल मीडिया के माध्यम से विपक्षी दल भी पूरी ताकत के साथ उनके पुराने वक्तव्यों के वीडियो चलाना प्रारंभ कर देते हैं, जिनमें विभिन्न प्रकार के वादे जनता से किए गए और उनमें से अधिकांश अभी तक भी पूरे नहीं हो पाए हैं।

जब प्रधानमंत्री को लगा कि और कोई तरीका काम नहीं कर रहा है और सरकार सभी ओर से घिर रही है तो उन्होंने एक देश एक चुनाव का झुनझुना देश को पकड़ा दिया। इस बार के झुनझुने को सरकारी जामा पहनाने के लिए उससे संबंधित पूर्व राष्ट्रपति की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिश भी प्राप्त कर ली गई।

यह उल्लेखनीय है कि समिति का गठन इस बात के लिए नहीं किया गया कि एक देश एक चुनाव आवश्यक एवं व्यवहारिक है अथवा नहीं, अपितु यह सिफारिश देने के लिए किया गया कि ऐसा किस प्रकार किया जाएगा एवं उसके लिए क्या-क्या किए जाने की आवश्यकता है? सरकार ने संभवतया सोचा होगा कि पूर्व राष्ट्रपति की अध्यक्षता के कारण सभी दल उसकी सिफारिश पर सहमति प्रदान कर देंगे। ऐसा करते समय सरकार ने शायद इस बात का ध्यान नहीं रखा कि पूर्व राष्ट्रपति के कोई विशेषाधिकार नहीं हैं । उनकी अध्यक्षता वाली समिति के द्वारा दिए गए सुझावों के विरुद्ध, विभिन्न प्रबुद्ध व्यक्ति एवं राजनीतिक दल खुलकर अपने विचार व्यक्त कर रहे हैं। इन सबका सार यही है कि एक देश एक चुनाव का नारा केवल जुमला है जो कार्य रूप में परिणत होने की संभावना नहीं रखता है। इसका हश्र भी वही होने की आशंका है जैसा महिला आरक्षण बिल के बारे में हुआ था। महिला आरक्षण बिल संसद में पारित भी कर दिया गया किंतु वह कब लागू हो पाएगा इस बारे में कोई भी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। जहां तक एक देश एक चुनाव का प्रश्न है उसका तो संबंधित संविधान संशोधन पारित होना भी लगभग असंभव है क्योंकि न तो संविधान संशोधन हेतु सरकार वांछित बहुमत जुटाने की स्थिति में है और न ही आधे से अधिक राज्य विधानसभाओं से उसका अनुमोदन कराना संभव दिखाई देता है ।

संविधान निर्माताओं ने भारत में संसदीय चुनाव प्रणाली का प्रावधान किया, किंतु वर्तमान नेतृत्व इसे राष्ट्रपति प्रणाली में परिवर्तित करने की नीयत रखता है। एक देश एक चुनाव का सबसे बड़ा खतरा जो देश के समक्ष उत्पन्न हो सकता है, वह क्षेत्रीय दलों और विशेष कर दक्षिण भारतीय दलों के अस्तित्व पर संकट का है। जब स्थानीय चुनाव भी केंद्रीय नेतृत्व के नाम पर लड़े जाएंगे, जिसकी कि बहुत अधिक संभावना है तो फिर स्थानीय नेतृत्व का महत्व वैसे ही बहुत कम हो जाएगा। यही सरकार का अघोषित एजेंडा भी है, ऐसा प्रतीत होता है।

प्रधानमंत्री अभी इस स्थिति को सहजता से स्वीकार नहीं कर पाए हैं कि उन्हें पहले जैसा बहुमत संसद में प्राप्त नहीं है जितना गत 10 वर्षों में था। इसी कारण उन्हें स्वभावगत, अपने द्वारा लिए गए कई निर्णयों को कुछ ही समय में समर्थन के अभाव में वापस लेना पड़ा, चाहे वह ब्रॉडकास्टिंग रेगुलेशन बिल हो या फिर वक्फ बोर्ड से संबंधित कानून हो।

कुल मिलाकर हम यही कह सकते हैं कि एक देश एक चुनाव का नारा, केवल देश की जनता को भ्रमित करने के लिए है और वास्तविक मंशा राज्यों से केंद्र में अधिकाधिक अधिकारों को हस्तांतरित करने की है ताकि स्थानीय नेतृत्व और क्षेत्रीय राजनैतिक दल कमजोर हो जाएं।

यदि वास्तव में सरकार चुनाव में शुचिता लाना चाहती है तो उसके लिए अनेक सुझाव चुनाव आयोग ने जो कई सालों से सरकार को दे रखे हैं, उन्हें ही लागू कर दे,जैसे राजनीतिक दल द्वारा किए गए खर्च की सीमा निर्धारित करना, अपराधिक प्रकृति के व्यक्तियों को चुनाव लड़ने से वंचित करना आदि।

यह सामान्य सी बात है कि राजनीति में जो होता है वह दिखता नहीं और जो नहीं दिखता है वही होता है। एक देश एक चुनाव के संबंध में केंद्र सरकार की नीयत के बारे में तो यही कहा जा सकता है, ''कहीं पर निगाहें, कहीं पर निशाना।''

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

विज्ञान, लालच, बड़ा धन और जन स्वास्थ्य

डॉ. रामावतार शर्मा

विज्ञान ने हमारे जीवन और रहन-सहन में आमूल चूल परिवर्तन किए हैं। हम बैल गाड़ी, घोड़ा या गधा गाड़ियों से कहीं आगे बढ़ शक्तिशाली दुपहिया और चौपहिया वाहनों में द्रुत गति से आवागमन करने लगे हैं, वैश्विक अर्थव्यवस्था स्थापित हुई है और कितनी ही जानलेवा बीमारियों पर प्रभावकारी विजय प्राप्त हुई है। मोबाइल फोन और इंटरनेट ने हमारे जीवन को एक नया रूप दे दिया है। यहां एक बात नहीं भूलनी चाहिए कि विज्ञान की इन उपलब्धियों का महत्व इनके सदुपयोग में ही निहित है। वाहन तेज भागते हैं पर तीव्र गति बड़ी संख्या में लोगों का जीवन भी लील लेती है। इंटरनेट है तो पोर्न भी है, अश्लीलता का विस्तार हुआ है, झूठा प्रचार तंत्र विकसित हुआ है, ऑनलाइन ठगी पनपी है और इसके अलावा कितने ही अपराध और चरित्र की विकृतियों का जन्म हुआ है।

एक सामान्य विश्लेषण बता देगा कि इन सब नकारात्मक पक्षों के पीछे लालच और बड़े धन संग्रहण की मनोवृत्ति का ही हाथ है जिसके फलस्वरूप हम विज्ञान की इन उपलब्धियों का सकारात्मक उपयोग कर आनंदमय जीवन नहीं जी पा रहे हैं। इसके अलावा जो चिकत्सा विज्ञान हमें संक्रामक रोगों से बचा रहा है और दीर्घकालिक रोगों से मुक्ति पाने में में कुछ सहारा दे पा रहा है उसकी कितनी ही दवाओं का जबरदस्त दुरुपयोग नेपथ्य में तकरीबन हर व्यक्ति के जीवन का दीमक बन रहा है। जिस प्रकार से दीमक समय के साथ किसी भी विशाल पेड़ को नष्ट कर देती है उसी प्रकार रसायनों का दुष्प्रभाव जन स्वास्थ्य के लिए घातक होता है।

डी ई एस एक मानव निर्मित एस्ट्रोजन हार्मोन है। 1940 से 1959 के बीच अमेरिका के नर मुर्गों पर इस हार्मोन का जम कर दुरुपयोग हुआ क्योंकि इसके उपयोग से नर मुर्गे की छाती में फुलावट आ जाती थी और वह अधिक मांसल हो जाता था। चंद वर्षों में अमेरिका के कितने ही मर्द और गली के नर कुत्तों के स्तन बढ़ने लगे और उनकी आवाज पतली होने के साथ ही वे स्त्री की तरह व्यवहार करने लगे क्योंकि एस्ट्रोजन मुख्यतया एक मादा हार्मोन होता है।

अमेरिका सरकार को करोड़ों रुपए के चिकन खरीद कर नष्ट करने पड़े और मुर्गों में इस हार्मोन के उपयोग पर रोक लगी। अब लालची लोग डी ई एस का उपयोग पशुओं में करने लगे और धन लोभी फार्मा उद्योग ने बिना किसी व्यापक शोध के इस हार्मोन को महिलाओं में सुरक्षित गर्भ के लिए उपयोगी होने का प्रोपेगंडा प्रारंभ किया। परिणाम यह हुआ कितने ही युवक इस हार्मोन से प्रभावित हुए और वे नपुंसकता, गाइनेकोमाजिया (स्तन विकास) और कई स्त्रीगत लक्षणों से पीड़ित होने लगे। जिन गर्भवती महिलाओं को यह हार्मोन दिया गया उनमें से कई महिलाओं की संतानों के जननांगों में जन्मजात विकार पैदा हुए और ये बच्चे कभी भी सामान्य जीवन नहीं जी पाए, बालिकाओं की यूटरस और बालकों के टेस्टिकल्स अविकसित पाए गए।

इन बच्चों को ;डेज (डी ए एस) बेबीज; कहा गया। अति प्रभावशाली फार्मा और मीट लॉबी के चलते अमेरिकन सरकार सरकार ने बड़े अधूरे मन से 1979 में इस हार्मोन पर रोक लगाई क्योंकि कितने ही शोध यह प्रमाणित कर चुके थे कि इस तरह का मांस खाने से महिलाओं में क्लियर सेल कैंसर, और पुरुषों में टेस्टिकुलर कैंसर और असाध्य प्रजननहीनता हो सकती है।

डी ई एस आधिकारिक तौर पर तो प्रतिबंधित है पर अमेरिका सहित कई अन्य देशों में पशुओं को मोटा और मांसल बनाने के लिए अभी भी इसका गैर कानूनी निर्माण और उपयोग हो रहा है। भारत में पालतू पशुओं में डाइक्लोफेनेक के उपयोग से गिद्ध और चील विलुप्त से हो गए हैं, कौवों की संख्या में गिरावट आ गई है क्योंकि मृत जानवरों का डाइक्लोफेनक युक्त मांस खाने से उनके गुर्दे नष्ट हो जाते हैं। मनुष्य के गुर्दे बड़े होते हैं इसलिए नष्ट तो नहीं होंगे परंतु ऐसे पशुओं का दूध पीने से हमारे गुर्दों की कार्य क्षमता में तो गिरावट आना संभव है। लक्षण तो सामने नहीं आयेंगे पर घुन तो लग ही सकता है। बड़ा धन कमाने के लिए तथाकथित बड़े लोग सामान्य नागरिक के साथ क्या खेल खेलते हैं इसका लेखा जोखा मांगने वाला कोई नहीं है और अब तो सामान्य नागरिक भी उन्हीं की तरह आपाधापी में लग गया है। खेतों में विज्ञान विरोधी मात्रा में पेस्टीसाइड और अन्य केमिकल्स, दुकानों में मिलावट, दूध, घी, मिनरल वॉटर और शराब में मिलावट, सलाह में स्वार्थ और विचारों में जहर का हर तरफ वर्चस्व है। यह एक तरह की त्रासदी है कि लोगों ने जीवन में आनंद को तज कर वस्तुओं के संग्रहण को अपना लिया पर याद रखना चाहिए कि हर वस्तु समय के साथ घिसती है, उसका ह्रास होता है जबकि आनंद चिर युवा है।

–डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

बनवारी खामोश को मनुज साहित्य और कृष्णानद व्यास को मनुज कला सम्मान मिला

साहित्यकार राजेन्द्र मुसाफ़िर के बाल-कहानी संग्रह ''आजादी का मोल'' का लोकार्पण किया

जयपुर। डॉ. ओ.पी शर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट, चूरू की ओर से नगर-श्री चूरू के सभागार में साहित्य-कला समारोह आयोजित किया गया। कवि-गीतकार बनवारीलाल शर्मा खामोश को मनुज साहित्य-सम्मान 2024 और ख्यातनाम तबलावादक पंडित कृष्णानंद व्यास को मनुज कला-सम्मान अर्पित किया गया। सम्मान स्वरूप साहित्य और संगीत की दोनों हस्तियों को सम्मान-पत्र, शॉल, श्रीफल, स्मृति-चिह्न एवं ग्यारह-ग्यारह हजार रुपये भेंट किये गये। दोनों सम्मानितजनों को अपने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए अलंकृत किया गया।

डॉ. ओ.पी शर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट, चूरू की ओर से नगर-श्री चूरू के सभागार में आयोजित साहित्य-कला समारोह में बनवारीलाल शर्मा खामोश व तबलावादक पंडित कृष्णानंद व्यास को सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चूरू के सचिव डॉ. शरद व्यास ने साहित्य और संगीत के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि विज्ञान और वाणिज्य विषय के लोग समृद्ध हो सकते हैं, परन्तु खुशहाल होने के लिए कला का आंचल पकड़ना ही पड़ता है। कला का आंचल पकड़े बिना व्यक्तिव में पूर्णता नहीं आती। उन्होंने वरिष्ठ कला-साधकों के आदर सम्मान को श्रेयस्कर बताते हुए वसीम बरेलवी के शेर को दोहराया कि 'देखना साथ ही छूटे न बुजुर्गों का कहीं, पत्ते पेड़ों पे लगे हों तो हरे रहते हैं। समारोह अध्यक्ष रंगकर्मी डॉ. प्रमोद बाजोरिया ने अपनी राजस्थानी कविता की पंक्तियों में डॉ. ओ. पी.शर्मा और दोनों सम्मानित साधकों की प्रतिभा और अवदान को पिरोते हुए सदन को भावविभोर किया।

सम्मानित हुए साहित्यकार खामोश ने अपने रचनाकर्म के प्रारंभिक संस्मरणों को साझा करते हुए कहा कि मेरी अभिरुचि को समृद्ध करने में स्मृतिशेष डॉ. ओ.पी. शर्मा का बहुत बड़ा योगदान है। डॉ. शर्मा ने मेरी प्रतिभा को पहचान कर अपने निजी पुस्तकालय से पुस्तक-पठन की सुविधाएं उपलब्ध करवाई। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट साहित्य-सर्जन तभी हो सकता है जब हम सद्साहित्य का अध्ययन करते रहें। मशहूर तबला-वादक कृष्णानंद व्यास ने तबला-वादन को कठिन विधा बताते हुए इसके बोल की बारीकियां प्रस्तुत की।

उन्होंने सम्मान का आभार व्यक्त करते हुए अनेक सस्मरण साझा किये। इस अवसर पर साहित्यकार राजेन्द्र मुसाफ़िर के हिन्दी बाल-कहानी संग्रह 'आजादी का मोल' का लोकार्पण भी हुआ। अतिथियों का स्वागत करते हुए राजेन्द्र शर्मा 'मुसाफिर' ने कहा कि साहित्य और अन्य कलाओं के लिए अपना जीवन होम करने वाले साधकों का सम्मान करना संस्थाओं और समाज का कर्तव्य है। उन्होंने ट्रस्ट की गतिविधियों की जानकारी भी दी। रवीन्द्र शर्मा ने खामोश और पंडित व्यास के कृतित्व और व्यक्तित्व का परिचय दिया।

प्रबन्धन ट्रस्टी डॉ. सुरेन्द्र शर्मा, श्यामसुन्दर शर्मा दुराना, श्यामसुंदर शर्मा नगर-श्री, विनोद मेहता, जितेन्द्र मेहता, डॉ. कमल वषिष्ठ, बृजेन्द्र दाधीच, रवीन्द्र शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, कृष्ण कुमार ग्रोवर, आषुतोष, ओमप्रकाष तंवर आदि ने दोनों सम्मान्य व अतिथियों का स्वागत-अभिनन्दन किया। कार्यक्रम में विनोद व्यास ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। नारायण शर्मा द्वारा खामोश रचित ग़जलों का सांगीतिक प्रस्तुतीकरण हुआ ललित व्यास ने तबले पर संगत की।

ट्रस्टी कृष्ण कुमार ग्रोवर ने कला और संस्कृति की महत्ता पर प्रकाष डालते हुए मंचस्थ एवं आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन लेखक और विचारक प्रोफेसर कमलसिंह कोग्रारी ने किया। इस अवसर पर ऊषा शर्मा, अनसुईया शर्मा, पुष्पा शर्मा, उमा शर्मा, मीना सोनी, लाजवंती मुद्गल, इंदिरा सिंह बाबूलाल शर्मा, दुलाराम सहारण, गुरुदास भारती, चंद्र प्रकाश ढंढ, हरिसिंह, एडवोकेट रमेश सोनी, हरिसिंह, इदरीस खत्री, विजयकान्त, शैलेन्द्र माथुर, सोमेश शर्मा, सज्जन लाटा, राकेश शर्मा दुराना, सहित अनेक प्रबुद्ध श्रोता उपस्थित थे। आरंभ में अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर समारोह का विधिवत शुभारंभ किया।

आलवाड़ा के सीनियर स्कूल में दो साल से शिक्षकों के पद रिक्त

- **गुस्साए विद्यार्थियों व ग्रामीणों ने स्कूल के मैन गेट पर ताला जड़ा**
- **सरकार एवं विभागीय अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की**

सायला, (निसं)। सायला उपखण्ड क्षेत्र के आलवाड़ा गांव स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में करीब दो साल से शिक्षकों के रिक्त पदों को लेकर गुस्साएं विद्यार्थियों व ग्रामीण ने सोमवार को विद्यालय के मैन गेट पर ताला लगाकर धरना दिया।

जानकारी के अनुसार राउमावि आलवाड़ा में पिछले दो साल से शिक्षकों के पद रिक्त चल रहे हैं। स्कूल में शिक्षकों के कुल 8 पद है, जिसमें सिर्फ 3 पद पर ही शिक्षक कार्यरत है तथा कुल 5 पद पिछले 2 साल से रिक्त चल रहे हैं। जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई भी नहीं हो पा रही है। इसको लेकर सरपंच, विद्यार्थियों व ग्रामीणों ने कई बार जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन देकर अवगत कराया तथा करीब चार माह पहले जालोर आए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को भी ज्ञापन देकर ग्रामीणों ने रिक्त पदों के बारे में अवगत कराया था। जिस पर उन्होंने जल्दी समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन आज दिन तक कोई समाधान नहीं हुआ, जिससे गुस्साए विद्यालय के 260 से अधिक विद्यार्थियों व ग्रामीणों ने विद्यालय के गेट पर ताला लगाकर विद्यालय के आगे धरने पर बैठ गये तथा सरकार एवं विभागीय अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सूचना पर जीवाणा उप तहसीलदार हुकमसिंह, शिक्षा विभाग के आरपी सुरेशचन्द्र बेनीवाल, हेड कांस्टेबल पब्बाराम व कांस्टेबल मोहित कुमार मौके पर पहुंचे तथा विद्यार्थियों व ग्रामीणों से समझाईश का प्रयास किया, लेकिन विद्यार्थियों ने शिक्षकों की मांग पूरी नहीं होने तक विरोध प्रदर्शन जारी रखने की चेतावनी दी, जिस पर सीबीईओ भंवरलाल परमार ने तालियाना, जालमपुरा, तिलोडा व खेतलावास पीईईओ क्षेत्र की स्कूलों से एक-एक शिक्षक को शैक्षणिक व्यवस्थार्थ आदेश जारी कर आलवाड़ा लगाया। इसके बाद विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों ने धरना समाप्त किया।

आलवाड़ा के राउमावि में पिछले 2 साल शिक्षकों के रिक्त पद है। हालांकि शिक्षा विभाग द्वारा ग्रामीणों की मांग पर शैक्षणिक व्यवस्था के तहत सप्ताह में तीन-तीन दिन के लिए शिक्षकों को लगाया था। जो अभी स्कूलों में खेल प्रतियोगिताओं के चलते व्यस्त हो गए। जिससे राउमावि आलवाड़ा में विद्यार्थियों की पढ़ाई चौपट हो रही थी। ऐसे में ग्रामीणों की मांग पर सीबीईओ भंवरलाल परमार द्वारा कार्य व्यवस्थार्थ चार शिक्षकों को लगाया गया, जिसमें राउप्रावि खेतलावास नारवाडा के शिक्षक नवजोतसिंह, राप्रावि चौधरीयों की बेरी आकवा के शिक्षक फरसाराम, राउप्रावि केरली नाडी दहिवा के शिक्षक प्रमोद कुमार एवं राउप्रावि भादरवा बेरा तिलोडा के शिक्षक रामरस गुर्जर को आलवाड़ा लगाया गया।

भंवरलाल परमार सीबीईओ सायला का कहना है कि आलवाड़ा के राउमावि में शिक्षकों के पद रिक्त है, जिसको लेकर विद्यार्थी एवं ग्रामीण स्कूल के ताला लगाकर धरने पर बैठे थे। उनकी मांग पर आसपास के पीईईओ क्षेत्र से शैक्षणिक व्यवस्थार्थ चार शिक्षकों को लगाया गया। जिस पर धरना समाप्त हो गया।

राशिफल मंगलवार 24 सितम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, मृगशिरा नक्षत्र रात्रि 9:54 तक, व्यतिपात योग रात्रि 1:26 तक, बव करण दिन 12:39 तक, चन्द्रमा आज प्रात: 9:55 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मिथुन, बुध-कन्या, गुरू-वृष, शुक्र-तुला, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज द्विपुष्कर और राजयोग सूर्योदय से दिन 12:39 तक है। यहघट योग रात्रि 9:54 से सूर्योदय तक है। आज अष्टमी का श्राद्ध है। व्यतिपात पुण्यं है और महालक्ष्मी व्रत समाप्त होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:19 से 10:49 तक, लाभ-अमृत 10:49 से 1:39 तक, शुभ 3:18 से 4:48 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:20, सूर्यास्त 6:18

मेष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति एवं व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह

आर्थिक/वित्तिय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

वृष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

मिथुन

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बना रहेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

तुला

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक मामलों में उचित परामर्श मिलेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

व्यक्तिगत के कारण मन में असंतोष बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

वृश्चिक

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मीन

घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

'संस्थानों का अनुदान कम करने से पहले प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करना जरूरी'

- हाईकोर्ट ने कहा कि राजस्थान गैर-सरकारी शैक्षिणक संस्थान अधिनियम की धारा 7(1) में प्रावधान है कि अनुदान को संस्थानों की ओर से अधिकार के रूप में दावा नहीं किया जा सकता है और राज्य इसे कभी भी रोक सकती है। यह केवल प्रारंभिक चरण में लागू होता है
- कोर्ट ने आगे कहा कि जब अनुदान स्वीकृत हो जाता है तो उसमें किसी भी तरह की कमी करने से पूर्व राजस्थान गैर-सरकारी शैक्षिणक संस्थाओं (मान्यता, सहायता अनुदान और सेवा शर्तों आदि) के नियम 18 का पालन करना होगा

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि सहायता प्राप्त संस्थानों का अनुदान कम करने से छात्रों की शिक्षा प्रभावित होती है। ऐसे में सरकार संस्थान का पक्ष सुने बिना अनुदानित शिक्षण संस्थानों का अनुदान कम नहीं कर सकती। अदालत ने कहा कि राजस्थान गैर-सरकारी शैक्षिणक संस्थान अधिनियम की धारा 7(1) में प्रावधान है कि अनुदान को संस्थानों की ओर से अधिकार के रूप में दावा नहीं किया जा सकता है और राज्य इसे कभी भी रोक सकती है। यह केवल प्रारंभिक चरण में लागू होता है और जब अनुदान स्वीकृत हो जाता है तो उसमें किसी भी तरह की कमी करने से पूर्व राजस्थान गैर-सरकारी शैक्षिणक संस्थाओं (मान्यता, सहायता अनुदान और सेवा शर्तों आदि) के नियम 18 के तहत प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करना होगा। इसके साथ ही अदालत ने मामले में सरकार की ओर से अनुदान कम करने के आदेश को रद्द कर दिया है। जस्टिस अवनीश झिंगन ने यह आदेश वैदिक कन्या महाविद्यालय व अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि संबंधित संस्था द्वारा किसी भी सहायता का दावा अधिकार के रूप में नहीं किया जा सकता। यह प्रावधान अनुदान की मंजूरी के प्रारंभिक चरण में लागू होगा। एक बार सहायता प्रदान हो जाने पर, श्रेणी बदलने या सहायता को रोकने या कम करने के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होता है। श्रेणी में परिवर्तन और सहायता अनुदान में कमी से संस्थान के छात्रों की शिक्षा को प्रभावित करते हैं। याचिका में अधिवक्ता अजीत मालू कहा गया कि उन्हें पूर्व में सरकार की ओर से अनुदान मिलता था, लेकिन बाद में उनका अनुदान कम का दिया गया। जबकि इससे पहले उनका पक्ष भी नहीं सुना गया। वहीं राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता आदित्य सिंह ने कहा कि अनुदान रोकने, कम करने या उसे निलंबित करने का सरकार को अधिकार है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने राज्य सरकार के आदेश को रद्द कर दिया है।

चक्रधर स्वामीजी और गोविन्द प्रभुजी ने समाज में फैली कुरीतियों को दूर किया : राज्यपाल

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को राजापार्क स्थित श्री गोपाल मंदिर में चक्रधर प्रभु व भगवान गोविन्द प्रभु की पूजा की।

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे सोमवार को राजापार्क स्थित श्री गोपाल मंदिर पहुंचे और उन्होंने वहां चक्रधर प्रभु व भगवान गोविन्द प्रभु महाराज की पूजा-अर्चना कर उनसे राष्ट्र और राज्य की समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

बागडे ने कहा कि चक्रधर स्वामी और गोविन्द प्रभु महाराज के अवतार उत्सव पर उनकी दी हुई शिक्षाओं से हमे प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संतों के जीवन आदर्श जीवन जीने की हमें सीख देते हैं। चक्रधर स्वामी जी और गोविन्द प्रभु जी महाराज ने समाज में फैली कुरूतियों को दूर कर रूढियों के बंधन से मुक्त किया।

सर्वज्ञ चक्रधर स्वामी के जीवन और आदर्शों की चर्चा करते हुए राज्यपाल बागडे ने कहा कि वह वैष्णवाद परंपरा के प्रमुख प्रतिपादक ही नहीं थे बल्कि जाति, पाति, धर्म भेद से परे उन्होंने मानवता के धर्म को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि चक्रधर स्वामी ने ''महानुभव पंथ'' की स्थापना की और इसके जरिए से समाज के सभी वर्गो को जोडने का काम किया।

बागडे कहा कि भगवान चक्रधर स्वामी मराठी भाषा के जन्मदाता माने जाते हैं। कवयित्री महदंबा उनकी शिष्या थीं। मराठी के आद्यग्रंथ लीलाचरित्र में चक्रधर स्वामी की जीवनी समाविष्ट है। राज्यपाल ने कहा कि ''महानुभव पंथ'' में पांच कृष्णो के विचार प्रमुख हैं। यह पांच कृष्ण, दत्तात्रेय प्रभु, चक्रपाणि, गोविन्दा प्रभु और स्वयं चक्रधर स्वामी। उन्होंने कहा कि चक्रधर स्वामी जन-जन से जुडे आलोक-पुरूष थे। उन्होंने जनता में एकता और समभाव का संदेष दिया। चक्रधर स्वामी ने अपने उपदेश मराठी भाषा में ही दिए। संक्षिप्त शैली में उनके सूत्र अर्थपूर्ण हैं। जीवन के मर्म को समझने वाले हैं। उन्होंने चक्रधर स्वामी की चार प्रमुख शिक्षाओं - अहिंसा, तप, ब्रह्मचर्य और भक्ति की चर्चा की।

बागडे कहा कि गोविन्दा प्रभु भी महान समाज सुधारक थे। उन्होंने छुआछूत, जात-पात के भेद से समाज को मुक्त किया। आरंभ में उनका बहुत विरोध हुआ परंतु उन्होंने इसकी परवाह नहीं की संत ऐसे ही होते हैं।

राजस्थान वीरों की भूमि, इस पर पराक्रम के अनेक प्रतिनिधि जन्मे : राजनाथ सिंह

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जयपुर स्थित श्री भवानी निकेतन सैनिक स्कूल का उद्घाटन किया। इस दौरान संस्था की ओर से स्कूल का चित्र उन्हें उपहार में दिया गया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, सैनिक कल्याण मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ और पूर्व सांसद रामचरण बोहरा मौजूद थे।

- उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जयपुर को सैनिक स्कूल की सौगात देने पर आभार व्यक्त किया
- सैनिक स्कूल युवाओं के समग्र विकास के लिए अनुशासन, देशभक्ति और साहस के मूल्यों को विकसित करते हैं : कर्नल राज्यवर्धन राठौड़

जयपुर। केंद्र सरकार ने पूरे भारत में 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। इस क्रम में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज जयपुर स्थित श्री भवानी निकेतन सैनिक स्कूल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होने कहा कि केंद्र सरकार ने पूरे भारत में 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। इसी क्रम में रक्षा मंत्रालय ने इन 100 स्कूलों में से 45 स्कूल राज्य सरकारों, गैर सरकारी संगठनों और निजी स्कूलों के सहयोग से खोलने को मंजूरी दी गई। इनमें से 40 स्कूलों में शैक्षिणक गतिविधियां शुरू हो गयी है, और श्री भवानी निकेतन सैनिक स्कूल, जयपुर उनमें से एक है। जयपुर में उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुये रक्षा मंत्री ने कहा कि राजस्थान वीरों की भूमि है इस भूमि पर महाराणा प्रताप, पृथ्वीराज चौहान, महाराज सूरजमल और सवाई जयसिंह जैसे शौर्य और पराक्रम के अनेक प्रतिनिधि जन्मे। अपनी मातृभूमि की रक्षा करना, और उसकी रक्षा के लिए अपने प्राण तक न्योछावर कर देने का जो संकल्प है, वह संकल्प इस भूमि के कण-कण में बसा हुआ है। उन्होने विश्वास व्यक्त किया की ये सैनिक स्कूल के विधार्थी देश प्रेम की ऐसी भावना से ओतप्रोत होंगे साथ ही उन्हें भारत की सैन्य सेवाओं में जाने के लिए उचित मार्गदर्शन मिलेगा।

इससे पहले उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को जयपुर को सैनिक स्कूल की सौगात देने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वो खुद एक सैनिक की बेटी हैं और इस पर उन्हें गर्व है। राजस्थान में बड़ी संख्या में सैनिकों के परिवार रहते हैं। यहां सैनिक स्कूल खुल जाने से ऐसे परिवारों को मदद मिलेगी। 2014 के बाद पीएम और रक्षा मंत्री ने साफ किया कि अब देश में रक्षा को लेकर मजबूत घेरा है। इसलिए चिंता की बात नहीं हैं। नए भारत में किसी का दखल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि त्योहारों पर पीएम जवानों का मनोबल बढ़ाते है। सेना के साथ सरकार खड़ी हैं। खुद रक्षा मंत्री भी इस बात का संदेश देते रहे हैं। 2021 में केंद्र ने 100 सैनिक स्कूल की स्वीकृति दी थी। अब स्कूल की पढ़ाई भी देश भक्ति की भावना के साथ होगी।

सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने सोमवार को केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में जयपुर में श्री भवानी निकेतन सैनिक स्कूल के उद्घाटन समारोह में सहभागिता की व प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं दीं। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने नवस्थापित सैनिक स्कूल जयपुर की सौगात देने के लिए केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का आभार जताया। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, संपूर्ण राजस्थान को एक और ऐतिहासिक सैनिक स्कूल की सौगात मिली है। यह हम सभी के लिए गर्व का पल है।

कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, सांसद मंजू शर्मा, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, राजपूत सभा भवन अध्यक्ष रामसिंह चंदलाई भी मौजूद रहे।

पूर्व मंत्री शांति धारीवाल की पुत्री का निधन

जयपुर, (का.सं.)। पूर्व स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल की इकलौती पुत्री दिव्या लोढ़ा का निधन 23 सितम्बर को हो गया। वे कई दिनों से अस्वस्थ चल रहीं थीं और उनका उपचार चल रहा था। विजय लोढ़ा की पत्नी स्व. दिव्या लोढ़ा की अंतिम यात्रा एसडीसी, अशोक मिलबर्न, अहिंसा सर्किल, सी-स्कीम, जयपुर से लाल कोठी मोक्षधाम के लिये 24 सितम्बर को साढ़े नौ बजे रवाना होगी। उनका उठावना 25 सितम्बर को सी-स्कीम स्थित उनके निवास पर रखा गया है।

मेयर मुनेश गुर्जर को व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट देने के खिलाफ याचिका

जयपुर, (का.सं.)। नगर निगम से पट्टे जारी करने के एवज में रिश्वत लेने से जुड़े मामले में एसीबी कोर्ट की ओर से आरोप पत्र पेश होने के दौरान हेरिटेज नगर निगम आयुक्त मुनेश गुर्जर को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने से छूट देने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। मामले के परिवादी सुधांशु सिंह की ओर से पेश इस याचिका पर हाईकोर्ट आगामी दिनों में सुनवाई करेगा।

याचिका में अधिवक्ता पूनम चंद भंडारी ने बताया कि मामले में एसीबी ने गत 19 सितंबर को मुनेश गुर्जर सहित अन्य के खिलाफ एसीबी कोर्ट में आरोप पत्र पेश किया था। एसीबी ने मुनेश गुर्जर को नोटिस जारी कर इस दौरान एसीबी कोर्ट में उपस्थित होने को कहा था।

केंद्रीय मंत्री का विरोध, काले झंडे दिखाए

जयपुर, (का.प्र.)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को देश का नंबर वन आतंकवादी बताने वाले केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के जयपुर आने पर जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आर आर तिवाडी के नेतृत्व मे सोमवार को सीबीआई फाटक पर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने कई कांग्रेसी नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिए जाने के बावजूद युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एयरपोर्ट पर केंद्रीय मंत्री को काले झंडे दिखाये। इसके बाद गिरफ्तार नेताओं को विभिन्न थानों में लेकर गए, जिसमें खो नागोरिया, प्रताप नगर, मालवीय नगर, रामनगरिया और दिन भर थाने में बैठा कर रखा गया। जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आर आर तिवाडी के नेतृत्व में पीसीसी महासचिव जसवंत गुर्जर, स्वर्णिम चतुर्वेदी, अतुल पारस, राजेंद्र यादव सहित लगभग 150 कार्यकर्ताओं ने गिरफ्तारी दी।

52 अटल प्रगति पथ बनेंगे

जयपुर। उपमुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री दिया कुमारी ने प्रदेश में लगभग 206.35 करोड़ रुपये की लागत के अटल प्रगति पथों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की है। 10,000 से ज़्यादा की आबादी के गांवों में एक मुख्य सड़क को अटल प्रगति पथ के रूप में विकसित किया जाएगा।

183 आर.ए.एस. अफसरों के तबादले

- 67 उपखंड अधिकारियों को बदला

जयपुर, (का.सं.)। राज्य सरकार ने आज बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आर.ए.एस.) के 183 अधिकारियों के तबादले किये हैं। कार्मिक विभाग के आदेशानुसार इनमें से 67 उपखंड अधिकारियों को बदला गया है।

आदेशानुसार राजेश सिंह को राजस्थान पर्यटन विकास निगम, जयपुर में कार्यकारी निदेशक, विवेक कुमार को पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग में अतिरिक्त महानिरीक्षक, रामलाल गुर्जर को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में अतिरिक्त निदेशक, सुरेश कुमार नवल को राजस्व अपील अधिकारी, जयपुर, सुनील भाटी को कॉलेज शिक्षा में अतिरिक्त आयुक्त, डॉ.वीरेन्द्र सिंह को अनुसूचित जाति जनजाति वित्त विकास सहकारी निगम लिमिटेड का प्रबंध निदेशक, दाताराम को सामान्य प्रशासन विभाग में संयुक्त शासन सचिव, सुश्री प्रियंका जोधावत को संस्कृत शिक्षा विभाग में आयुक्त, मुन्नी मीना को शिक्षा विभाग में संयुक्त शासन सचिव, मुकेश कुमार मीणा को राजस्थान मेडिकल एजूकेशन सोसायटी (राजमेस) का अतिरिक्त निदेशक, विनीता सिंह को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, जयपुर प्रथम, लोकेश कुमार सहल को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में संयुक्त शासन सचिव, नीलिमा तक्षक को मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग में निदेशक, मेघराज सिंह मीणा को समेकित बाल विकास सेवाएं में अतिरिक्त निदेशक, ममता राव को यूआईडी प्रोजेक्ट, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग में विशेषाधिकारी, सुमन पंवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, जयपुर-चतुर्थ, उत्तम सिंह शेखावत को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, जयपुर में निदेशक एवं पंचायती राज विभाग में अतिरिक्त निदेशक, मधु रघुवंशी को शांति एवं अहिंसा विभाग में उप निदेशक, सीमा शर्मा-1 को राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रार, सोविला माथुर का गृह विभाग में शासन उप सचिव, अनुपमा टेलर को समेकित बाल विकास सेवा में अतिरिक्त निदेशक, रविन्द्र कुमार शर्मा को कृषि विपणन विभाग में अतिरिक्त निदेशक, शैफाली कुशवाहा को प्रशासनिक सुधार विभाग में शासन उप सचिव, अशोक कुमार शर्मा-1 को नगर निगम जयपुर ग्रेटर का उपायुक्त, राकेश कुमार शर्मा-1 को इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में उप निदेशक, शेर सिंह लुहाड़िया को जिला परिषद में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ब्रह्मलाल जाट को खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग में उपायुक्त, कुंतल विश्नोई को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, जयपुर-3, राजेन्द्र सिंह शेखावत-1 को क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, जयपुर-प्रथम, तारामति वैष्णव के जयपुर विकास प्राधिकरण में उपायुक्त, राजेन्द्र सिंह-2 को राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद एवं पदेन शासन सचिव, खेल एवं युवा मामलात विभाग, मुकेश कुमार मूंड को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, जयपुर उत्तर, शीलावती मीणा को सामान्य प्रशासन विभाग में प्रोटोकोल अधिकारी, विश्वामित्र मीणा को राजस्थान हाउसिंग बोर्ड का सम्पदा अधिकारी, प्रियंका तलानिया को जयपुर विकास प्राधिकरण में उपायुक्त, मनीष कुमार को जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ का प्रबंध निदेशक, प्रगति आसोपा को राज्य मानवाधिकार आयोग का उप सचिव, सरिता मलहोत्रा को नगर निगम जयपुर हैरिटेज में उपायुक्त, उपेन्द्र कुमार शर्मा को जयपुर विकास प्राधिकरण का उपायुक्त, विनित कुमार सुखाड़िया को स्थानीय निकाय विभाग में सहायक निदेशक, कनक जैन को सहायक कलेक्टर चौमूं, मनीषा चौधरी को राज्य निर्वाचन अधिकारी में सहायक सचिव के पद पर लगाया गया है।

वहीं मोहल दान रत्नू और राम सिंह गुर्जर का तबादला निरस्त किया गया है। इसके अलावा दाताराम को सामान्य प्रशासन विभाग में उप मुख्य प्रोटोकोल अधिकारी एवं कंट्रोलर सर्किट हाऊस एवं नियंत्रक एवं पदेन संयुक्त सचिव, स्टेट मोटर गैराज विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

शोक समाचार

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्रवधु

श्रीमती दिव्या लोढ़ा

(धर्मपत्नी श्री विजय लोढ़ा)

का आकस्मिक निधन दिनांक 23 सितम्बर 2024 को हो गया है।

अन्तिम यात्रा SDC अशोक मिलबर्न, अंहिसा सर्किल, सी-स्कीम, जयपुर से दिनांक 24.09.2024 को प्रात: 9:30 बजे लाल कोठी मोक्षधाम के लिये रवाना होगी।

उठावना तारीख 25 सितम्बर 2024 को प्रात: 10:00 बजे

निवास: SDC अशोक मिलबर्न, अंहिसा सर्किल, सी-स्कीम, जयपुर पर रखा गया है।

शोकाकुल

श्रीमती मंजू- गणपत चन्द लोढ़ा (सास- ससुर) विजय लोढ़ा (पति),
नीलम-सुनील लोढ़ा (देवरानी- देवर), साक्षी- पुलकित लोढ़ा (पुत्रवधु- पुत्र), अपूर्व (देवर पुत्र),
श्रीमती कुसुम लोढ़ा (काकी सास), श्रीमती चन्द्रा- सुखदेव चन्द लोढ़ा (काकी सास, ससुर), श्रीमती विद्या लोढ़ा (ताई सास),
सुरेन्द्र, नरेन्द्र, कैलाश, राजीव, संजीव, जगदीश, प्रवीण, प्रदीप, रवि लोढ़ा (देवर) एवं समस्त लोढ़ा परिवार
पीहर पक्ष- शान्ति धारीवाल (पिता) एकता- अमित (भाभी-भाई) गर्वित (भतीजा)
आरसी (भतीजी) व समस्त धारीवाल परिवार कोटा।

विजय लोढ़ा- 9873452021/7367010950 पुलकित लोढ़ा- 9650365533

खोया पाया

मेरा मकान सं.-1/NA/20, जवाहर नगर, जयपुर का मूल आंवटन पत्र व मूल कब्जा पत्र कही गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करे- रणदीप सिंह-7877333703

मेरे पुत्र अभिमन्यु सिंह जादौन के केंद्रीय विद्यालय संगठन के कागजों में गलती से मेरे पुत्र का अभिमन्यु सिंह एवम मेरा व मेरी पत्नी का नाम गलती से नरेन्द्र सिंह व रितु आंकाक्षा सिंह हो गया है जबकि पुत्र का सही नाम अभिमन्यु सिंह जादौन एवम मेरा व मेरी पत्नी का सही नाम नरेन्द्र सिंह जादौन व आकांक्षा राजावत है और यहीं सहीं नाम है। नरेन्द्र सिंह जादौन व आकांक्षा राजावत 11 एच 166 इंदिरा गांधी नगर, गोदावरी मार्ग, जगतपुरा जयपुर 302017।

आम सूचना हर आम जन को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री अतुल अग्रवाल पुत्र श्री दिनेश अग्रवाल आयु 38 वर्ष निवासी सी-90-डी , मदर टैरसा नगर, मालवीय नगर, जयपुर का है, जो प्लाट नम्बर सी-90-ई, मदर टैरसा नगर, मालवीय नगर, जयपुर को क्रय करना चाहता है। यह कि उक्त उक्त प्लाट नम्बर सी-90-ई , मदर टैरेसा नगर, मालवीय नगर, जयपुर के सम्बन्ध में किसी भी आम जन को किसी प्रकार की काई आपत्ति होती है, तो 15 दिवस तक की समयावधि तक सूचित करे।
(सतीश कुमर गर्ग) एडवोकेट, मो.-9829060086

आम सूचना जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक: जविप्रा/उपा./ जोन-7 / 2024 / डी-1368 दिनांक :- 03.09.2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती मनी कंवर पत्नी श्री समुन्द सिंह द्वारा समिति द्वारा जारी आवंटन पत्र साईट प्लान, रसीद, प्रथम सूचना रिपोर्ट व अखबार में खोया पाया की प्रति के आधार पर जवाहरपुरी गृ.नि.स.स.लि. की योजना - आचार्य विनोबा भावे नगर, जयपुर के भूखण्ड संख्या-बी 36 का पट्टा अपने पक्ष में जारी करने हेतु ऑनलाईन आवेदन किया गया है। उक्त दस्तावेजात् के आधार पर मूल भूखण्ड संख्या-बी-36 का पट्टा आवेदिका के पक्ष मे जारी करने में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति इस आम सूचना प्रकाशन से 07 दिवस की अवधि में प्राधिकरण के कमरा नम्बर पीबी-एसएफ-218डी, में दर्ज करावें। 07 दिवस की अवधि में आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर आवेदिका के पक्ष में नियमानुसार जाँच पश्चात् पट्टा पत्र जारी कर दिया जावेगा।
उपायुक्त जोन-7 जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर

दी राजस्थान अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि
जी-20, कृष्णा मार्ग, सी स्कीम, जयपुर
टेलीफोन नं. 0141-2360373, 2372384

वार्षिक आम सभा की सूचना

बैंक के समस्त योग्यता धारक सदस्यों को सूचित किया जाता है कि बैंक की 35वीं वार्षिक आम सभा की बैठक दिनांक 27.09.2024 शुक्रवार को मध्यान्ह पश्चात् 4.00 बजे अजंता फार्म हाउस, प्लॉट नंबर- ए.बी.सी. सुन्दर नगर, रूंगटा मार्ग, निर्माण नगर-ई के पास 200 फीट बाई-पास अजमेर रोड़, जयपुर पर आहूत की गई है। आम सभा की बैठक में भाग लेने हेतु आप सादर आमंत्रित हैं। उक्त बैठक हेतु निर्धारित कोरम पूर्ण नहीं होने की अवस्था में स्थगित आम सभा की बैठक दिनांक 27.09.2024 को ही सायं 5.00 बजे उसी स्थान पर आयोजित की जायेगी।
प्रबन्ध निदेशक

श्री चिन्ताहरण बालाजी मंदिर सेवा समिति मालपुरा, तहसील मालपुरा, जिला टोंक राजस्थान

सार्वजनिक सूचना

उद्देश्य-मंदिर मै साधु संतों की सेवा एवं धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम करना, विकास से जुडे कार्यक्रम, मन्दिर रख रखाव, भोजन-पानी आदि की व्यवस्था करना।
अध्यक्ष-मुकेश कुमार मित्तल, मंत्री मधुसूदन शर्मा, कोषाध्यक्ष कमल कुमार जैन एवं अन्य सदस्य गण कार्यालय श्री चिन्ताहरण बालाजी मंदिर सेवा समिति मालपुरा।
अध्यक्ष-मुकेश कुमार मित्तल
आज्ञा से-श्री चिन्ताहरण बालाजी मंदिर सेवा समिति मालपुरा

आम सूचना दिनांक 23.09.24

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भू-खण्ड संख्या 12, श्री करणी विहार, गोकुलपुरा जयपुर, भू-खण्ड संख्या 32, निरंकारी कॅलोनी, गोकुलपुरा जयपुर एवं भू-खण्ड संख्या 32, गगन विहार, हरनाथपुरा, निवारू रोड जयपुर का एकमात्र मालिक एवं काबिज मोहनलाल शर्मा पुत्र श्री गौरी लाल उर्फ गोरू है। समस्त मूल दस्तावेजात् भी मोहनलाल शर्मा के पास प्लॉट से है ।अन्य किसी व्यक्ति से उक्त तीनो प्लॉट या कोई एक या उसका भाग नही खरीदें, अन्यथा स्वयं जिम्मेदार होंगे।
फेजान हुसैन(एडवोकेट)
आफिस - 2199, नसीम मंजिल, चांदपोल बाजार, चौकडी तोपखाना देश, जयपुर मो.8824515124

कार्यालय उपायुक्त (विधाधर नगर जोन) नगर निगम ग्रेटर, जयपुर
क्र.- एफ 55( ) वि.जोन/न.नि.ज.(ग्रे)/2024/1833
सार्वजनिक सूचना दिनांक 23.09.2024

भूखण्ड सं. 70, श्रीरामनगर डी, झोटवाडा, जयपुर सोसायटी भैरव गृह निर्माण सहकारी समिति लि. द्वारा क्षेत्रफल 211 वर्गगज का श्री पूरणमल गुप्ता पुत्र श्री मोती लाल गुप्ता के नाम आंवटन जारी किया गया था। पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर श्री कैलाश चंद शर्मा पुत्र स्व. श्री लक्ष्मी नारायण शर्मा द्वारा भूखण्ड सं. 70, श्रीरामनगर डी, झोटवाडा, जयपुर का क्षेत्रफल 177.77 वर्गगज का पट्टा चाहा गया है। उक्त भूखण्ड के पट्टा बाबत किसी भी व्यक्ति संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार पट्टा जारी की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
उपायुक्त विधाधर नगर जोन, नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

नाम परिवर्तन

मेरा नाम जय कुमार था। अब मैंने बदलकर जय कुमार वाघवानी रख लिया है। भविष्य में मुझे जय कुमार वाघवानी के नाम से जाना जाऐं। पता-ए-3, फ्लेट नं.-302 नेहरू नगर पानीपेच, जयपुर

मैं ज्योति गहरवार निवासी 22 सोमलपुर रोड, दीपदर्शन कॉलोनी, अजमेर (राजस्थान), सूचित करती हूँ कि मेरी दसवी कक्षा की मार्कशीट में मेरा नाम ज्योति गलत दर्ज है जबकि मेरा सही नाम ज्योति गहरवार है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए।

मैं हंस कुमार, निवासी 123, शिवनगर प्रथम, मुरलीपुरा स्कीम के सामने, जयपुर ने अपना नाम बदलकर हंस कुमार शर्मा कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए।

I Rohit S/o Jai Singh R/o Budaniya, Jhunjhunun, Budania, Rajasthan-333025, have changed my name to Rohit Tanania.

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक :- 3829 दिनांक - 09/09/24

जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लैट संख्या 173/204 (MIG-B) का आवंटन श्री सुनील बंसल पुत्र श्री बेनी प्रसाद को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 3513 दिनाक 27.08.2001 को जारी किया गया था। जिसका नियमितिकरण पत्र क्रमांक 1107 दिनांक 12-07-2002 के द्वारा श्री भगवान देवी पत्नी श्री हरिकृष्ण खण्डेलवाल के पक्ष मे किया गया। उनके पक्ष में पंजीयन पत्रो निष्पादन दिनांक 29.09.2006 को करदिया गया। श्री भगवान देवी द्वारा उक्त आवास को श्री हरिनारायण जायसवाल पुत्र श्री धन्नालाल जायसवाल को विक्रय कर इनके पक्ष मे विक्रय पत्र दिनांक 10.11.2006 को उप पंजीयक (चतुर्थ) जयपुर, मे पंजीकृत करवाया गया। श्री हरिनारायण जायसवाल की मृत्यु दिनांक 23.12.2016 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री जितेन्द्र कुमार जायसवाल पुत्र स्व. श्री हरिनारायण जायसवाल द्वारा आवासन मण्डल में अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने मे किसी को कोई आपत्ति नही है, श्री जितेन्द्र कुमार जायसवाल पुत्र स्व. श्री हरिनारायण जायसवाल का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत-प्रथम, राज.आवा.मण्डल, जयपुर

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य सिग्नल एवं दूर संचार इंजीनियर / परियोजना / जयपुर भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से खुली निविदा सं. एस एण्ड टी-प्रोजेक्ट जेपी 2024-25-03 जिसकी बंद होने की तिथि 15.10.2024 समय 15:00 बजे तक का ऑन लाईन ई-टेण्डर आंमत्रित किया जाता है। कोई भी मैनयुअल टेण्डर संबंध में स्वीकार नहीं किया जावेगा और अगर कोई मैन्युअल टेण्डर प्राप्त होता है उसको देखा नहीं जावेगा। **कार्य का नाम एवं लोकेशन:** उत्तर पश्चिम रेलवे पर इंडिजेनस ट्रेन कोलिशन अवॉयडेंस सिस्टम (कवच) का प्रावधान और अन्य सम्बन्धित कार्य का प्रावधान, **अनुमानित लागत:** रूपये 506313986.94, **धरोहर राशि रूपये:** रूपये 2681600.00, **टेण्डर जमा करने की अंतिम तारीख:** 15.10.2024 सांय: 15:00 बजे, **वेब साईट का विवरण और नोटिस बोर्ड की लोकेशन:** www.ireps.gov.in or उप मुख्य सिग्नल एवं दूर संचार इंजीनियर/ परियोजना / जयपुर ऑफिस। 1099-PS/24

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

हेतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
न्यायालय उपखंड अधिकारी महोदय, झुंझुनूं
रामस्वरूप वगैरह बनाम प्यारेलाल वगैरह
मु. नं.:- 01/2022

प्रेषितः- 1. शिशपाल पुत्र गुलझारी, 2. शारदा पुत्री गुलझारी, 3. अजय पुत्र होशियार सिंह, 4. अनिल पुत्र होशियार सिंह, 5. अशोक पुत्र होशियार सिंह, 6. आकाश पुत्र हरचन्द, 7. रिची पुत्री हरचन्द समस्त जाति मेघवाल निवासीगण ग्राम खाजपुरा का बास, तहसील व जिला झुंझुनूं (राज.), 8. नाहर सिंह पुत्र कुरड़ाराम जाति मेघवाल निवासी खाजपुरा पुराना तहसील व जिला झुंझुनूं राजस्थान, 9. बैंक ऑफ बडौदा शाखा पीरूसिंह सर्किल झुंझुनूं जरिये प्रबंधक, 10. केनरा बैंक शाखा झुंझुनूं जरिये प्रबंधक, 11. इलाहाबाद बैंक शाखा झुंझुनूं जरिये प्रबंधक

उक्त प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि नकल संलग्न है। अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हेतुक दर्शित करने के लिए तारीख 30.09.2024 को समय 10 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे, तो उक्त आवेदन की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा। यदि तारीख 12966/12.09.2024 को मेरे हस्ताक्षर से न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
उपखंड अधिकारी, झुंझुनूं (राज.)

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 271/2024
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री राजेन्द्र गिरी निवासी प्लॉट नं. 301-ए, पथ नं.-4, जमना नगर, सोडाला जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत सोसायटी फॉर द रिहेबिलिटेशन ऑफ पर्सन्स विद डिफरेन्टली एवेल्ड (Society for The Rehabilitation of Persons with Differently Abled) कार्यालय पता-प्लॉट नं.301-ए, पथ नं.-4, जमना नगर, सोडाला जयपुर राजस्थान प्रन्यास के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 18/9/24 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 22/11/24
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, अजमेर संभाग, अजमेर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों का
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
कार्यालय : राजस्थान लोक सेवा आयोग के सामने, कांकरदा भूणाभाय, जयपुर रोड, अजमेर
मुकदमा नम्बर : 159/टोंक/2024
चूंकि डॉ हरिशंकर शर्मा अध्यक्ष ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम, 1959 की धारा 17 के अन्तर्गत संत श्री रामप्रसाद दास धमार्थ संस्थान निवाई, टोंक पता-खसरा न.369/4 एवं खसरा न.369/5 ग्राम अलियाबाद तहसील निवाई जिला टोंक के पंजीयन हेतु प्रन्यास के संबंध में जाँच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतः एवं धारा 18 की उप धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास, जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से 60 दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियाँ, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियाँ प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित नीति से निर्णित किया जावेगा तथा जाँच प्रपत्र मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 18/9/24 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय गया।
आगामी तारीख पेशी : 02/12/24 की मोहर के अधीन जारी किया
(गिरीश कुमार बचानी)
मोहर सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, अजमेर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 279/2024
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री रजनीश माणिक चन्द बोहरा निवासी प्लॉट नं. सी-3, गोकुल वाटिका, जे.एल.एन मार्ग, जवाहर सर्किल जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत नवनीत चिकित्सा अनुसन्धान ट्रस्ट कार्यालय पता-प्लॉट नं. ए-42, गोकुल वाटिका. जे.एल.एन. मार्ग जवाहर सर्किल जयपुर राजस्थान प्रन्यास के सम्बन्ध में जाचं किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारां प्रदत्त शाक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्धास जिसकी जांच की जा रही है, मे हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकरी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोइ आपत्तियो प्रस्तुत नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जाचं ग्रसित मामले मे निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 19/9/24 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 27/11/24
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, अजमेर संभाग, अजमेर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों का
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
कार्यालय : राजस्थान लोक सेवा आयोग के सामने, कांकरदा भूणाभाय, जयपुर रोड, अजमेर
मुकदमा नम्बर : 158/टोंक/2024
चूंकि श्री राजेन्द्र शर्मा अध्यक्ष ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम, 1959 की धारा 17 के अन्तर्गत गांधी गौशाला समिति टोंक जिला टोंक पता-कंकाली माताजी मंदिर के सामने टोंक के पंजीयन हेतु प्रन्यास के संबंध में जाँच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतः एवं धारा 18 की उप धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास, जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से 60 दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियाँ, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियाँ प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित नीति से निर्णित किया जावेगा तथा जाँच प्रपत्र मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 18/9/24 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय गया।
आगामी तारीख पेशी : 02/12/24 की मोहर के अधीन जारी किया
(गिरीश कुमार बचानी)
मोहर सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, अजमेर

कार्यालय, नगरपलिका पावटा-प्रागपुरा (कोटपूतली-बहरोड)
नावोदय स्कुल के पास पावडा-303106, राज.
फोन.01421&294619 Email.id:nagarrpalikapaotapragpura@gmail.comwebsite-www.paotapragpura.com
क्रमांक:न पा.पाव.प्रा./2024-25/भू/958 प्रारूप-10 (नियम 6(7) दिनांक 23/09/2024

लोक सूचना

नरपत सिहं पुत्र कल्याण सिहं, सतोष सिहं शेखावत पुत्र रामवतार सिहं शेखावत निवासी ललाना जिला-कोटपुतली-पावटा ने कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि गैर कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिवृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है अर्थात:-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नम्बर	क्षेत्रफल	प्रयोजनार्थ
पावटा-कोटपुतली-बहरोड	प्रागपुरा	2333/2045	2500.00 वर्गमीटर	आवसीय

इसलिए इसके द्वारा समस्त सबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है यदि किसी व्याक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियक 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वाक्त प्रयोजनो के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारो के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस क प्रकाशन के 07 दिन के साथ भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधेहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थन दस्तावेजो के साथ आक्षेप सकेगा।
उपर्युक्त नियम समय-समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा की किसी को अक्षेप नही है। और तदानुसार मामले को निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर व मोहर के अधिन आज दिनांक 23/9/24 को जारी की गई है।
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका प्रागपुरा, जिला कोटपूतली-बहरोड़

मकान की पट्टियां टूटकर गिरने से मां-बेटे की मौत, बालिका घायल

बड़े भाई के घर पर निर्माण कार्य चल रहा था, जिसमें पट्टिया डालने का कार्य हो रहा था

भरतपुर, (निसं)। सेवर थाना क्षेत्र की स्टेडियम नगर कॉलोनी में एक मकान की पट्टियां टूटकर गिरने से मां-बेटे की मौत हो गई। हादसे में 12 वर्षीय बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे इलाज के लिए जिला आरबीएम अस्पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया है। वहीं सेवर थाना पुलिस ने मृत मां एवं बेटे के शव का जिला आरबीएम अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

भरतपुर में सेवर थाना क्षेत्र की स्टेडियम नगर कॉलोनी में मां-बेटे की मौत के बाद पुलिस ने अस्पताल में आवश्यक कार्रवाई की।

- आशंका जताई जा रही है कि पट्टियों की धमक से छोटे भाई के घर की पट्टियां ढह गई
- हादसा जलभराव के कारण कमजोर हुई दीवार पर पट्टियों की धमक से होना माना जा रहा है

प्राप्त जानकारी के अनुसार स्टेडियम नगर निवासी दो भाइयों सुरेश व राधेश्याम का कुछ दिनों पूर्व ही घर का बंटवारा हुआ था, जिसमें एक बड़े भाई राधेश्याम के घर पर निर्माण कार्य चल रहा था, जिसमें पट्टिया डालने का कार्य हो रहा था। आशंका जताई जा रही है कि पट्टियों की धमक से सुरेश के घर की पट्टिया ढह गई, जिसमें रीना, हितेश व वर्षा मलबे में दब गए। मौके पर चीख-पूकार मच गई। स्थानीय लोगों ने सुरेश को घटना की सूचना दी। सुरेश ने पड़ोसियों के सहयोग से घायल पत्नी और बेटा-बेटी को जिला आरबीएम अस्पताल में पहुंचाया, जहां रीना और हितेश को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि वर्षा को जिला आरबीएम अस्पताल के आईसीयू में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

घटना के वक्त सुरेश की दो बेटियां स्कूल पढ़ने गई हुई थी। हितेश और वर्षा स्कूल नहीं गए थे। ऐसा माना जा रहा है कि मानसून में भारी बरसात के चलते जलभराव की समस्या से उनके मकान की दीवार बैठ गई। यही वजह रही कि भाई राधेश्याम के मकान निर्माण के दौरान हुई धमक से दीवार हिल गई और पट्टियां टूट गई। सूचना पर पहुंची सेवर थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई कर शवों को परिजनों को सौंप दिया। पीड़ित परिवार की आर्थिक स्थिति सही नहीं बताई जा रही है पीड़ित सुरेश खुद सब्जी की ठेली लगता है। डॉ. गर्ग ने सीएम को पत्र लिखकर पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की

हादसे केकी जानकारी मिलते ही पूर्व मंत्री व विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने अधिकारियों से घटना की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री से पीड़ित गरीब परिवार को अधिक से अधिक की आर्थिक सहायता दिलवाने की मांग की। डॉ. गर्ग ने घटना की जानकारी मिलने के बाद आरबीएम अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी से घटना में घायल हुई बालिका वर्षा के इलाज के बारे में जानकारी ली और उचित इलाज के प्रबंध करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने नगर निगम आयुक्त से भी बातचीत कर घटना के बारे में पूरी जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

पैंथर की तलाश में सेना सहित 60 कर्मचारी-अधिकारी जुटे

रेस्क्यू टीम में वन विभाग की सिरोही, राजसमंद, जोधपुर, उदयपुर और गोगुन्दा की टीमें शामिल है

उदयपुर, (निसं)। गोगुन्दा में आदमखोर पैंथर की तलाश में जुटी टीमों को अभी तक सफलता नहीं मिली है। 60 कर्मचारी-अधिकारी आदमखोर पैंथर की तलाश में जुटे हैं। रेस्क्यू टीम में वन विभाग की सिरोही, राजसमंद, जोधपुर, उदयपुर और गोगुन्दा की टीमें शामिल है। इसके अलावा सेना और उदयपुर वाइल्ड लाइफ की टीम भी तलाशी में जुटी है। राजसमन्द से एक और जोधपुर से 2 शूटर को पैंथर बेहोश करने के लिए फील्ड में तैनात कर रखा है।

नरभक्षी पैंथर को पकड़ने के लिए छाली ग्राम पंचायत भवन को कंट्रोल रूम तब्दील कर दिया है। डीएफओ अजय चित्तौडा, गोगुंदा एसडीएम नरेश सोनी, सायरा तहसीलदार कैलाश इडानिया बैठक कर पूरी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। जंगल में पैंथर की लोकेशन मिलने पर कंट्रोल रूम में संदेश आता है और तुरंत रेस्क्यू टीम को उस लोकेशन पर भेजा जाता है। हालांकि अभी तक पैंथर कहीं नजर आ रहा। स्थानीय ग्रामीण भी वन विभाग की रेस्क्यू टीम का सहयोग कर रहे हैं। पैंथर ने रविवार को इस बार दो पशुओं का शिकार किया। छाली पंचायत के गांव उंडीथल में एक गाय और एक बैल को मार डाला। गांव के महुरा मादरा

- दो ड्रोन कैमरे की मदद से पैंथर की लोकेशन ट्रेक करने की कोशिश जारी

भीलवाड़ा बस्ती में भंवरलाल की गाय का शिकार किया। वहीं पलेवा घटी में अमराराम के बैल को खेत में मारा डाला। पैंथर के लगातार शिकार से पूरे गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीण घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं।

आदमखोर पैंथर को जंगल में ढूंढने के लिए वन विभाग कई तरह के संसाधनों का सहारा ले रहा है। इसके लिए 2 ड्रोन कैमरे से जंगल में पैंथर की लोकेशन ट्रेक करने की कोशिश हो रही है। रात में नाइट विजन दूरबीन से पैंथर को दूर तक जंगल में तलाशा जा रहा है। वहीं, जिन तीन गांव में पैंथर ने एक नाबालिग सहित तीन जनों को मारा था, उन तीनों घटना स्थल के आसपास 5 पिंजरे लगाए हैं। एक टीम इन पिंजरों में कुछ दूरी पर रहकर निगरानी कर रही है।

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, कोटा (राज.)
सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र दादाबाड़ी परिसर, सरकारी आवास, ए-1, कोटा (राज.)
फोन:-0744-2461550, Email:-eemhkota@ymail.com, ee-mh-kota@gov.in
क्रमांक:-607 दिनांक:-18/09/2024
निविदा सूचना संख्या 08/2024-25
राजस्थान के राज्पाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत राज्य विभिग चिकित्सालयों पर रू.280.00 लाख के 5 सिविल/विद्युत कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सावर्जनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकाके अधिकृत संगठनो / केन्द्रीय लोक निर्माण विभग/ डाक एवं दूर संचार विभग/रेल्वे इत्यादि मे पंजीकृत संवेदको, जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट पर www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेबसाईट http://rajswasthya.nic.in पर देख जा सकता है।

Sr.No.	UBN NO.	Sr.No.	UBN NO.
1	(NRH2425WSOB00962)	2	(NRH2425WSOB00963)
3	(NRH2425WSOB00964)	4	(NRH2425WSOB00965)
5	(NRH2425WSOB00966)		

अधिशाषी अभियन्ता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य खण्ड-कोटा
DIPR/C/8918/2024

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड, बाड़ी
पता:- बाईपास किला बाड़ी-328021 फोन नं. 05647-274684 ई मेल-ee pwdbari@rediffmail.com
क्रमांक: 773 दिनांक: 18.09.2024
निविदा सूचना संख्या:03/2024-2025
राजस्थान के राज्यपाल महोदय कीओर से बाडी जिला धौलपुर में कुल 2 नं. पर सडक कार्य के लिए उपयुक्त श्रेण में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदको ,राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत "एए""ए"बी"सी" एवं डी" श्रेणी संवेदको एवं केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों /केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/ डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजसथान सरकार व "एए""ए"बी"सी" एवं डी" श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवासईट "www.eproc.dipronline.org" व http://www.pwd.rajasthan.gov.in/www.eproc.rajasthan.gov.in एवं "www.sppp.raj.nic.in" पर देख जा सकता है।
(NIBNO-PWD2425A1664)
(UBN-PWD2425WSOB06033, PWD2425WSOB06034)
(सौरभ शर्मा)
अधिशाषी अभियन्ता
सा नि वि खण्ड बाडी
DIPR/C/8927/2024

दो बच्चियां नहर में बही, एक की मौत

कोटा, (निसं)। जिले के कुन्हाड़ी थाना क्षेत्र में दो बच्चियों के नहर में बहने का मामला सामने आया है। इसमें राहगीरों ने अपनी जान जोखिम में डालकर एक बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाल लिया तो वहीं, दूसरी बच्ची गहरे पानी में डूब गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची नगर निगम की रेस्क्यू टीम ने स्कूबा डाईविंग कर डूबी बच्ची के शव को नहर से बाहर निकाला।

नगर निगम के गोताखोर विष्णु श्रृंगी ने बताया कि पार्षद राकेश पुटरा ने घटना की सूचना दी। उन्होंने बताया कि बाई मुख्य नहर में महाराष्ट्र निवासी दो बच्चियों बह गई हैं। दोनों बच्चियों की शिनाख्त 15 वर्षीय सक्कू और 8 वर्षीय किरण के रूप में हुई। इनमें से किरण को तो लोगों ने समय रहते बचा लिया लेकिन सक्कू डूब गई। इस पर गोताखोर चंगेज खान टीम के साथ मौके पर पहुंचे और वहां स्कूबा डाइविंग के जरिए बच्ची के शव को 800 मीटर आगे नहर से बाहर निकाला। बाद शव को पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस की ओर से बताया कि दोनों बच्चियां नहाने गई थी। इसी दौरान एक बच्ची पानी में डूबने लगी। उसे डूबता देख दूसरी बच्ची बचाने के लिए पानी में उतरी और वो भी डूब गई। एक बच्ची को लोगों ने समय रहते बचा लिया लेकिन सक्कू डूब गई। सूचना पर गोताखोर की टीम मौके पर पहुंची और स्कूबा डाइविंग के जरिए बच्ची के शव को नहर से बाहर निकाला

एनीकट के नजदीक मिला शव :- दूसरी तरफ चट्टानेश्वर एनीकट के नजदीक रेलवे लाईन के पास एक व्यक्ति के चट्टान पर पड़े होने की सूचना मिली। उसके बाद गोताखोर की टीम नाव के जरिए मौके पर पहुंची और वहां से 20 वर्षीय बिहार निवासी राजू उर्फ राजा को रेस्क्यू किया गया। युवक चट्टान पर जख्मी पड़ा था। इस मामले पर रानपुर थाना अधिकारी भंवर सिंह ने कहा कि घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उससे पूरी जानकारी ली जाएगी और इस मामले में जांच की जाएगी कि उसे ट्रेन से किसने और क्यों फेंका या फिर वो खुद गिर गया था।

महिला डॉक्टर को डिजिटल अरेस्ट कर 6 लाख की ठगी

जोधपुर, (कासं)। शहर में एक बार फिर महिला डॉक्टर को डिजिटल अरेस्ट का शिकार बनाते हुए साइबर ठग ने छह लाख रूपए ऐंठ लिए। उन्हें वाट्सअप कॉल किया गया। इस बार डेंटल डॉक्टर को शिकार बनाया गया है। अभी दो दिन पहले मेडिकल कॉलेज की रिटायर्ड प्रिंसिपल को भी डिजिटली अरेस्ट कर 87 लाख की ठगी की जा चुकी है। जिसकी भी वृहद स्तरीय जांच चल रही है। इस बार मूलत: राजधानी जयपुर के सिरसी रोड हाल व्यास डेंटल कॉलेज की डॉक्टर न्रमता माथुर साइबर लूटेरों की शिकार हुई है। उनकी तरफ से कुड़ी भगतासनी थाने में रिपोर्ट दी गई है।

रिपोर्ट के अनुसार 20 सितंबर को शाम 4.15 बजे उनके वाट्सएप नंबर पर वीडियोकॉल आया। जिसमें आदमी दिखाई दे रहा था जिसके पुलिस की वर्दी पहनी हुई थी, उसने अपना नाम विजय खन्ना बताया एवं बोला कि आपके नाम का एक खाता कैनरा बैंक मुंम्बई में खोला गया। आपके खाते में अनाधिकृत रूप से पैसा आया है। फिर उन्होंने बोला आप, अस्पताल से सीधा घर पर चले जाओ किसी को इस बारे में बताना नहीं है। फिर उसने वाट्सएप पर नरेश गोयल मनी लॉड्रिंग केस के दस्तावेज की दो कॉपी भेजी, जिसमे लिखा था कुल 247 एटीएम कार्ड बरामद हुए है जो अलग-अलग कार्ड होल्डर के नाम के है एवं सीबीआई इसकी जांच कर रही है। यह जांच आकाश कुलकर्णी द्वारा निर्मित की गई है। उसके बाद उसने सर्विलांस रूल्स एंड रेगुलेशन का पीडिएफ भेजा ऑर वाट्सएप वीडियोकॉल ऑन रखने का बोला व किसी से बात नहीं करने का बोला। यदि किसी से बात करना है तो वाट्सएप कॉल ऑन करके बात करनी है। उसके बाद उसने बोला कि आप पूरी रात वीडियो कॉल ऑन करके हमारे सामने रेस्ट करोगे एवं बोला कि आपको 24 घंटे के लिए डिजिटल अरेस्ट पर रखा जा रहा है।

- दो दिन पहले मेडिकल कॉलेज की रिटायर्ड प्रिंसिपल को भी डिजिटली अरेस्ट कर 87 लाख की ठगी की जा चुकी है

आरोपी द्वारा पूरी रात वीडियो कॉल ऑन रखा गया। 21 सितंबर की सुबह 8.55 मिनट पर वाट्सएप नंबर पर वीडियो कॉल आया जिसने अपना नाम ऑफिसर विजय खन्ना बताया। फिर वह कॉल चलता रहा। फिर उसने वाट्सएप पर डिजिटल कस्टडी का पीडिएफ भेजा। उसने बोला कि आप राहुल गुप्ता वेच नंबर एफ ए 263521 के नाम सिंकिग प्रायरटी इनवेस्टिकेशन के लिए एपलिकेशन लिखो। तब उनके कहे अनुसार एपलीकेशन लिखी तब उन्होंने एपलीकेशन अप्रवुल का पीडिएफ भेजा। उसने सुप्रीम कोर्ट को सिक्रेट सुपरविजन एकाउंट के साथ एकाउंट जोड़ने का बोला तब उनके कहे अनुसार एप्पलीकेशन लिखी। इस पर शातिर ने बाद में कहा कि तुरंत कैनरा बैंक में जाकर खाता नंबर बैंक आईसीआईसी बैंक आईएफएससी कोड पर 6 लाख रूप्ये भेजो। तब 06 लाख रूपए आरटीजीएस से किए थे। खाता धारक का नाम न्यु समा रोडवेज आया था। डाक्टर ने उसके खाते में 6 लाख रूपए भेज दिए।

परिवादी डॉक्टर नम्रता माथुर के अनुसार आरोपी ने बोला कि आपके और भी किसी बैंक में खाता है। तब बोला मेरा एक खाता एसबीआई में है तब शातिर ने उस अकाउंट से 06 लाख रूपए दूसरे खाता संख्या पर भेजने को कहा। इस पर परिवादी को शक हो गया कि उन्हें डिजिटल अरेस्ट किया गया है और साइबर ठगी की जा रही है। इसके बाद उन्होंने रुपए नहीं भेजे और पुलिस की शरण ली। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी गई है।

कार्यालिय नगर परिषद्, बाड़मेर
क्रमांक :– एफ / 15 / विकास / 2024 / 9171 दिनांक :– 29.08.2024
ई–निविदा सूचना संख्या – 09/2024–25
नगर परिषद् बाड़मेर की ओर से केन्द्र व राज्य सरकार के विभिन्न विभागों, उपक्रमों, संस्थानों में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान के नवीन नियमों के अन्तर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत एवं मान्यता प्राप्त समकक्ष श्रेणी की फर्मो / ठेकेदारों से 02 निर्माण कार्य के लिये मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है। उक्त निर्माण कार्यो निविदा फार्म दिनांक 20.09.2024 से दिनांक 26.09.2024 तक ऑन लाईन प्राप्त की जाकर दिनांक 27.09.2024 को उपापन समिति के समक्ष खोली जायेगी। निविदा को इलेक्ट्रोनिक फॉरमेट में वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर जमा करानी होगी। उपरोक्त निविदा सूचना के संबंध में समस्त जानकारी / विवरण / शर्ते राज्य सरकार की वेबसाईट https://sppp.rajasthan.gov.in Or http://eproc.rajasthan.gov.in पर भी देखी जा सकती हैं।
NIB CODE : DLB2425A2699
आयुक्त
नगर परिषद, बाडमेर
राज.संवाद / सी / 24 / 5532

कार्यालय नगरपरिषद, करौली राज0
फोन न.07464–294024 ई–मेल आईडी np.karauli@yahoo.com website – WWW.npkarauli.in
क्रमांक : 1956 दिनांक : 20.09.2024
संशोधित ई–निविदा सूचना
नगरपरिषद करौली की ई–निविदा सूचना संख्या 1438 दिनांक 17.08.2024 के द्वारा 05 कार्यो की आमंत्रित ई–निविदा सूचना की तिथिओं में तकनीकी कारणवष निम्न प्रकार संसोधन किया जाता है।
शेष शर्ते यथावत रहेंगी।

क्र.सं.	तिथिओं का विवरण	पूर्व की तिथि	संशोधित तिथि
01	ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	22.09.2024	25.09.2024
02	भौतिक दस्तावेज जमा कराने की अंतिम तिथि	23.09.2024	26.09.2024
03	निविदा खोले जाने की तिथि	24.09.2024	27.09.2024

आयुक्त
नगरपरिषद, करौली
राज.संवाद / सी / 24 / 5539

सूने मकान से जेवर व नकदी चोरी

निवाई, (निसं)। रविवार की देर रात शिवाजी कॉलोनी में स्थित गली नम्बर 15 में स्थित एक मकान से अज्ञात चोर 40 ग्राम सोने के आभूषण, 4 किलो चांदी के आभूषण, 4 लाख 20 हजार के डायमंड के आभूषण व 4 लाख 26 हजार की नकदी सहित लाखों रूपए के आभूषण व नकदी चुराकर ले गए। मकान मालिक परिवार सहित जयपुर गया हुआ था।

मकान में चोरी की वारदात के बाद सामान बिखरा पड़ा है।

- मकान मालिक परिवार सहित जयपुर गया हुआ था
- पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले

पीड़ित गिर्राज कंवरिया ने बताया कि वह परिवार सहित रविवार की देर शाम करीब 7 बजे ससुराल में आयोजित जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने गया था। सोमवार की सुबह वापस अपने घर आया तो मकान के मेन गेट का ताला टूटा हुआ था। घर में चोरी होने की आशंका के चलते उन्होंने पड़ोसियों को बुलाया। घर में जाने के बाद देखा तो कमरों की अलमारियों का सामान चारों ओर बिखरा हुआ था। जिसकी सूचना निवाई थाने में दी। सूचना पर थाना अधिकारी हरिराम वर्मा मय जाप्ते के साथ घटना स्थल पर पहुंचे व घटना की जानकारी ली।

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि चोर 40 ग्राम सोने के आभूषण, 4 किलो चांदी के आभूषण, 4 लाख 20 हजार के डायमंड के आभूषण व 4 लाख 26 हजार की नकदी चुराकर ले गए। पीडित ने चोरी का मामला दर्ज करवाया है। पुलिस चोरों की तलाश के लिए आसपास के सीसी टीवी फुटेज खंगालकर तलाश में जुट गई है।

हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

कोटा, (निसं)। नेशनल हाईवे-52 पर केबल नगर से कोटा के बीच एक बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। इसमें 18 महीने का एक बच्चा भी शामिल है। घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। तीनों के शवों को पुलिस ने मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस ने घटना के संबंध में मृतकों के परिजनों को जानकारी दी है।

- अज्ञात वाहन ने एक बाइक को टक्कर मार दी थी

रानपुर थानाधिकारी भंवर सिंह ने बताया कि दुर्घटना शाम 5.30 बजे के आसपास हुई है। इसमें मृतक सुकेत से कोटा के सकतपुरा आ रहे एक परिवार के लोग हैं। इन्हें पीछे से एक भारी वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया। पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है। थानाधिकारी ने बताया कि हादसे में महिला लक्ष्मीबाई, उनके बेटे ईश्वर सेन और 18 माह के पोते की मौत हुई है। ईश्वर सेन मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव का काम करते हैं। घटना के बाद नेशनल हाईवे 52 पर भारी जाम लग गया। मौके पर तमाशबीनो की भीड़ लग गई। घटना की सूचना पर पहुंची रानपुर और जगपुरा थाना पुलिस ने खासी मशक्कत कर जाम को खुलवाया है।

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान
No. :- F-2(01)Acct/Contract/2024-25/117 - 119 Date : 18/09/2024
ई-निविदा सूचना संख्या : 32/2024-25
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

निविदा कार्यो की कुल लागत	:	रूपये 907.48 लाख (16 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	:	21.09.2024 को प्रातः 10.00 बजे से 01.10.2024 को सांय: 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	:	21.09.2024 को प्रातः 10.00 बजे से 01.10.2024 को सांय: 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	:	04.10.2024 को प्रातः 11.00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN No. : ITU2425WSOB00262 To ITU2425WSOB00277
अधिशाषी अभियन्ता - विद्युत
उदयपुर विकास प्राधिकरण
राज.संवाद/सी/24/5519

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जिला खण्ड-।। बीकानेर
क्रमांक-927-32 दिनांक-19.09.2024
अल्पकालीन ई-बोली सूचना संख्या-08/2024-2025
Bid for Immediate Restoration on Various Roads Under PWD Sub Dn Lunkaransar SDRF/ Lunkaransar/2024-25. are invited from interested bidders from 20-09-2024 to 07-10-2024 6.00 PM. and to be opened 08-10-2024 12:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http:// eproc.rajasthan.gov.in, http:// sppp.raj.nic.in) of the state; and PWD Department website. The approximate value of the procurement is Rs 326.82 Lac
UBN is: PWD2425WSOB06042, UBN is: PWD2425WSOB06044
UBN is: PWD2425WSOB06046, UBN is: PWD2425WSOB06043
UBN is: PWD2425WSOB06045, UBN is: PWD2425WSOB06047
(महेन्द्रपाल सिंह चालिया)
अधिशाषी अभियन्ता
सानिवि जिला खंड ।। बीकानेर
DIPR/C/8936/2024

MUNICIPAL CORPORATION KOTA SOUTH (RAJ.)
Add :- C.A.D. Circle, Dusshehra Ground, kota
ई–मेल :– nnkota@gmail.com
No. : NNK-S/Electrical/2024/ 478-484 Date : 20-09-2024
Notice Inviting Bid
Bid for ARC of Supply, Erection and Fixing poles with AB Cable and LED lights at Various wards in Municipal Corporation kota south with 2 years O &M are invited from interested bidders upto 23.09.2024 to 03.10.2024. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.nic.in of the state and urban.rajasthan.gov.in/nnks. department website.
NIB CODE – DLB2425A2747
UBN – DLB2425WSRCO8524
Commissioner
Municipal Corporation, Kota-South
Raj.Samwad/C/24/5553

कार्यालिय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स. 0294–2421255, 2420013, Helpline no.0294-2426262 वेबसाइट– www-udaipurmc.org
क्रमांक :– एच.ए. / सी.एन. / 24.25 / 1831 दिनांक :– 19.09.2024
बोली आमंत्रण सूचना
इच्छुक एवं पात्र बिडर्स को सूचित किया जाता है कि 2 वर्ष हेतु जोन तृतीय में रोड नाली सफाई एवं परिवहन कार्य की ऑनलाईन बिड आमंत्रित की जाती है जिसकी अनुमानित लागत 5.17 करोड रूपये है। निविदा की प्रारंभ तिथि 23.09.24 नगर निगम कार्यालय में प्रीबिड मीटिंग की तिथि 01.10.24 दोपहर 03.00 बजे अंतिम तिथि 14.10.24 खुलने की तिथि 15.10.24 है। बिड में संबंधित विस्तृत विवरण www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in तथा निगम की वेबसाईट www.udaipurmc.org पर उपलब्ध है। UBN No. UNP2425WLRC00092
राज.संवाद / सी / 24 / 5549 आयुक्त, नगर निगम, उदयपुर

जोधपुर पुलिस ने नेपाल की होटल पर दबिश देकर 50 हजार के इनामी को पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर रेंज पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के एक किंगपिन को पकड़ने में सफलता हासिल की है। यह वर्ष 2018 से पैरोल पर जेल से बाहर आया और फरार हो गया था। उस पर वर्ष 2010 में हत्या का केस दर्ज था। वह छह साल से राजस्थान के बाहर रह कर अपना मादक पदार्थ तस्करी का नेटवर्क चला रहा था। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के साथ ही बड़े नेटवर्क को नेस्तनाबूद कर दिया है। तकनीकि के जानकार इस तस्कर को पकड़ने के लिए पुलिस को सात-आठ हजार किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ी, आखिरकार नेपाल की एक होटल से पकड़ा गया।

- आरोपी 2018 में पैरोल पर जेल से बाहर आया और फरार हो गया था, 2010 में हत्या का केस दर्ज था
- तस्कर को पकड़ने के लिए पुलिस को सात-आठ हजार किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ी, आखिरकार नेपाल की एक होटल से पकड़ा गया

जोधपुर रेंज पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि बीरमाराम उर्फ बीरमराम को गिरफ्तार किया है। उसने अपना नाम जगाराम रख लिया था। आरोपी बीरमाराम उर्फ बीरमराम पर वर्ष 2010 में हत्या का प्रकरण दर्ज हुआ था। वह वर्ष 2018 में जेल से पैरोल पर रिहा होने के बाद फरार हो गया था और छह साल से अपना कृतित्व और व्यक्तित्व बदलकर फरारी काट रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए 50 हजार का इनाम भी घोषित किया गया था। मगर वह हाथ नहीं लग रहा था।

आईजी विकास कुमार के अनुसार आरोपी बीरमाराम उर्फ बीरमराम बड़ा ही शातिर दिमाग वाला है। वह राजस्थान से फरार होने के बाद झारखंड, बिहार और नेपाल तक पहुंच गया। वह हर बार नई तकनीकि का इस्तेमाल करता था। कोई भी नया फोन या सिम खरीदने के बाद एक बार इस्तेमाल कर तोड़ देता था। हर बार अपनी जगह बदलने के साथ ऐशो आराम की जिंदगी जी रहा था। उस पर बराबर नजर रखी जा रही थी मगर बीरमाराम उर्फ बीरमराम ने अपना छद्म नाम जगाराम रख लिया था। मादक पदार्थों की तस्करी के उसके नाम से कई बड़े स्तर पर ऑनलाइन ट्रांजेक्शन हो रहे थे, जोकि बीरमाराम के खाते में हो रहे थे। मगर यह वही है इसका पता लगाना टेढ़ी खीर साबित हो रहा था।

तीन माह से चला रहा था पुलिस ऑपरेशन :- आरोपी को पकड़ने के लिए जोधपुर रेंज की साइक्लोनर टीम का पिछले तीन माह से ऑपरेशन जारी था। आखिरकार उसे पकड़ने में सफलता मिल गई। पुलिस जब-जब उसके पीछे लगती तो वह हर बार आगे निकल जाता था। पुलिस उसकी तलाश में बिहार के पटना गई तो पता लगा कि वह वहां से निकल कर लंबी यात्रा पर गया है। उसके जबलपुर होटल पर होने की जानकारी मिली मगर वह बाद में वहां से भी निकल गया।

होटल के सफाईकर्मी से मिला बड़ा सुराग :- जिस होटल में वह ठहरा हुआ था, वहां पुलिस पहुंची तो मालूम हुआ कि वह नेपाल गया है। एक सफाईकर्मी ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वह किसी बड़े मुनाफे की बात कह रहा था। नेपाल से माल मंगवाने के लिए झारखंड के रास्ते राजस्थान में अच्छे दामों में बेच सकते हैं। इसके लिए सफाईकर्मी को भी प्रलोभन दिया गया था। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस को आखिरकार उसका पुख्ता सबूत मिलने पर जिस होटल में वह ठहरा था वहां पुलिस पहुंची मगर ग्राहक बनकर जाना पड़ा। उसे विश्वास में लिया गया और कहा गया कि राजस्थान से आए हैं। हालांकि उसने अपना छद्म नाम जगाराम से बना आधार कार्ड आदि दिखाए। मगर जब उससे सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने अपना असली आधार कार्ड दिखाया। इस पर उसे दस्तयाब कर सोमवार सुबह जोधपुर लाया गया है।

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
प्रभास्मि शशि सूर्ययो:
कार्यालय संभागीय मुख्य अभियंता (भ.सं.), पावर हाउस के पास, मोतीझील, भरतपुर
(ई-मेल - zcebz@jvvnl.org फोन नं.- 05644.236080)
ई - निविदा सूचना
टी.एन. – 21 के लिए योग्य निविदादाताओं ऑनलाईन–निविदा दो भागों (तकनीकी–वाणिज्यिक), में श्रम दर पर आमंत्रित किऐ जाते है। 1. टीएन–21 :– सहायक अभियन्ता (पवस), जयपुर डिस्कॉम, बाडी के अन्तर्गत धौलपुर वृत में बाडी से भरतपुर रोड पर 33 केवी, 11 केवी लाईन शिफ्टिंग का कार्य निगम एआरसी दर 2023 के लिये। योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा सम्बन्धित दस्तावेज ई–प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 23.09.2024 से डाउनलोड कर सकते है। निविदाऐं ऑनलाईन ई–पोर्टल पर दिनांक 14.10.2024 को सायं 05:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा सम्बन्धी जानकारी, कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेब साईट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://www.eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।
UBN (TN-21) : VVN2425WSOB00617
राज.संवाद/सी/24/5560 जेपीआर - 2885 (2024) संभागीय मुख्य अभियन्ता (भरतपुर संभाग)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभग खण्ड महवा (दौसा)
क्रमांक:-निविदा/2024-25/711 दिनांक:18.09.2024
अल्पकालिन ई-निविदा सूचना संख्या 06/2024-25
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिए राज्य/केन्द्र सरकार के अभियान्त्रिक विभाग उपकर्मो में समक्ष श्रेणी में पजीकृत योग्य एवं अनुभवी संवेदकों से नियमानुसार निर्धारित प्रपत्र में निम्न कार्य के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा की कुल लागत	राशि 180.85 लाख
ऑनलाईन निविदा फार्म मिलने की तारीख	20 सितम्बर 2024 (शुक्रवार) से 26 सितम्बर 2024 (गुरूवार), सांय 6:00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा फार्म जमा कराने की तारीख	20 सितम्बर 2024 (शुक्रवार) से 26 सितम्बर 2024 (गुरूवार), सांय 6:00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तारीख	27.09.2024 (शुक्रवार)

निविदा से संबंधित विवरण वेबसाईट "http://www.dipronline.org पर एवं निविदा दस्तावेज का विवरण "http://www.rajasthan.gov.in" एवं sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण ऑनलाईन निविदा प्रकिया https://eproc.rajasthan.gov.in पर सम्पादित की जावेगी।

S.N.	NIB Code	UBN NO.
1	PWD2425A1675	PWD2425WSOB06057
2		PWD2425WSOB06058
3		PWD2425WSOB06059
4		PWD2425WSOB06060

अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि.खण्ड महवा
मो.नं. 7500553457
DIPR/C/8969/2024

चित्रकूट सेक्टर-9 में पेयजल लाइन के लिए सड़क खोदी, मरम्मत करना भूले इंजीनियर

टूटी सड़क से परेशान स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री कार्यालय और विधायक से शिकायत की

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण के इंजीनियर्स अपने ठेकेदारों पर कुछ ज्यादा ही मेहरबान है। टूटी सड़कें ठीक करवाने के बजाय चुप्पी साधकर चहेते ठेकेदार को फायदा पहुंचाने की कवायद चल रही है। ताजा मामला जेडीए जोन 7 का है, वैशाली नगर इलाके के सेक्टर 9 स्थित चित्रकूट में करीब 2 महीने पहले पानी की लाइन डालने के बाद भी सड़क खोदी गई थी, लेकिन मरम्मत करना इंजीनियर और ठेकेदार भूल गए। अब टूटी सड़क से परेशान होकर स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री कार्यालय और विधायक को की है।

सूत्रों की मानें तो जेडीए जोन 7 के अधिशाषी अभियंता तरूण सिंघल ने इस सड़क को ठीक करवाने के लिए फर्म को कार्यादेश भी दे दिया है, लेकिन उनकी सख्ती के अभाव में ठेकेदार सड़क बनाने के बजाय चुप्पी साधे बैठा है। हालात इतने बदत्तर है कि दिनभर पूरे इलाके में धूल उड़ती रहती है, जिससे वाहन चालक परेशान हो रहे हैं। सबसे ज्यादा परेशानी अस्थमा के मरीजों को है।

बताया जा रहा है कि स्थानीय निवासियों ने कई बार जेडीए के निदेशक इंजीनियरिंग अजय गर्ग से इसकी शिकायत की लेकिन बरसात होने के कारण सड़क की मरम्मत नहीं हो पाई, यहां तक कि पेचवर्क भी नहीं कराए गए।

वहीं दूसरी ओर अजमेर रोड एलीवेटेड रोड पर घटिया पेचवर्क करवाने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। लाखों रु. का बजट ठिकाने लगाने के लिए ठेकेदार अजमेर एलिवेटेड रोड पर जहां खडढ़े नहीं हैं, वहां भी पेचवर्क करके भुगतान उठाने की कोशिश में जुटा है, लेकिन जिम्मेदार अधिशाषी अभियंता पूरे मामले को नजरअंदाज किए बैठे है।

चित्रकूट इलाके में पेयजल लाइन के लिए खोदी गई सड़क की मरम्मत नहीं होने के कारण पूरे इलाके में आये दिन हादसे हो रहे हैं। टूटी सड़क से निकली मिट्टी के कारण दिनभर धूल का गुब्बार क्षेत्र में छाया रहता है।

- **अजमेर एलिवेटेड रोड पर अक्टूबर माह के प्रथम सप्ताह में नई सड़क बनायी जानी है, इसके बावजूद मात्र 15 दिन पहले ठेकेदार फर्म घटिया पेचवर्क करके लाखों रु. का भुगतान लेने की कोशिश में जुटा है**

गत दिनों इस एलिवेटेड रोड पर जेडीए प्रशासन ने जो पेचवर्क किए थे, वह मात्र चंद घंटों मे ही बिखर गए थे। जेडीए कमिश्नर आनंदी ने इस प्रकरण में पूरी तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी थी, इसके बावजूद संवेदक फर्म की लापरवाही और मनमर्जी थमने का नाम नहीं ले रही है। ज्ञात रहे कि अजमेर एलिवेटेड रोड पर दुबारा रि-कारपेंटिंग करवाने के लिए गत दिनों 3.15 करोड़ रु. का टैंडर जारी हो चुका है, संभावना है कि अक्टूबर माह के प्रथम सप्ताह में ही कार्यादेश जारी करके सड़क बनाने का काम शुरू होगा। ऐसे में अब आनन-फानन में घटिया पेचवर्क करवाये जाने पर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं।

ज्ञात रहे कि पूर्व में भी अजमेर रोड पर पुलिस कमिश्नरेट के सामने से लेकर सोडाला श्यामनगर तक 2 साल पुराने वर्क आर्डर पर काम कराने का प्रयास किया था, जिसे तत्कालीन जेडीसी मंजू राजपाल ने रूकवाया था।

जोन-7 के इंजीनियर्स ने करीब 3 करोड़ रुपए के बजट का यह काम शूरू भी करा दिया था। बाद में इसे पेचवर्क में बदला गया। पेचवर्क भी इतने घटिया और लंबे-चौड़े किए गए कि कुछ दिन में ही साफ हो गए।

पंप हाऊस और शिव मंदिर की जमीन पर कैफे बनाने का विरोध

जयपुर (कासं)। प्रांतीय नल मजदूर यूनियन इंटक के नेतृत्व में सैकड़ों जलदायकर्मी मंगलवार दोपहर 3 बजे पानीपेच तिराहे पर एकत्रित होकर विरोध-प्रदर्शन करेंगे।

जलदाय इंटक संघ के प्रदेशाध्यक्ष संजय सिंह शेखावत ने बताया कि अमानीशाह नाला क्षेत्र में जलदाय विभाग का पम्प हाऊस है, जहां ब्रिटिशकाल की मोटर्स लगी हुई, जो कि ऐतिहासिक है। यहीं पर भगवान शिव का मंदिर भी बना हुआ है। सैकड़ों वर्ष पुराने इतिहास को खत्म करने और जलदाय विभाग की जमीन पर अनाधिकृत कब्जा करके कैफे व रेस्टोरेंट खोलने का प्रयास किया जा रहा है, इसके लिए कई तरह के निर्माण किए जा रहे हैं। आये दिन जलदाय विभाग के पंप हाऊस पर कार्यरत कर्मचारियों को प्रताड़ित किया जा रहा है, यह बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। संजय सिंह शेखावत ने बताया कि मंगलवार दोपहर 3 बजे सैकड़ों जलदाय कर्मचारी इस मामले को लेकर अपना विरोध जताने और विभाग के अफसरों का ध्यान आकर्षित करने के लिए पानीपेच तिराहे पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर नियम विरूद्ध विभाग की जमीन और ऐतिहासिक मशीनरी तथा शिव मंदिर के साथ कोई छेड़छाड़ किया गया तो उग्र प्रदर्शन किया जायेगा। किसी भी सूरत में जलदाय विभाग की जमीन पर कैफे-रेस्तरां का निर्माण नहीं होने दिया जायेगा।

- **सैकड़ों जलदाय कर्मचारी मंगलवार दोपहर 3 बज करेंगे विरोध-प्रदर्शन**

छात्र ने तोड़ा रक्षा मंत्री का सुरक्षा घेरा

जयपुर । जयपुर में 10वीं क्लास के छात्र ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का सुरक्षा घेरा तोड़ दिया। राजनाथ सिंह सोमवार को जब जयपुर के भवानी निकेतन कैंपस से एयरपोर्ट के लिए रवाना हो रहे थे। उस समय उनका सुरक्षा घेरा तोड़कर एक छात्र उनके पास पहुंच गया, हालांकि सुरक्षाकर्मियों ने छात्र को उठाकर बाहर की ओर धकेल दिया, लेकिन राजनाथ सिंह ने उस छात्र को अपने पास बुलाया और उसकी बात सुनी। छात्र हर्ष भारद्वाज ने कहा कि वह 10 क्लास में पढ़ता है। उसकी माताजी झालावाड़ में सरकारी अध्यापक है। वह जयपुर में अकेला रहता है। उसकी मम्मी का ट्रांसफर यहां नहीं हो रहा है।

सार-समाचार

गवरी नाट्य शैली सीख रहे युवा

जयपुर । जवाहर कला केन्द्र में 45 दिवसीय आधुनिक रंगमंच एवं गवरी लोक नाट्य शैली आधारित कार्यशाला जारी है। इस विशेष कार्यक्रम में 40 प्रतिभागी सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं, जो गवरी की अद्वितीय परंपराओं और रंगमंच की विविधताओं का अनुभव कर रहे हैं। यह कार्यशाला युवा कलाकारों को लोक नाट्य की समृद्ध परंपरा से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। गवरी नृत्य, जो मेवाड़ की एक प्राचीन परंपरा है, अपने आप में न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह समाज में पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक धरोहर के प्रति जागरूकता फैलाने का भी माध्यम है। वरिष्ठ नाट्यय निर्देशक साबिर खान ने बताया कि यह कार्यशाला प्रतिभागियों को प्रारंभिक स्तर से लेकर उन्नत तकनीकों तक का प्रशिक्षण देने के लिए डिज़ाइन की गई है। वे फिजिकल स्ट्रेंथ, एकाग्रता, कहानी, अभिनय, और वॉइस मॉड्यूलेशन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। कार्यशाला में प्रतिभागियों को गवरी के गायन और नृत्य की मूल बातें सिखाई जा रही हैं, साथ ही मास्क निर्माण, पात्रों की पहचान और वेशभूषा पर भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गवरी लोकनाट्य के प्रशिक्षक गणेश लाल भील ने बताया कि गवरी शिव और पार्वती की ऐतिहासिक कथाओं को प्रस्तुत करता है, जिसमें समाज में देवीत्व स्थापित करने का संदेश है। इस कार्यशाला का उद्देश्य न केवल प्रतिभागियों को कला का प्रशिक्षण देना है, बल्कि उन्हें सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक भी करना है।

उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण

जयपुर । खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार ने सोमवार को जयपुर ग्रामीण की झोटवाडा पंचायत समिति के ग्राम पंचायत भम्भोरी में उचित मूल्य दुकान एवं जनपोषण केंद्र का निरीक्षण किया। कुमार ने पोस मशीन से तुलन यंत्र के संयोजन तथा आइरिश मशीन के सम्बन्ध में जानकारी ली। साथ ही मौके पर उपस्थित उपभोक्ताओं से राशन वितरण के सम्बन्ध में भी जानकारी प्राप्त की गयी। कुमार ने समस्त जिला रसद अधिकारियों, प्रवर्तन अधिकारियों एवं प्रवर्तन निरीक्षकों को आगामी तीन दिवस में अपने सम्बन्धित क्षेत्र में उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण कर रिपोर्ट करने हेतु निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान जिला रसद अधिकारी जयपुर ग्रामीण त्रिलोक चन्द मीना, प्रवर्तन अधिकारी कल्याण सहाय करोल, प्रवर्तन अधिकारी निशांत पंचोली, प्रवर्तन निरीक्षक सरोज विश्नोई भी उपस्थित रहे।

निदेशक ने किया विद्यार्थियों से संवाद

जयपुर । प्रखर राजस्थान अभियान के तहत 23 सितम्बर को कहानी दिवस के अवसर पर राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् अविचल चतुर्वेदी ने पीएम श्री राजकीय आदर्श बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, गणगौरी बाजार, जयपुर में आकस्मिक पहुंच कर शौचलय, स्टोर, म्यूजिक रूम, पुस्तकालय, व्यावसायिक शिक्षा कक्ष आदि का अवलोकन कर अलग-अलग कक्षाओं के विद्यार्थियों से कहानियां सुनी तथा प्रेरक वृतांत सुनाए। उन्होंने छोटी कक्षा के विद्यार्थियों को भगवान श्री कृष्ण के जन्म एवं संघर्ष की कहानी भी सुनाई। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम से हटकर कथा-कहानियों की पुस्तकों को पढने में रूचि रखनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों की खेलों में रूचि, मोबाईल में देखे जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी ली। विद्यार्थियों से पंचतंत्र की कहानियां, हिन्दी भाषा के शब्दों के अर्थ तथा जलीय जीवों के नाम पूछे। उन्होंने वर्षा के कारण दीवारों में नमी को देखते हुए प्रधानाचार्य को पुताई के प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश दिए।

ड्यूरोप्लाई का 'रोमा कलेक्शन' लॉंच

जयपुर । देश की प्रमुख और अनुभवी प्लाईवुड कंपनी, ड्यूरोप्लाई ने अपनी नई प्रीमियम डाइडवीनियर्स की रेंज रोमा कलेक्शन लॉन्च की है। इस खास कलेक्शन में इटली की सुंदर वास्तुकला और बारीकियों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है, जो इसे और भी खास बनाता है।ड्यूरो ने यह कलेक्शन अपने सिग्नेचर ब्रांड "ड्यूरो नेचर" के तहत लॉन्च किया है, खासकर उन लोगों के लिए, जो अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में खूबसूरत और लग्जरी चीजों को महत्व देते हैं। ड्यूरोप्लाई के एमडी और सीईओ अखिलेश चितलंगियाने रोमा कलेक्शन के कहा कि "हमारी रिसर्च से पता चला है कि शहरों में रहने वाले लोग अपने घर की खूबसूरती बढ़ाने के लिए प्रीमियम डाइडवीनियर्स की खोज में हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने साल के ट्रेंडिंग रंगों का अध्ययन कर रोमा कलेक्शन पेश किया है।"

मौसमी बीमारियों के लिए अलग ओ.पी.डी.

जयपुर । सवाई मानसिंह अस्पताल में मौसमी बीमारी के रोगियों के लिए अलग से ओपीडी का संचालन किया जाएगा। सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी ने बताया कि आपातकालीन सेवाओं के सामने वाहन शाखा एवं क्रिटिकल केयर ब्लॉक के पास प्रात: 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक ओपीडी का संचालन किया जाएगा। मेडिसिन विभाग के आचार्य एवं विभागाध्यक्ष इस ओपीडी के प्रभारी होंगे। ट्रॉपिकल मेडिसिन विभाग भी इसमें आवश्यक सहयोग करेगा।

पर्यटन निगम की आय बढ़ाने पर चर्चा

जयपुर (कासं)। राजस्थान पर्यटन विकास निगम द्वारा संचालित समस्त इकाइयों के प्रभारियों की समीक्षा बैठक सोमवार को पर्यटन भवन जयपुर में आयोजित हुई।

निगम प्रबन्ध निदेशक सुषमा अरोड़ा ने आरटीडीसी द्वारा संचालित समस्त इकाइयों की पिछले छ: माह की आय एवं ऑक्यूपेंसी, आगामी पर्यटन सीजन को देखते हुए एडवांस बुकिंग एवं पर्यटन सीजन की आवश्यक तैयारियां को लेकर यूनिट प्रभारियों से चर्चा की एवं प्रत्येक यूनिट की वास्तविक वस्तुस्थिति को जाना एवं निगम की आय बढ़ाने को लेकर चर्चा की। निगम प्रबंध निदेशक सुषमा अरोड़ा ने संस्था की वित्तीय स्थिति को सुधारने के लिए पैकेज टूर, रिलिजियस टूर, स्टूडेंट पैकेज टूर, वन डे, टू डे पैकेज टूर शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सरकारी कार्यक्रमों की केटरिंग ज्यादा से ज्यादा करने के लिए जिला एवं सम्भाग स्तरीय अधिकारियों के साथ संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए।

राजस्थान पर्यटन विकास निगम की प्रबंध निदेशक सुषमा अरोड़ा ने आर.टी.डी.सी. की सभी इकाइयों की समीक्षा बैठक ली।

गांधीनगर आंगनबाड़ी केन्द्र पर शौचालय नहीं होने पर महेन्द्र सोनी ने जताई नाराजगी

जयपुर । शासन सचिव महिला एवं बाल विकास महेन्द्र सोनी ने सोमवार को गांधीनगर राजकीय प्राथमिक विद्यालय स्थित आंगनबाडी केंद्र (नंदघर) का औचक निरीक्षण किया। शासन सचिव ने आंगनबाड़ी केंद्र पर शौचालय संचालित स्थिति में नहीं होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने आईसीडीएस जयपुर जिला उपनिदेशक महेश शर्मा को निर्देश दिए कि यहां पर तुरंत शौचालय चालू किया जाए।

महेन्द्र सोनी ने आंगनबाड़ी केन्द्र पर उपस्थित कार्यकर्ता हेमलता और सहायिका से केंद्र पर कम बच्चों की उपस्थिति के बारे में पूछा गया। उन्होंने बताया कि 12 बजने वाले हैं, छुट्टी का समय होने वाला है, बच्चों को अभिभावक आकर इस समय तक ले जाते हैं।

शासन सचिव ने बच्चों तथा गर्भवती और धात्री महिलाओं को दी जाने वाली पोषाहार सामग्री का अवलोकन किया। उन्होंने कार्यकर्ता से पोषाहार सामग्री की प्राप्त करने की प्रक्रिया की व्यवहारिक ली।शासन सचिव को कार्यकर्ता ने क्यू आर कोड स्कैन कर, ओ टी पी से पोषाहार सामग्री की प्राप्ति सुनिश्चित की जाती है।

शासन सचिव ने कार्यकर्ता से इस प्रक्रिया में काम आने वाले सॉफ्टवेयर की जानकारी होने की बात पूछी जिस पर कार्यकर्ता पूरी जानकारी नहीं दें सकी। इस पर शासन सचिव ने उपनिदेशक, श्री महेश शर्मा को निर्देश दिए कि कार्यकर्ताओं को मोबाइल संचालन का उचित प्रशिक्षण दिया जाए।

महेन्द्र सोनी ने निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध पोषाहार को देखा तथा उसकी एंट्री के बारे में जानकारी ली। पोषण ट्रैकर पर की जाने वाली एंट्री के बारे में जानकारी लेकर निर्देश दिए। उन्होंने गैस सिलेंडर की उपलब्धता की जानकारी ली और अन्य व्यवस्थाओं की वस्तु स्थिति को देखा तथा दिशा निर्देश दिए।

गिफ्ट सिटी में खुलेगा भारतीय जीवन बीमा का कार्यालय

- **एल.आई.सी. ने गिफ्ट सिटी में आयोजित किया यूके, सिंगापुर, बहरीन, केन्या, फिजी, मॉरीशस, नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश की विदेशी इकाइयों के सीईओ और प्रमुखों का सम्मेलन**

जयपुर (कासं)। भारतीय जीवन बीमा निगम ने गुजरात के गांधीनगर की गिफ्ट सिटी में यूके, सिंगापुर, बहरीन, केन्या, फिजी, मॉरीशस, नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश की विदेशी इकाइयों के सीईओ और प्रमुखों का एक सम्मेलन आयोजित किया। हाल ही में भारतीय जीवन बीमा निगम को गिफ्ट सिटी के नियामक आईएफएससीए से बीमा कार्यालय खोलने की मंजूरी मिली है।

भारतीय जीवन बीमा निगम विभिन्न लाभों का लाभ उठाकर गिफ्ट सिटी में परिचालन शुरू करने के अवसर तलाश रहा है। एलआईसी इस नवीनतम चैनल का उपयोग दुनिया भर में भारतीय प्रवासियों तक पहुंचने, अभिनव बीमा और निवेश विकल्प प्रदान करने के लिए करना चाहेगी। यह कार्यालय एलआईसी के ब्रांड को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलाने और एनआरआई और पीआईओ तक बड़ पैमाने पर पहुंचने का अवसर प्रदान करेगा। भारतीय जीवन बीमा निगम के सीईओ व एमडी सिद्धार्थ मोहंती, एम.डी. जगन्नाथ, टेबलेश पांडे, सतपाल भानु और डोराइस्वामी भी बैठक में उपस्थित थे।

सिद्धार्थ मोहंती ने सम्मेलन को संबोधित किया, जिसमें गिफ्ट सिटी गांधीनगर में बीमा कार्यालय के माध्यम से एलआईसी की मजबूत ब्रांड छवि को विविध अंतरराष्ट्रीय बाजार में ले जाने के अवसरों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

23 कार्मिकों को नोटिस जारी

जयपुर। जयपुर विकास आयुक्त आनंदी ने प्राधिकरण पोर्टल पर आनलाइन सेवाओं से संबंधित पत्रावलियां लम्बित रहने पर 23 अधिकारी-कर्मचारियों को कारण नोटिस जारी किये हैं।

जे.डी.ए. कमिश्नर आनंदी ने बताया कि पत्रावलियों की जांच करने पर संज्ञान में आया है कि प्राधिकरण में नागरिक सेवा केन्द्र के माध्यम से प्राप्त हो रही विभिन्न जन उपयोगी सेवाओं से संबंधित ऑनलाईन पत्रावलियों का निर्धारित समयावधि में निस्तारण किया जाना अपेक्षित है, 23 अधिकारी-कर्मचारियों के के खाते में 7 दिवस से भी अधिक समय से विभिन्न पत्रावलियां लंबित थी। जेडीसी ने निर्देश दिए है कि संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के खाते में लम्बित पत्रावलियों का तुरंत निस्तारण किया जाये। उन्होंने इन 23 कार्मिकों से अपना स्पष्टीकरण आगामी 3 दिन में जेडीए सचिव को लिखित में पेश करने के लिए कहा है, अगर यह जवाब पेश नहीं किया जाता है तो इन पर कार्रवाई की जायेगी।

ग्रेटर निगम मुख्यालय में 'अर्थी' लेकर विरोध जताने पहुंचे नेता प्रतिपक्ष व पार्षद

जयपुर । ग्रेटर नगर निगम मुख्यालय में नेता प्रतिपक्ष राजीव चौधरी प्रतिकात्मक अर्थी लेकर विरोध जताने पहुंचे। उन्होंने शहर में बदहाल सफाई, टूटी सड़कें और खराब रोड लाइट्स सुधारने की मांग रखी। करीब 2 घंटे के भारी हंगामे और विरोध प्रदर्शन के बाद उन्होंने आयुक्त रूकमणि रियाड़ को ज्ञापन सौंपा।

राजीव चौधरी ने बताया कि जयपुर शहर में जगह-जगह गंदगी के ढेर, सीवरेज लाइनों से बाहर निकलता गंदा पानी, आवारा पशु, टूटी सड़कें देखने को मिल रही है। आमजन इन समस्याओं के कारण भारी दु:खी है, इसके बावजूद निगम प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है। इसलिए निगम प्रशासन की प्रतिकात्मक अर्थी लेकर विरोध जताया है। राजीव चौधरी जब विरोध जताने निगम मुख्यालय पहुंचे और उनके साथ सैकड़ों लोगों की भीड़ दिखी तो सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें गेट पर ही रोक लिया। इस पर चौधरी और उनके समर्थकों ने वहीं बैठकर विरोध और नारेबाजी शुरू कर दी। करीब 2 घंटे के हंगामे के बाद आयुक्त रूकमणि रियाड़ ने उन्हें कार्यालय में बुलाया, जिस पर 11 लोगों के प्रतिनिधिमंडल ने आयुक्त को ज्ञापन दिया और अपनी समस्याएं बताई। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान पार्षद लादूराम दुलारिया, पार्षद हरि ओम स्वर्णकार, रतनलाल सैनी, सुनील सिंघानिया, धर्म सिंह सिंघानिया, सुमित शर्मा, राकेश चौधरी मौजूद थे।

जयपुर शहर में बदहाल सफाई, टूटी सड़कें और खराब रोड लाइट्स की समस्या को लेकर कांग्रेस पार्षदों ने ग्रेटर निगम में प्रदर्शन किया।

सहकार नेता आमेरा व प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री और रजिस्ट्रार को सौंपा ज्ञापन

जयपुर । सहकारी साख समितियां एम्पलाईज यूनियन राजस्थान के प्रान्तीय अध्यक्ष सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा के नेतृत्व में विभिन्न ज़िला प्रतिनिधियों ने सोमवार को सहकारिता मंत्री गौतम दक व शासन सचिव सहकारिता रजिस्ट्रार मंजू राजपाल को ज्ञापन देकर पैक्स की संस्थागत व कार्मिक माँगो व समस्याओं से अवगत करवाया।

आमेरा के साथ प्रेमचंद चौधरी, सुमेर (जोधपुर) देवकरण सहारण (चूरु), गणेश शर्मा (अजमेर) राजवीर वर्मा, राजेंद्र प्रसाद (भरतपुर)

- **पैक्स कर्मियों के कैडर निर्धारण व स्क्रीनिंग पर सकारात्मक कार्यवाही शीघ्र : गौत्तम दक**
- **पैक्स को ब्याज अनुदान, हिस्सा राशि व वेतन भुगतान सहित सभी मुद्दों के समाधान पर होगा निर्णय : मंजू राजपाल**

शंकर सिंह नरूका, सोहन लाल शर्मा, सुरेश चौधरी, रोडू मल जाट (जयपुर) शेर सिंह राजपूत (सवाई माधोपुर) श्याम लाल जाट (करोली) तुलसीराम गौड (गंगापुर) शुभाष आर्य (नागौर) ज़िला प्रतिनिधि रहें ।

यूनियन प्रतिनिधियों ने सहकारिता मंत्री व रजिस्ट्रार सहकारिता को कई जिलों में पैक्स कर्मियों को लम्बे समय से मासिक वेतन तक नहीं मिलने, सरकार स्तर से 2 प्रतिशत ब्याज अनुदान सीधा पैक्स के खाते में समय से भेजने , हिस्सा राशि का पारदर्शी वितरण करने , केडर का विधिवत गठन कर सुरक्षित सेवा शर्त निर्धारित कर रिटायरमेण्ट परिलाभ सुविधाएँ देने, पैक्स सेलरी फण्ड बनाने , पारदर्शी स्क्रीनिंग करने, रिक्त पदों पर भर्ती करने आदि माँगो के समाधान का ज्ञापन दिया ।

आमेरा ने बताया कि सहकारिता मंत्री व रजिस्ट्रार ने पैक्स कर्मियों की माँगो व मुद्दों पर सहमति व्यक्त की । सहकारिता मंत्री गौतम दक ने यूनियन शिष्ट मंडल को केडर गठन करने व स्क्रीनिंग करवाने पर सकारात्मक कार्यवाही का आश्वाशन देते हुए पैक्स को आर्थिक सुदृढ बनाने के लिए नवाचार अपनाने का सुझाव दिया ।

रजिस्ट्रार मंजू राजपाल ने यूनियन प्रतिनिधियों को पैक्स को ब्याज अनुदान समय पर मिलने , हिस्सा राशी दिलवाने , वेतन भुगतान मिलने सहित अन्य सभी समस्याओं के समाधान पर विचार कर निर्णय करने का भरोसा दिया । रजिस्ट्रार ने राज्य में सभी सहकारी समितियों व संस्थाओं को सहकारी दर्शन आधारित परस्पर सहयोग व समन्वय से एक दूसरे की आर्थिक मज़बूती व समृद्धि के लिए काम करने की ज़रूरत बताई । रजिस्ट्रार ने भरतपुर पैक्स व बैंक कर्मियों की समस्याओं व ज़िले के सहकारी आंदोलन की ज़मीनी स्थिति व हालात जानने के लिए कल स्वयं भरतपुर जाने की बात कही ।

सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा के नेतृत्व में विभिन्न ज़िला प्रतिनिधियों ने सोमवार को मंत्री गौतम दक से मुलाकात की।

प्रमुख शासन सचिव ने की मौसमी बीमारियों की समीक्षा

जयपुर । चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में मौसमी बीमारियों पर प्रभावी रोकथाम के लिए लगातार जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। प्रदेश में मौसमी बीमारियों के नियंत्रण के लिए मेडिकल टीमों की संख्या और बढ़ाई जाएगी एवं इनके कार्यों की जिलेवार समीक्षा की जाएगी। साथ ही, सुपरवाइजरी स्टॉफ द्वारा टीमों के कार्यों का सत्यापन किया जायेगा।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड ने सोमवार को सचिवालय स्थित अपने कक्ष में मौसमी बीमारियों की स्थिति की समीक्षा करते हुए इस संबंध में दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एलएचवी, सीएचओ, आशा कॉर्डिनेटर, बीपीएम, चिकित्सा अधिकारी, बीसीएमओ, उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डीपीएम, डीएनओ, आरसीएचओ, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं संयुक्त निदेशक स्तर के अधिकारी मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए मिशन मोड में काम करें। साथ ही, प्रभावी मॉनिटरिंग एवं पर्यवेक्षण सुनिश्चित करें।

राठौड़ ने निर्देश दिये कि मौसमी बीमारियों के लिए नियंत्रण कक्ष को और सुदृढ बनाया जाए। निदेशालय स्तर पर स्थापित कन्ट्रोल रूम (0141-2225624) में समस्त जिलों से प्राप्त समस्याओं एवं शिकायतों का इन्द्राज कर 24 घण्टे में उनका निस्तारण किया जाए। इसी प्रकार प्रत्येक जिले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय पर स्थापित कन्ट्रोल रूम में दर्ज समस्याओं का भी 24 घण्टे में समाधान सुनिश्चित किया जाये।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया, स्क्रब टायफस आदि मौसमी बीमारियों से प्रभावित क्षेत्रों में रेपिड रेस्पान्स टीमें भ्रमण कर गम्भीर रोगी की जांच एवं उपचार प्रदान करें। आवश्यकता होने पर चिकित्सा संस्थान में रैफर करें तथा बचाव व नियंत्रण संबंधी कार्यों यथा एन्टीलार्वल, मच्छर रोधी, फोगिंग, सोर्स रिडक्शन आदि गतिविधियों की गुणवत्ता भी सुनिश्चित करें। राठौड़ ने निर्देश दिये कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मौसमी बीमारियों से प्रभावित क्षेत्रों पर विशेष नजर रखें। अधिक रोगियों वाले क्षेत्रों में फोकस रूप से बचाव गतिविधियां की जाएं। पॉजीटिव रोगी पाये जाने पर वांछित कार्यवाही तत्काल की जाए ताकि बीमारी के संक्रमण को रोका जा सके। दवाइयों, कीटनाशक, अन्य लॉजिस्टिक का पर्याप्त स्टॉक रखा जाए। मौसमी बीमारियों की स्थिति की प्रतिदिन समीक्षा कर अगले दिन की योजना तैयार करें एवं निदेशालय में रिपोर्ट भेजी जाए।

ARBiT
it happens here...

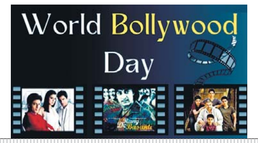

World Bollywood Day

Since films from India entered onto the scene, the entertainment industry has never been the same. The popularity of Bollywood has grown significantly over the past few years and has created an entire subculture that has taken the world by storm. When the Indian film industry began in the early 1900s, it started out in the same way as Hollywood , with silent films. But when talking films began in the form of Bombay Talkies, the industry began to grow in the 1930s. It was very different than films from the West.

राष्ट्रदूत
TUESDAY
24 September 2024
A-B

#RESEARCH

Honey Bees Can Sniff Out Lung Cancer

Insects have an amazing sense of smell, the same way dogs do.

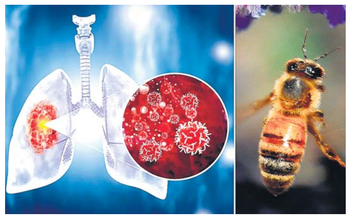

Honey bees can detect biomarkers or chemical concentrations associated with lung cancer in human breath, according to a new study. The findings also show that honey bees can distinguish between different lung cancer cell types using only the 'smell' of the cell cultures. These findings could be used as a model for developing new tests to diagnose lung cancer early.

"Insects have an amazing sense of smell, the same way dogs do," says Debajit Saha, an assistant professor in the Michigan State University College of Engineering and the Institute for Quantitative Health Science and Engineering.

Saha and his team wanted to see if honey bees could distinguish between the chemicals in human breath from someone who was healthy compared to someone with lung cancer.

Elyssa Cox, Saha's former lab manager, and Michael Parnas, a doctoral candidate working in Saha's lab, developed a 'recipe' for a synthetic breath mixture using different levels of six compounds such as trichloroethylene and 2-methylheptane to create the chemical makeup of the breath of someone with lung cancer and a synthetic healthy breath mixture.

"It took a steady hand to create the recipe," says Cox. "We tested the synthetic lung cancer versus healthy human breath mixtures on approximately 20 bees."

Cox helped design a custom 3D-printed harness to hold a live honey bee while she attached a tiny electrode to its brain to measure any changes in the bee's brain signals. "We pass those odors on to the antenna of the honey bees and recorded the neural signals from their brain," says Saha. "We see a change in the honey bee's neural firing response."

The researchers also wanted to measure how much of the cancer-indicating compounds needed to be present in someone's breath for the honey bee to detect cancer.

"The honey bees detected very small concentrations. It was a very strong result," says Saha. "Bees can differentiate between minute changes in the chemical concentrations of the breath mixture which is in the parts per 1 billion range." Parnas analyzed the neural data and saw the spikes in the bees' brain signals. "We can see differences in how the honey bees are smelling," says Parnas. "We detected several different neurons firing in the honey bees' brains that clearly differentiated between the synthetic lung cancer breath and healthy breath."

Another graduate student from Saha's team, Autumn McLane-Svoboda and an undergrad, Summer McLane-Svoboda jointly led the human lung cancer cell culture experiments with the help of Christopher Contag, director of Michigan State University's Institute for Quantitative Health Science and Engineering, and his lab.

"What's amazing is the honey bees ability to not only detect cancer cells, but also distinguish between cell lines of various types of lung cancer," says Autumn McLane-Svoboda. "The future implications for this are huge as our sensor could allow for patients to receive specific cancer diagnosis quickly, which is imperative for correct treatment routes." In the future, Saha's team plans to develop a noninvasive test which only requires patients to breathe into a device and the sensor inside, and based on honey bee brains would analyze the breath and wirelessly report back in real time, if cancer chemicals are present.

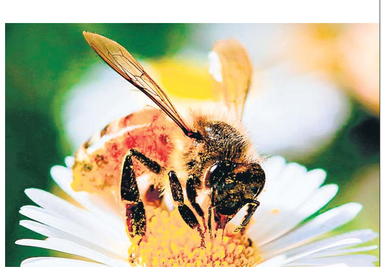

Another book which has detailed description of explaining the reasons for an animal becoming a man-eater is the classic book, *Leopard of Rudraprayag* by Jim Corbett. Corbett's notes revealed that this leopard, a large elderly male, was in fine condition except for a few healed injuries sustained from hunters after it had become a man-eater. The leopard had started hunting people eight years earlier, when it was still young. Therefore, it was not old age or injury that caused it to turn to hunting people. Corbett wrote that, in his opinion, human bodies left unburied during disease epidemics were the main reason for the Rudraprayag and Panar leopards to become man-eaters.

Man-Eaters- Lions, Tigers, Wolves

#WILD AND DANGEROUS

Dr. Goutam Sen
Cardiothoracic & Vascular Surgeon

Human beings and carnivores have a tenuous relationship. Both are the hunters and the hunted. Ever since there has been 'civilisation,' this relationship has existed. Both have hunted for the same lot of animals, primarily for food. Their paths have crossed, if at all, by chance, and basically, they have avoided each other. The humans, having gained superior equipment and weapons, have ventured to capture and kill carnivores for pure pleasure, trophy collection, A display of ego, which is limited to humans alone! It should be noted that humans do not eat the meat of any of the carnivores they kill. In some ethnic groups, however, the meat, fat and bones have been used for medicinal purposes. The *Chinese Tiger Balm* is famous.

On the other hand, most carnivores avoid human beings and hunt for food. They rarely kill for any other reason and never kill in wanton excess. This trait too is limited to 'civilised' humans. The Trophy Board at Keoladeo Bird Sanctuary at Bharatpur is an example of wanton killing. That is why nature lovers call most carnivores as noble animals.

Incidentally, it is interesting to note that carnivores are limited to regions north of the Wallace line, a line that is drawn along the Malacca strait. Geologically, Asia and Australia were never fused together. There are no carnivores in Australia and New Zealand and the Pacific region. The same is true for Marsupials who are limited to the Australian continent. Only birds and bats can cross the line.

The Indian subcontinent has the largest number of carnivores and humans. Therefore, it is not surprising that conflict will take place between the two. Yet, historically, the incidence of man-eating animals has been hard to trace. To a layman like me, I find references to incidences of man-eating animals limited to the last two centuries.

There have been few books on man-eating animals in English literature. One such complete documentation has been in a book by Kenneth Anderson in the early years of the 20th Century, *'Nine Man-eaters and One Rogue.'* It details the experience of this hunter. His hunts were in a wide area and mostly for trophy hunting. He was asked to help in killing these Man-eaters by the local people and the government of the time. The book makes interesting reading.

In his introduction, he writes, "Man-eaters of both varieties have generally been created by the interference of the human race. A tiger or panther is sometimes so incapacitated by rifle or gunshot wound as to be rendered incapable, thereafter, of stalking and killing the wild animals of the forest or even cattle, that are its usual prey. By force of circumstances, it descends to killing man, the weakest and puniest of creatures, quite incapable of defending himself when unarmed."

He goes on to relate that on occasions, the man-eater may have been caught in a trap or have festered wounds of the paw due to porcupine quills. The taste of human flesh has been known to have been acquired by the animal devouring corpses thrown into the forest during an epidemic. Rarely, such habits can be transferred by the female to her cubs also.

Once the habit of easy prey is acquired, the carnivores rarely revert to their natural diet. Anderson goes on to add that these animals develop special skills to hunt humans. They appear so mysteriously, and pick up their human quarry so silently that they are often referred to as *phantom animals* (*Shaitan!*). During his hunt of these animals, Anderson goes on to tell that man-eaters are known to become very cunning and quite often avoid the hunter. Each of his stories details how much hard work it was to finally kill the animal. The cunning man-eating Lions of Tsavo in Africa would hunt in pairs and one would act as decoy by showing itself to the hunter while the other would attack from the rear.

Another book which has detailed description of explaining the reasons for an animal becoming a man-eater is the classic book, *Leopard of Rudraprayag* by Jim Corbett. Corbett's notes revealed that this leopard, a large elderly male, was in fine condition except for a few healed injuries, sustained from hunters after it had become a man-eater. The leopard had started hunting people eight years earlier, when it was still young. Therefore, it was not old age or injury that caused it to turn to hunting people. Corbett wrote that, in his opinion, human bodies left unburied during disease epidemics were the main reason for the Rudraprayag and Panar leopards to become man-eaters.

A leopard, in an area in which his natural food is scarce, finding these bodies very soon acquires a taste for human flesh, and when the disease dies down and normal conditions are established, he very naturally, on finding his food supply cut off, takes to killing human beings. Of the two man-eating leopards of Kumaon, which between them killed over five hundred and twenty five human beings, one followed on the heels of a very severe outbreak of cholera, while the other followed the mysterious disease which swept through India in 1918 the infamous Spanish Flu of 1918). Besides tigers, panthers and leopards, wolves have been found to become man-eaters. Here, there is a major difference. The wolf rarely hunts singly. It is usually a pack. For the pack to become man-eater, the reason has to be different. The maiming by human attack or natural cause does not sound acceptable. The cause here is primarily due to shortage of prey. Human civilisation has encroached into the forest. Further, the deer and antelope, the natural prey, has been decimated.

The recent attacks by wolves in Bahraich is a matter of concern. Although an all-out attack has been made, the killing and trapping has been difficult.

Records of wolf attacks in India began to be kept during the British colonial administration in the 19th Century. In 1875, more people were killed by wolves than tigers, with the worst affected areas being the Northwest Provinces and Bihar. In the former area, 721 people were killed by wolves in 1876, while in Bihar, the majority of 185 recorded deaths at the time occurred mostly in the Patna and Bhagalpur Divisions. In the United Provinces, 624 people were killed by wolves in 1878, with 14 being killed during the same period in Bengal. In Hazaribagh, Bihar, 115 children were killed between 1910 and 1915, with 122 killed and 100 injured in the same area between 1980 and 1986. Between April 1989 and March 1995, wolves killed 92 people in southern Bihar, accounting for 23% of 390 large mammal attacks on humans in the area at that time. For the Himalayan region, historical records have reported that 7,600 civilians and soldiers were killed by wolves during 1862 to 1918.

An earlier incidence of man-eating wolves is the infamous wolves of Astha. They were a pack of six man-eating Indian wolves, which between the last quarter of 1985 and January 1986, killed 17 children in Ashta, Madhya Pradesh, a town in the Sehore district. The pack consisted of two adult males, one adult female, one sub-adult female and two pups. Initially thought to be a lone animal, the fear caused by the wolves had serious repercussions on the life of the villagers within their hunting range. Farmers became too frightened to leave their huts, leaving crops out of cultivation, and several parents prohibited their children from attending school, for fear that the man-eaters would catch them on the way. So great was their fear, that some village elders doubted that man-eaters were truly wolves at all, but *Shaitans*. This seems to be a common refrain about man-eaters.

Let us hope and pray that our sanctuaries create enough natural spaces for the carnivores so that they do not have to seek their food amongst men!

The recent reports of man-eating wolves in Bahraich, Uttar Pradesh are disturbing. Although wolves have been known to be merciless killers, who hunt in packs, they avoid humans. Man-attacking or killing wolves are rare. According to Conservationists, there must be a reason. One such trigger is the ease of hunting humans after an accidental kill. The other possibility is of domesticated, subsequently, abandoned wolfdog becoming man-eaters. As pets, they have lost the fear of man.

All such depredations of animal attacks have to be eliminated. Human life and safety are primary. In the present era, sanctuary in enclosed areas has been proposed. This is not always possible. The final solution is hunting each and every such animal and destroying them. Evidently, in the case of wolves, this is not an easy task. Despite a large group of hunters and use of drone technology, the wolves of Bahraich are still eluding the hunters! The fact is that there are no hunters of repute available any more. The wild life are 'shot' by cameras only!

rajeshsharma1049@gmail.com

#PARENTING

Deep Breathing to Calm a Child

Taking a few slow, deep breaths significantly reduces children's physiological arousal in everyday settings, research shows.

It's one of the first things parents and teachers tell a child who gets upset, "Take a deep breath." But research into the effect of deep breathing on the body's stress response has overwhelmingly ignored young children, and studies done with adults typically take place in a university lab, making them even less applicable to children's actual lives. By measuring the effects in naturalistic settings such as day camps and playgrounds, the study more closely reflects a child's experience than a study in a lab would. "This study is the first to show that taking a few slow, deep breaths in an everyday setting can have a significant effect on a child's stress physiology," says the study's lead author, Jelena Obradovic, an associate professor at Stanford University Graduate School of Education (GSE) and director of the Stanford Project on Adaptation and Resilience in Kids (SPARK Lab).

A Visual Guide to Deep Breathing

Mindfulness practices that incorporate deep breathing, such as yoga and meditation, have found their way into the classroom at many schools. But prior to this study, research had not clearly shown whether slow-paced breathing itself could significantly alter a young child's physiological stress response, as the researchers say. They set out to isolate the activity of breathing and investigate its impact-taking practical considerations into account, including the likelihood that young children might not have the capacity for even a couple of minutes of deep breathing, and that they would need help learning how to do it. "When you ask young children to take a deep breath, many don't really know how to slowly pace their inhale and exhale, if they haven't had any training," Obradovic says. "It's not intuitive for young kids. They are more successful in taking several deep breaths if they have a visual guide." To help elementary schoolers learn the technique, the researchers worked with a team of artists, based in Berkeley, California, to produce a one-minute video. The animated video shows young children how to slowly inhale by pretending to smell a flower and to exhale by pretending to blow out a candle. "From a pragmatic point of view," Obradovic says, "we thought a very short sequence, four breaths, seemed doable for this age group."

Real Kids out in the world

For their randomized field experiment, the researchers recruited 342 young children, 7 years old, on average, with their parents' permission, at a children's museum, a public playground, and three full-day summer camps in the San Francisco Bay Area. Roughly half of the children were assigned to a group to watch the animated video with the deep breathing guidance. The rest watched an informational video that featured similar animated images but did not involve the breathing exercise.

All of the children were shown their assigned video in small groups, at tables set up adjacent to the site from where they were recruited, to maintain a natural setting for the study. Also, in keeping with the real-life approach to the study design, the researchers did not monitor children or provide extra encouragement to implement the deep breathing instruction. "This 'intention-to-treat' approach, analyzing all subjects, whether or not they engaged with the intervention, is widely considered to provide more insight into the potential effectiveness of the intervention, once it is applied in everyday group settings, like classrooms, where not everyone is likely to take part," Obradovic says.

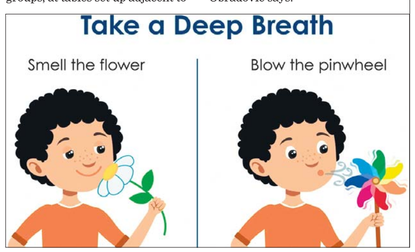

Kids calm down

Researchers measured two biomarkers in all of their recruits, heart rate and respiratory sinus arrhythmia (RSA), which refers to the changing pace of the heartbeat when a person inhales and exhales. "RSA plays an important role in influencing heart rate," Obradovic says, and it has been linked to children's ability to regulate their emotions, focus their attention, and engage in tasks. "When it comes to measuring the effects of deep breathing on stress physiology, RSA seems to be the most appropriate biomarker," says Obradovic. "RSA is the only pure measure of the activity of the parasympathetic nervous system, the system we've evolved to help us deal with everyday challenges, the kinds of challenges that don't require a flight-or-flight response." The change in the measures was profound, RSA increased and heart rate decreased only in response to the deep breathing video, and the effects were greater during the second half of the video, which included most of the deep breathing practice. The children in the control group showed no change in either measure. "Our findings showed that guiding a group of children through one minute of a slow-paced breathing exercise in an everyday setting can, in the moment, significantly lower the average level of physiological arousal," Obradovic says. "Further research should examine the effect of deep breathing in this age group after a stressful or challenging experience," she says. But the fact that children of this age can downregulate their stress physiology, even when they're relatively calm, offers promise that the technique will be even more effective when they're frustrated or upset.

THE WALL

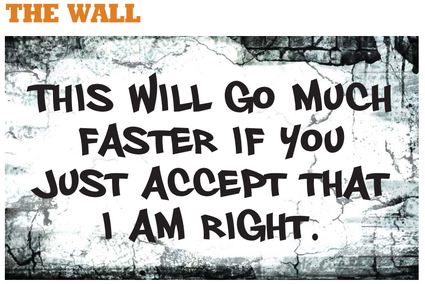

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

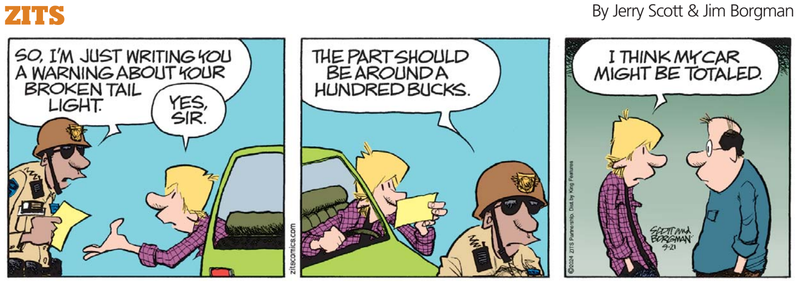

दो मंजिला मकान की छत गिरी, पांच लोग मलबे में दबे

ग्रामीणों का आरोप है कि अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री द्वारा अवैध ब्लास्टिंग से मकान गिरा

सभी घायलों को बीडीएम अस्पताल में भर्ती कर उपचार किया।

कुजोता में पुराने दो मंजिला मकान की छत भर-भराकर गिर गई।

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम कुजोता में सोमवार दोपहर करीब 3.30 बजे एक पुराने दो मंजिला मकान की छत अचानक भर भराकर गिर गई, जिससे एक आठ वर्षीय मासूम बालिका सहित पांच लोग मलबे में दब गये।

छत गिरने से मकान के अंदर मौजूद एक आठ वर्ष की मासूम रोहिणी सहित उम्मेद सिंह, गिरिराज, एकता व ओजस मलबे में दब गये, जिन्हें आसपास के लोगों ने मलबे से बाहर निकालकर यहाँ के राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना पर डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरडक व तहसीलदार सौरभ गुर्जर मय जाप्ते के मौके पर पहुंच गये। जहां घटना की पूरी जानकारी लेकर राजकीय बीडीएम अस्पताल पहुंचे और घायलों की जानकारी ली। चिकित्सकों ने सभी पांचों घायलों की हालत गंभीर होने पर जयपुर रैफर कर दिया।

- डीएसपी व तहसीलदार सहित पुलिस का जाप्ता मौके पर पहुंचा और हादसे की जानकारी ली
- सभी घायलों को बीडीएम अस्पताल में भर्ती करवाया, गंभीरावस्था में सभी को जयपुर रैफर किया

ग्रामीणों का आरोप है कि मकान में मरम्मत का कार्य कर चल रहा था। इसी दौरान हुई ब्लास्टिंग से मकान की छत गिर गई। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम कुजोता सहित आसपास के आबादी क्षेत्र के निकट अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री द्वारा अवैध ब्लास्टिंग की जाती है। ब्लास्टिंग के चलते आबादी क्षेत्र के मकानों में कम्पन होता है तथा अनेक मकानों में दरारें आ गई है। तहसीलदार द्वारा ग्रामीणों को समझाइश कर उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया गया। प्रशासन द्वारा एहतिहात के तौर पर मौके पर पुलिस जवान तैनात किये हैं। वहीं पुलिस व प्रशासन मामले की जांच में जुट गया है।

महिला की हत्या करने के मुख्य आरोपी की हरियाणा में तलाश

पुलिस को बदमाशों के बारे में अहम सुराग मिले, तीन संदिग्ध युवकों को हिरासत में लिया

खानपुर में महिला की हत्या के मामले के आरोपियों को पुलिस अभी तक गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

खेतड़ी, (निसं)। खानपुर में चार दिन पहले घर में घुसकर महिला की हत्या के मामले के फरार आरोपियों को पुलिस अभी तक गिरफ्तार नहीं कर पाई है। इस दौरान पुलिस को बदमाशों के बारे में अहम सुराग मिले हैं, जिस पर पुलिस ने तीन संदिग्ध युवकों को हिरासत में लिया है। पुलिस वारदात के मुख्य आरोपी हिस्ट्रीशीटर उमेश यादव की तलाश में हरियाणा में उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

थानाधिकारी कैलाश चंद यादव ने बताया कि हिस्ट्रीशीटर उमेश यादव अपने पिता की हत्या का बदला लेने के लिए काफी समय से वारदात करने की फिराक में था। उसके पिता की हत्या के आरोप में कोटपूतली जेल में बंद वेदप्रकाश तक नहीं पहुंचने के कारण उसने वेदप्रकाश के परिवार को निशाना बनाना शुरू कर दिया। उसी रंजिश को

- रंजिश में हिस्ट्रीशीटर उमेश यादव ने खानपुर में वेदप्रकाश के घर पत्नी सजना देवी को गोली मार दी और हरियाणा की ओर फरार हो गया था

लेकर हिस्ट्रीशीटर उमेश यादव अपने साथियों के साथ 18 सितंबर की शाम को खानपुर में वेदप्रकाश के घर पर पहुंचा। इस दौरान उसने देखा कि वेदप्रकाश की पत्नी सजना देवी रसोई में काम कर रही थी तो उसने गोली मार दी और हरियाणा की ओर फरार हो गया। घटना को लेकर पुलिस ने जिलेभर में नाकाबंदी भी करवाई, लेकिन क्षेत्र पड़ोसी राज्य हरियाणा से सटा होने के कारण वारदात के आरोपी आसानी से फरार हो गए।

पुलिस द्वारा प्रथम जांच में सामने आया कि वारदात करने से पहले हिस्ट्रीशीटर उमेश यादव ने पहले अपने साथियों के साथ मिलकर शराब पार्टी की थी। उसके बाद बोलेरो गाड़ी में सवार होकर वेदप्रकाश के घर आए। इस दौरान वह पिठौला निवासी युवक के साथ घर में घुसा और वारदात को अंजाम दे दिया। इस दौरान एक युवक हथियारों के साथ घर के बाहर खड़ा था तथा दो बोलेरो गाड़ी के पास थे। वारदात के बाद हरियाणा में घुसने पर सभी अलग-अलग हो गए। थानाधिकारी ने बताया कि हिरासत में लिए गए संदिग्ध युवकों से गहनता से पूछताछ की जा रही है, जिससे बदमाशों के बारे में अहम जानकारी मिली है। वारदात के आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर वारदात का खुलासा किया जाएगा।

चार मकानों के ताले टूटे

उदयपुर, (कासं)। शहर के सविना थानपा क्षैत्र में अज्ञात चोरों ने दो दिन पूर्व चार मकानों के ताले तोड़ कर नकबजनी की वारदात को अंजाम दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सविना थाना क्षैत्र हरिओम नगर जहाजपुर भीलवाड़ा हॉल साई विहार डाकन कोटडा, उसके पड़ोसी किशन लाल, विपिनचन्द्र तथा आनन्द कुमार के सूने मकानों के अज्ञात चोर ताले तोड़ कर वारदात कर फरार हो गए। चोर पीड़ित यशराज के मकान से लेपटॉप, एलईडी एवं 8 हजार रूपये नकदी, किशन के मकान ऐ एलईडी, विपीन चन्द्र के मकान से एनलईडी, लेपटॉप तथा 4 हजार रूपये तथा आनन्द के मकान से 15 हजार रूपये नकदी चुरा ले गए। गत दिनों सभी लोग बाहर गए थे। दो दिन पूर्व लौटने पर मकानों के ताले टूटे होने एवं सामान बिखरा होकर नकदी व सामान गायब होने की जानकारी मिलने पर पुलिस को सूचना दी। इस पर पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया।

रसद विभाग की टीम ने पांच सिलेण्डर जप्त किये

पाटन, (निसं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग जयपुर के निर्देशानुसार 17 सितम्बर से 27 सितम्बर तक चलाए जा रहे अभियान के तहत घरेलू सिलेण्डरों के व्यावसायिक दुरूपयोग की रोकथाम के लिए जिला कलेक्टर शरद मेहरा द्वारा गठित टीम ने पाटन में स्थित विभिन्न होटलों, फर्मों पर औचक कार्रवाई की।

प्रवर्तन निरीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि पाटन में जय श्री राम चाट भंडार व जोधपुर मिष्ठान भंडार से एक-एक घरेलू सिलेंडर तथा हसामपुर में नवदुर्गा जोधपुर मिष्ठान से दो घरेलू सिलेंडर व शिव मिष्ठान भंडार से एक घरेलू सिलेंडर सहित कुल चार फर्मों से पांच घरेलू सिलेण्डर जब्त किए हैं। उन्होंने बताया कि सिलेण्डरों को फास्ट फूड, मिठाई व नाश्ता एवं अन्य खाद्य पदार्थ बनाने के लिए अनाधिकृत एवं असुरक्षित तरीके से प्रयोग में लिया जाना पाये जाने पर द्रवित पेट्रोलियम गैस आपूर्ति संबंधी उपबन्धों का स्पष्ट उल्लघंन किए जाने पर सिलेण्डर जब्त किए गए हैं। रसद विभाग की यह कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। कार्रवाई में प्रवर्तन निरीक्षक राजेश कुमार, पाटन तहसीलदार मुनेश सर्वा आदि शामिल रहे।

रसद विभाग की टीम ने पाटन में होटलों, फर्मों पर कार्रवाई की।

बाइक चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। घासा थाना पुलिस ने बाइक चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से चोरी की बाइक बरामद की। प्रकरण के अनुसार 21 सितंबर को पीड़ित तेजराम पुत्र दौला डांगी निवासी सांगवा मगरी धासा ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि 20 सितंबर को रात में अज्ञात चोर मकान के बाहर खड़ी बाइक चुरा ले गए।

इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, सहायक पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार के सुपरविजन में घासा थानाधिकारी भरतसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपी जगदीश पुत्र रामलाल निवासी गान्दोली तथा किशनलाल पुत्र भंवरलाल निवासी गांदोली घासा को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से चोरी की गई बाइक बरामद की।

विद्युत विभाग का केशियर कार्यालय में सिगरेट पीते मिला

देवली शहर के विद्युत विभाग की केश शाखा के सरकारी दफ्तर में सिगरेट पीता हुआ कर्मचारी।

देवली, (निसं)। प्रदेश भर के सरकारी कार्यालय एवं सार्वजनिक स्थलों पर सिगरेट, बीड़ी पीना, गुटखा थूकना वर्जित है। राजस्थान सरकार द्वारा धूम्रपान अधिनियम एक्ट में इसे अपराध मानते हुए सजा और जुर्माना का प्रावधान भी लागू किया हुआ है। वहीं देवली शहर के जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की केश शाखा कार्यालय में केशियर पद पर कार्यरत कर्मचारी सुरेश कुमार एक के बाद एक सिगरेट के कश खींच कर सरकार के बनाए गए नियमों की धज्जियां उड़ा रहा है। जब इस कर्मचारी को टोका गया तो कर्मचारी बेपरवाह होकर सिगरेट के कश खींचने लग गया।

- सहायक अभियंता को जानकारी दी गई तो उन्होंने अपने आपको जयपुर कोर्ट में व्यस्त होना बताया

जब विद्युत विभाग के सहायक अभियंता को जानकारी दी गई तो उन्होंने अपने आप को जयपुर कोर्ट में व्यस्त होना बताया। इस संबंध में मनोज कुमार मीणा, उपखंड अधिकारी, देवली का कहना है कि देवली शहर के विद्युत विभाग कार्यालय में अगर ऐसे हालात बने हैं तो इस मामले की सत्यता पर जांच कराई जाएगी, जांच रिपोर्ट आने पर कार्रवाई होगी।

सरकारी जमीन बेचकर धोखाधड़ी

उदयपुर, (निसं)। शहर के समीप नाई थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ सरकारी जमीन को अपनी बताकर भूखण्ड बेच कर लोगों के साथ धोखाधड़ी करने का प्रकरण दर्ज किया।

पीड़ित सैय्यद मकसूद हुसैन पुत्र सरफराज हुसैन निवासी सज्जन नगर, मुंशी खान, शाहीन बानू,नासिर खां, नाईला लोदी, शौकत हुसैन, अब्बास अली, रेहाना, फिरोजा बैगम ने आरोपी मोहम्मद रफीक पुत्र मोहम्मद अजीज निवासी खांजीपीर बीडा, अय्यूब बैग, नया खेड़ा निवासी मोहम्मद फय्याज, मुश्ताक भाई, साईद मोहम्मद, केसुलाल गमेती, पूना सहित अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया, जिसमें पीड़ित ने बताया कि चार वर्ष पूर्व आरोपियों ने नया खेडा क्षैत्र में स्वयं की जमीन होकर भूखण्ड काटकर प्लानिंग करने की बात कही तथा हम सभी से तथा हमारे अलावा अन्य लोगों से आरोपियों ने लोगों से रूपये वसूल कर पांच सौ रूपये के स्टाम्प पर लिखापढ़ी कर नया खेड़ा में स्थित सरकारी जमीन पर भूखण्ड काट बेच कर लाखों रूपये वसूल लिए। इसका खुलासा 7 सितंबर को उदयपुर विकास प्राधिकरण की टीम ने मौके पर पहुंच कर सरकारी जमीन होने की बात कही।

जेवर चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। शहर के अम्बामाता थाना क्षैत्र में स्थित मकान से जेवरात व नकदी चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार 5 सितंबर को पीड़ित राजेश जैन पुत्र गणेशलाल जैन निवासी आदिनाथ नगर फतेहपुरा अम्बामाता ने रिपोर्ट पेश की जिसमें पीड़ित ने बताया कि आदिनाथ नगर में मेरा मकान है। जहां से अज्ञात चोर सोने व चांदी की ज्वेलरी तथा नकदी चुरा ले गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर गठित दल ने आरोपी गौतम उर्फ नंदू पुत्र नरेन्द्र को गिरफ्तार किया। इस मामले में पूर्व में गौतम पुत्र कुन्दनलाल को गिरफ्तार किया जा चुका है तथा विधि से संघर्षरत बालिका को डिटेन किया जा चुका है, जिनसे की गई पूछताछ के आधार पर गिरफ्तार किया। पूछताद में आरोपी ने चोरी किए जेवरात सूरजपोल स्थित हार्दिक की दुकान पर बेचने की जानकारी दी। इस पर पुलिस दल ने सूरजपोल नाड़ाखाड़ा निवासी हार्दीक पुत्र चन्द्रशेखर की दुकान से 5 लाख 50 हजार रूपये के जेवरात बरामद किए। आरोपी गौतम पुत्र कुन्दन के खिलाफ शहर के विभिन्न पुलिस थानों में सात अपराधिक प्रकरण दर्ज है तथा गौतम उर्फ नंदू पुत्र नरेन्द्र के खिलाफ 8 अपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

वहीं डबोक थाना क्षैत्र में स्थित एवीवीएनएल स्टोर से अज्ञात चोर कॉपर व ऑयल चुरा ले गए। पीडित सहायक भण्डार नियंत्रक देबारी एवीवीएनएल सी ब्लॉक श्याम नगर खेलगांव चित्रकुट नगर निवासी भुवनेश्वर सिंह राजपुरोहित पुत्र मूलसिंह ने डबोक पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि रिको स्टोर में रखे 16 केवी के 9 ट्रांसफार्मर से अज्ञात चोर कॉपर व ऑयल तथा अन्य सामान चुरा ले गए।

खोहरी ग्राम के लोगों ने शराब ठेका बंद कराने की मांग की

शराब ठेका बंद कराने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने नारेबाजी की।

करौली, (निसं)। खोहरी ग्राम पंचायत के लोगों ने सरपंच के नेतृत्व में जिला कलेक्टर को ज्ञापन पेश कर खुले शराब के ठेके को बंद कराने की मांग की है।

खोहरी ग्राम पंचायत के सरपंच महेश चंद्र माली के नेतृत्व में राजकुमार, कमल सिंह, शिवजी, ब्रह्ममोहन सिंह, राजेश, विष्णु, गोविंद, पप्पू सहित कई लोगों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन पेश कर बताया कि ग्राम पंचायत खोहरी में शराब की दुकान संचालित है तथा दुकान के अलावा अन्य शाखाओं में भी शराब की बिक्री होती है जिससे ग्रामीण लोगों द्वारा पूर्व में भी आबकारी विभाग में शिकायत दे चुके हैं।

- ग्राम पंचायत के लोगों ने सरपंच के नेतृत्व में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

उक्त शराब की मुख्य दुकान के आसपास विद्यालय एवं महादेवजी, हनुमान जी के मंदिर भी हैं, जहां शराब पीने वाले लोगों की भीड़ लगी रहती है तथा देर रात तक शराब का ठेका खुला रहता है। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि आम बस्ती में संचालित शराब के ठेके के कारण कभी भी बड़ी दुर्घटना या हादसा हो सकता है तथा पूर्व में भी कई बार घटनाएं हो चुकी है। उन्होंने संचालित शराब ठेके को गांव से बाहर संचालित करने की मांग की है।

पांच सूत्रीय मांगों को लेकर भीलवाड़ा में कांग्रेसियों ने प्रदर्शन किया

कांग्रेसियों ने आयुक्त कक्ष के बाहर धरना दिया और ज्ञापन चस्पा किया

भीलवाड़ा, (निसं)। नगर परिषद से नगर निगम में बनने के बावजूद भ्रष्टाचार खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष धर्मेंद्र पारीक के नेतृत्व में सोमवार को शहर में कांग्रेसियों ने ढोल व ताशे बजाकर महापौर-आयुक्त साझेदार, मिलकर करे भ्रष्टाचार, जैसे नारे लगाते हुए जमकर प्रदर्शन किया और आयुक्त कार्यालय पर ज्ञापन चस्पा किया।

नेता प्रतिपक्ष नगर निगम और वार्ड नंबर 43 से पार्षद धर्मेंद्र पारीक के नेतृत्व में दर्जनों कांग्रेसियों ने ढोल व ताशे के साथ नारेबाजी की। साथ ही आयुक्त कार्यालय पर मुख्य सचिव के नाम पांच सूत्रीय मांगों के संबंध में ज्ञापन भी चस्पा किया। ज्ञापन के मार्फत नगर निगम में हो रहे भ्रष्टाचार पर लीपापोती को बंद करने की मांग की गई। ज्ञापन में यह भी बताया गया है कि पूर्व में भी धरना प्रदर्शन किये गये, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई आयुक्त द्वारा नहीं की गई। इसे देखते हुये प्रतीत होता है कि आयुक्त व सभापति आपसी साझेदार के रूप में प्रशासन को गुमराह करते हुये शहर के साथ अन्याय कर रहे हैं। ज्ञापन में नगर निगम, कृष्णा नगर में 69 (क) का जो फर्जी पट्टा जारी किया, उसमें जिन अधिकारियों ने भ्रष्टाचार किया उन पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की और न ही कोई एफआईआर दर्ज करवाई गई।

भीलवाड़ा में कांग्रेसियों ने ढोल व ताशे बजाकर नारेबाजी की और प्रदर्शन किया।

कांग्रेस नेता मनोज पालीवाल ने बताया कि अमृत योजना के तहत सीवरेज का कार्य नगर निगम कर रही है जो घटिया क्वालिटी का है और गड्ढे ज्यादा होते जा रहे हैं, सामग्री सही नहीं है। बडला चौराहा और केशव हॉस्पिटल रोड पर जमीन अपने आप बैठ गई, ऐसे प्रसंग आने के बावजूद प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है और उनके घटिया कार्य का भुगतान करने के लिए आमादा है। गत वर्ष दिपावली पर जो सड़कें बनी वो अभी एक बरसात में ही टूट गई, जबकि उनकी गारण्टी का समय चल रहा है, लेकिन प्रशासन उसे सही कराने पर ध्यान नहीं दे रहा है। शहर के सभी मुख्य नाले गन्दगी से अटे पड़े हैं। दीवारें टूट चुकी है, लोगों को जान-माल का खतरा है, लेकिन नालों का सुधार साढ़े तीन वर्षों में नहीं हो पाया है। बिना स्वीकृति तथा बिना नक्शा पास के हो रहे व्यावसायिक निर्माण को रूकवाया जावें। पांच सूत्रीय मांगों को लेकर कांग्रेसियों ने गोल प्याऊ चौराहे से निगम पर ढोल-ताशे के साथ जमकर नारेबाजी करते हुए आयुक्त कक्ष के बाहर धरना दिया और ज्ञापन चस्पा किया।

- नगर निगम में हो रहे भ्रष्टाचार पर लीपापोती को बंद करने की मांग की

संक्षिप्त

अर्पिता बनी एबीवीपी इकाई अध्यक्ष

अर्पिता पाराशर

मालपुरा, (निसं)। अखिल भारतीय विधार्थी परिषद की महाविद्यालय कार्यकारिणी में अर्पिता पाराशर को इकाई अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। विधार्थी परिषद के जिला संगठन मंत्री मोनू स्वामी की अध्यक्षता में सोमवार को राजकीय स्नातकोतर महाविद्यालय मालपुरा में हुई परिषद की बैठक में इकाई अध्यक्ष पद पर अर्पिता पाराशर सहित उपाध्यक्ष मनीष जाट, आशाराम गुर्जर, इकाई सचिव अविनाश तिवाडी, अखिल जोशी, धर्मा गुर्जर एसएफएस संयोजक गौरांग शर्मा, हर्षवर्धन सिंह,एसएफडी संयोजक मोनू बैरवा, त्रिलोक साहू, राष्ट्रीय कलां मंच संयोजक मनीषा चौधरी, पायल चौधरी, खेलो भारत संयोजक दिनेश बुनकर, ममता वर्मा सहित एनएसएस संयोजक किस्मत सैनी, सोशल मिडिया संयोजक हनुमान गुर्जर के मनोनयन की घोषणा कर परिषद कार्यकर्ताओं ने नवीन कार्यकारिणी को बधाई दी।

छत से गिरने पर एक की मौत

राजगढ , (निसं)। दुब्बी ग्राम में छत पर घूम रहे व्यक्ति की नीचे गिर जाने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतक व्यक्ति कुछ दिनों से बीमार चल रहा था। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार दुब्बी ग्राम के यशसर मीणा ने दर्ज कराया की उसका पिता कैलाश चंद मीणा सामान्य बीमार चल रहा था। सोमवार दोपहर करीब12 बजे छत पर घूमते समय अचानक नीचे गिर गया। सूचना मिलने पर हम खेत पर काम कर रहे थे, बच्चों ने बताया तब हमघर आए तो बेहोशी की हालत में मिला। इसे गंभीर हालत में राजगढ के चिकित्सालय ले जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करा कर लाश परिजनों को सौंप दी।

पावटा कॉलेज में सीटों की संख्या बढ़ी

पावटा, (निसं)। राज्य सरकार के उच्च शिक्षा मंत्रालय द्वारा पावटा कस्बा स्थित राजकीय महाविद्यालय में लबित पडे छात्र-छात्राओं के प्रवेश आवेदन को निस्तारित करने के लिये स्नात्तक प्रथम वर्ष कला वर्ग में सीटों की संख्या में बढोतरी की है। कॉलेज शिक्षा आयुक्त डॉ. ओमप्रकाश बैरवा ने आयुक्तालय द्वारा महाविद्यालय में कला वर्ग प्रथम वर्ष का एक अतिरिक्त सैक्शन की कुल 100 सीटों में बढोतरी की है। विधायक कुलदीप धनकड ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व उच्च शिक्षा मंत्री एवं डिप्टी सीएम डॉ. प्रेमचन्द बैरवा का आभार व्यक्त किया है। धनकड ने कहा कि राज्य सरकार बालिका शिक्षा को हरसंभव प्रोत्साहन देने के लिये निरन्तर प्रयासरत है।

रोडवेज बसों में टिकट चेकिंग

गोविंदगढ /अलवर, (निसं)। कस्बे के नजदीकी गांव जालूकी में राजस्थान रोडवेज परिवहन निगम के अधिकारियों द्वारा जालूकी में प्रबंधक यातायात बीरमाराम दिल्ली, अनिल पाराशर ट्रैफिक इंस्पेक्टर दिल्ली द्वारा अलवर भरतपुर मार्ग पर जालूकी चौराहे पर राजस्थान परिवहन निगम की सभी गाडियों की चेकिंग की जा रही है। यातायात प्रबंधक द्वारा बताया गया कि सभी गाडियों में निरीक्षण यातायात प्रबंधक द्वारा लगेज, साफ सफाई एवं टिकट चेकिंग की गई। सभी रोडवेज बस टिकटों को पंच मार किया गया जिसमें परिचालक से भी सिग्नेचर कराए जाते हैं और यातायात अधिकारी के भी सिग्नेचर किए जाते हैं। यह सब जानकारी यातायात प्रबंधक द्वारा दी गई।

अव्वल छात्रों को मिला टेबलेट

श्रीमाधोपुर, (निसं)। ग्राम कंचनपुर की राजकीय विद्यालय में अध्ययन कर अव्वल अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को राज्य सरकार की टेबलेट वितरण योजना के तहत टेबलेट दिया गया। प्रधानाचार्य संजय मीणा ने बताया की स्थानीय विद्यालय एवं पीईईओ क्षेत्र कंचनपुर के सात विद्यार्थियों इंद्राज कुमावत, रितिका चौधरी, लोकेश कुमार, खुशबू यादव, अंकित देवन्दा, शिक्षा शर्मा, पूनम वर्मा को टेबलेट प्राप्त हुआ है।व्याख्याता सुरेंद्र सैनी ने बताया की टेबलेट प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ठामीणों एवम विद्यालय द्वारा माला एवम मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर राजकीय विद्यालय हरदाकावाली प्रधानाध्यापक सुभाष मीणा, एसडीएमसी सदस्य अमर चंद शर्मा, रामावतार यादव, रमेश सोनी आदि मौजूद रहे।

खिलाड़ी जीत का लक्ष्य लेकर मेहनत करे तो सफलता कदम चूमेगी : राधा चौधरी

- **मालपुरा में क्रिकेट, लावा में हॉकी, देशमा व पन्द्राहेड़ा में सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ**

केबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी की धर्मपत्नि राधा चौधरी व पालिका अध्यक्ष सोनिया मनीष सोनी ने क्रिकेट की बॉल पर शॉट लगाकर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया।

मालपुरा, (निसं)। तिलक बाल विद्यापीठ सीनियर सैकेण्डरी स्कूल मालपुरा के तत्वाधान में सोमवार को 68वीं जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारम्भ केबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी की धर्मपत्नि व बिल्स कॉलेज ऑफ हायर एज्यूकेशन टोडारायसिंह निदेशक राधा चौधरी व पालिका अध्यक्ष सोनिया मनीष सोनी ने क्रिकेट की बॉल पर शॉट लगाकर प्रतियोगिता का शुभारेम्भ किया।

उदघाटन समारोह में टोंक जिले के कोने-कोने से पहुंची 37 टीमों के खिलाडियों को सम्बोधित करते हुये राधा चौधरी ने कहा कि शारीरिक व मानसिक विकास के साथ-साथ आपसी सदभाव के लिये जीवन में खेल बैहद जरूरी है। खिलाडी हार से निराश होने के बजाय जीत का लक्ष्य लेकर कडी मेहनत करे तो सफलता उसके कदम चुमेगी। राधा चौधरी ने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा खेलों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में छुपी खेल प्रतिभाओं को निखारने के उदेश्य को लेकर शुरू की गई 68वीं जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से ग्रामीण प्रतिभाओं को अपने खेल कौशल का प्रदर्शन कर राज्य व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अवसर देने का किया जा रहा है कार्य। पालिका अध्यक्ष सोनिया मनीष सोनी ने मौजूद युवा क्रिकेट खिलाडियों का उत्साहवर्धन करते हुये कहा कि लम्बे समय से मालपुरा में चली आ रही स्टेडियम का सपना प्रदेश की भाजपा सरकार इस बार साकार करवाने के लिये वो केबिनेट मंत्री व क्षैत्रिय विधायक कन्हैयालाल चौधरी के साथ मुख्यमंत्री व खेल मंत्री को करवायेगें अवगत।

समारोह में भाजपा मंडल अध्यक्ष त्रिलोक चन्द जैन, प्रदेश सहसंयोजक उद्योगप्रकोष्ठ नरेन्द्र कुमार जैन, निजी शिक्षण संस्थान संघ अध्यक्ष रमाकांत पाठक, प्रतियोगिता संयोजक प्रकाश चन्द पाटनी व तिलक ग्रुप ऑफ एज्यूकेशन की और से अतिथियों का सम्मान किया गया। इसी क्रम में देशमा व पन्द्राहेडा में सॉफ्टबॉल तो लावा में हॉकी प्रतियोगिता का शुभारम्भ हुआ।

उदयपुर सिटी स्पेशल रेलसेवा का संचालन

फुलेरा, (निसं)। रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी त्यौहारी सीजन को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु उदयपुर सिटी-श्री माता वैष्णा देवी कटरा-उदयपुर सिटी स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने बताया कि गाडी संख्या 09603, उदयपुर सिटी-श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्पेशल रेलसेवा आगामी 2 अक्टूबर से 13 नवम्बर 2024 तक 7 ट्रिप उदयपुर सिटी से बुधवार को 1:50 बजे रवाना होकर गुरूवार को 6:35 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटरा पहुंचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 09604, श्री माता वैष्णो देवी कटरा - उदयपुर सिटी स्पेशल रेल सेवा आगामी 3 अक्टूबर से 14 नवम्बर 2024 तक 7 ट्रिप श्री माता वैष्णो देवी कटरा से गुरूवार को 10:50 बजे रवाना होकर शुक्रवार को 13:55 बजे उदयपुर सिटी पहुंचेगी। गौरतलब है कि उक्त रेलसेवा मार्ग में राणा प्रताप नगर, मावली, चन्देरिया, भीलवाड़ा, माण्डल, विजयनगर, नसीराबाद, अजमेर जंक्शन, किशनगढ , फुलेरा जंक्शन, रींगस, सीकर, नवलगढ़ , झुंझुनू, चिड़ावा, सुरजगढ़ , लौहारू, सार्दूलपुर, भिवानी, हिसार, धुरी, लुधियाना, जालन्धर कैंट व जम्मूतवी स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

सार-समाचार

स्ट्रक्चर व बैठने की कुर्सियां भेंट की

शाहपुरा, (निसं)। शाहपुरा शहर के लाल बहादुर शास्त्री मेमोरियल राजकीय उप जिला चिकित्सालय में सोमवार को चिकित्सालय प्रभारी डॉक्टर हरिश वर्मा व असिस्टेंट प्रोफेसर विकास यादव की मौजूदगी में टीम मनीष यादव द्वारा मरीज को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के लिए 3 स्ट्रक्चर व डॉक्टर के बैठने के लिए 10 कुर्सियां भेंट की गई। चिकित्सालय प्रभारी डॉक्टर वर्मा ने बताया कि स्वर्गीय बोदूराम सैनी व स्वर्गीया सेढी देवी सैनी की स्मृति में उनके पुत्रों जीवन राम, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष नाथूलाल सैनी व हरि सैनी की ओर से मरीजों को ले जाने के लिए काम में आने वाली 3 लोहे के स्ट्रक्चर व पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रेम देवी जाट द्वारा उनके पिता स्वर्गीय पटेल कानाराम गौरा की स्मृति में डॉक्टर के बैठने के लिए 10 गद्दीदार कुर्सियां भेंट की गई। इससे पूर्व चिकित्सालय प्रभारी डॉक्टर वर्मा द्वारा भामाशाहों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त क्षेत्रीय वन अधिकारी हेमचंद जाट, मोक्ष धाम विकास समिति अध्यक्ष नाथूलाल सैनी, पालिका उपाध्यक्ष राजेंद्र सारण, पूर्व पालिकाध्यक्ष बद्री प्रसाद सैनी, चंद्रभान पलसानिया, पार्षद घनश्याम सैनी, पूर्व पार्षद हनुमान सैनी, कांठोस जिला सचिव जितेंद्र शर्मा, मुकेश खुडानिया, मनजीत सिंह खटाना, निहाल पलसानिया, सुरेंद्र यादव, डॉ मेघराज झालानी, डॉ मदन कलवानिया, डॉक्टर महेंद्र, पलसानिया, डॉक्टर गिरधारी पलसानियां, विनोद शर्मा हरजीत खरवा आदि मौजूद थे।

चोरी के आरोप में चार गिरफ्तार

दूदू, (निसं)। जिले के अधीन सेवा ग्राम पंचायत की नंदा की ढ ाणी में चोरों के गिरोह द्वारा मकान में घुसकर लाखों रुपए के जेवरात एवं 40000 नगद चुराकर ले जाने की वारदात को अंजाम देने के दौरान परिवार में जाग हो जाने पर ग्रामीणों ने पीछा कर चार जनों को पकडकर दूंदू थाने की पुलिस के हवाले कर दिया गया। एक साथी फरार होने में सफल हो गया। नंदा की ढ ाणी निवासी रामजीवन जाट ने घटना की सूचना दूदू थाने में दी। मौके पर पुलिस ने पहुंचकर घटना की जानकारी ली तथा ग्रामीणों ने शंकर लाल कालूराम रामराज मदनलाल बागरिया निवासी नन्दा की ढ ाणी को पुलिस के हवाले कर आरोपियों से माल बरामद करवाने की मांग को लेकर पुलिस के साथ अड गए। पश्चात पुलिस ने पहुंचकर आरोपियों को दूदू थाने में लाकर गिरफ्तार किया तथा पूछताछ शुरू कर दी। अन्य आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। ग्रामीणों के प्रतिनिधि मंडल ने दूदू थाने पर पहुंचकर शीघ्र माल बरामद करवाने की मांग की है।

रामलीला मंचन को लेकर शपथ ग्रहण

बौंली-बामनवास, (निसं)। नगर पालिका बौंली मुख्यालय पर करीब 17 वर्षों बाद श्री राम कला मंडल बौंली द्वारा रामलीला मंचन को लेकर बोलेश्वर महादेव मंदिर में सामूहिक शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। सूबेदार मोहन सिंह व गोपाल शर्मा के संरक्षण एवं दिनेश पुरी की अध्यक्षता में रामलीला मंचन का शुभारंभ नवरात्रा स्थापना के साथ होगा एवं विजयदशमी दशहरे पर इसका समापन होगा। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान वरिष्ठ सदस्य सीताराम त्रिवेदी, नाथूराम योगी, पत्रकार श्रद्धा ओम त्रिवेदी, आचार्य मनीष अवस्थी, अधिवक्ता राघवेश शर्मा, शिक्षक मदन सिंह, रामावतार सैनी एवं प्रेमराज सैनी सहित अनेक राम कला मंडल के सदस्य व कलाकार उपस्थित थे।

जन जागरूकता रैली निकाली

राजगढ , (निसं)। बांदीकुई मार्ग पर कल्पना चावला पीजी गर्ल्स कॉलेज में स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के तहत छात्रों को स्वच्छता स्वास्थ्य एवं संस्कार के बारे में जागरूक किया गया। निदेशक डीएस नरूका ने बताया कि इस दौरान साइबर थाना अलवर इंचार्ज अजय नरूका ने छात्राओं को ऑनलाइन ठगी के बारे में कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को एटीएम बंद होने, सब्सिडी बंद होने एवं आधार अपडेट सहित अन्य प्रलोभन देकर भोले भाले लोगों को ठगी का शिकार होना पड़ता है। उन्होंने साइबर ठगो से सावधान रहने का आव्हान किया। उन्होंने किसी भी अनजान नंबर से बात नहीं करने का सुझाव दिया। दूसरे सत्र मेंअभियान के तहत प्लास्टिक हटाओ पर्यावरण बचाओ को लेकर जन जागरूकता रैली निकाली गई। रैली कस्बे के प्रमुख बस्तियों से होती हुई वापस महाविद्यालय पहुंची। इस अवसर पर छात्राओं ने बैनर पोस्टर के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर हंसराज वर्मा, डॉ सावित्री सिंह, शिवकुमार शर्मा,भगवान सहाय एवं मोहनलाल गुप्ता सहित अन्य मौजूद रहे।

स्वच्छता संगोष्ठी का आयोजन

श्रीमाधोपुर, (निसं)। श्री राम कॉलेज श्रीमाधोपुर जिला नीमकाथाना में सोमवार को स्वच्छता ही सेवा पखवाडा 2024 कार्यक्रम के चतुर्थ दिवस का आयोजन प्राचार्य डॉ. सुदर्शन सैनी की अध्यक्षता में स्वच्छता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य ने स्वच्छता व श्रम का जीवन में महत्व के संबंध में छात्र-छात्राओं को अवगत करवाया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने कालेज परिसर में श्रमदान भी किया। प्राचार्य ने महापुरुषों की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए महाराणा प्रताप के संबंध में छात्र-छात्राओं को उनके अदम्य साहस बलिदान संघर्ष व राष्ट्रभक्ति मातृभक्ति शौर्य बलिदान पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को भी राष्ट्र के लिए सदैव तत्पर रहने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान महाविद्यालय व्याख्याता दीपेश सांखला, सुरेश सैनी, विनोद वर्मा, मुकेश सैनी, अशोक सामोता, दीपिका, हेमलता, हेमंत गठाला, गीता देवी आदि उपस्थित थे।

घरेलू सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग पर रसद विभाग की कार्रवाई

- **विभिन्न होटलों-प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर 8 सिलेंडर जब्त किये**

कोटपूतली, (निसं)। कोटपूतली-बहरोड जिले में रसद विभाग ने घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यवसायिक उपयोग को रोकने के लिए अभियान तेज किया है। सोमवार विभिन्न होटलों और प्रतिष्ठानों पर छापेमारी करते हुए 8 घरेलू सिलेंडर जब्त किए गए। रसद विभाग ने जिले में घरेलू सिलेंडर के व्यवसायिक उपयोग पर रोक लगाने की कवायद शुरू की है। इसके तहत आज विभिन्न स्थानों पर कारवाई करते हुए 08 घरेलू सिलेंडर जब्त किए गए हैं। इस मामले में रसद विभाग ने संबंधित प्रतिष्ठान संचालकों को भविष्य में घरेलू सिलेंडरों का उपयोग नहीं करने की भी हिदायत देते हुए अग्रिम कानूनी कारवाई की चेतावनी दी है।

कोटपूतली में विभिन्न होटलों और प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर टीम ने सिलेन्डर जब्त किये।

जिला रसद अधिकारी संदीप माथुर के नेतृत्व में प्रवर्तन निरीक्षक विजयपाल यादव, अमित कुमार एवं विश्राम गुर्जर की टीम द्वारा कोटपूतली शहर में विभिन्न होटल व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों की जांच की गई। इसमें कोटपूतली शहर में श्री श्याम रेस्टारेन्ट, मैसर्स भैरू जी मिष्ठान भण्डार,जय भवानी मिष्ठान भण्डार, अमित इंजीनियरिंग वर्कशॉप, श्री चूलसिद्ध एग्रीकल्चर पर कारवाई की गई। इस दौरान वहां पर घरेलू सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग करते हुए पाया गया। इन संस्थानों पर कुल 08 घरेलू सिलेंडरों को जब्त किया एवं जब्त सिलेंडरों को मौके पर नजदीकी गैस एजेन्सी को सुपुर्द किया।

विद्यार्थियों का राज्यस्तरीय खेल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन

पावटा, (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रतापनगर भीलवाडा एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अंता, बारा में आयोजित राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत नेट बॉल में 3 व सेपक टकरा में एमएम पब्लिक विद्यालय के 7 खिलाडियों का राज्य स्तर पर चयन हुआ है। इस अवसर पर छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विद्यालय के चेयरमैन मनोज कुमार मित्तल ने कहा ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है।

ऐसी प्रतियोगिताओं से ही देश के लिए खेलने वाले खिलाडियों का जन्म होता है। विद्यालय प्रबंधक अखिलेश्वर मिश्रा ने कहा खेलों से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है इसलिए बच्चों को खेलों के लिए समय समय पर प्रोत्साहित करते रहना चाहिए। विद्यालय के एकेडमिक हेड रमेश चंद्र पांडे व प्राचार्य चंद्रशेखर मिश्रा ने खिलाडियों का माला पहनाकर समान किया व उत्साहवर्धन किया। वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक कैलाश यादव ने बताया कि सेपक टकरा खेल मलेशिया देश का लोकप्रिय खेल है। जो कि तीन खेलों वालीबॉल, फुटबॉल, बैडमिंटन खेलों को मिलाकर बनाया हुआ खेल है। साथ ही यादव ने बताया कि राजस्तरीय प्रतियोगिता में 64 जिलों में कोटपुतली बहरोड जिले(एमएम पब्लिक स्कूल) का आठवां स्थान रहा। नेट बॉल खेल में विद्यालय के खुशबू शेखावत, साक्षी यादव, जिया एवं सेपक टकरा खेल में सक्षम शर्मा, अनमोल पलसानिया, खुशी शेखावत, अंशिता चौधरी, रितिका शेखावत और कुमकुम यादव का राज्यस्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में चयन हुआ था।

विधिक सेवा दिवस पर खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

टोंक, (निसं)। विधिक सेवा दिवस के अवसर पर सोमवार को विशेष रूप से सक्षम (स्पेशल डिसऐबल) बच्चों में विधिक चेतना अभियान रालसा स्पोटर्स फॉर अवेयरनेस उडान के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सामाजिक कल्याण एवं न्याय अधिकारिता विभाग, टोंक के समन्वय से विशेष रूप से योग्य बच्चों के लिए जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन पन्नाधाय कॉलेज में किया गया।

सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया।

प्रतियोगिता में राजकीय एवं निजी विद्यालयों के 8 से 18 वर्ष की आयु के शारीरिक दिव्यांग बच्चों ने कबड्डी, बोसी बॉल, लंबी कूद, कैरम, चौस, चित्रकला एवं पेंटिंग आदि प्रतियोगियों में भाग लिया। प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान पर रहने वाले को अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश व सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दिनेश कुमार जलुथरिया ने 500, द्वितीय को 300 एवं तृतीय स्थान पर रहने वाले प्रतिभागी को 200 रुपये प्रतिभागी को के नकद पुरस्कार एवं मेडल से सम्मानित किया। साथ ही, समूह प्रतियोगिता में प्रथम स्थान के प्रतिभागी को 600, द्वितीय को 300 एवं तृतीय स्थान के प्रतिभागी टीमों को 200 रुपये के नकद पुरस्कार एवं सभी प्रतिभागियों को मेडल से सम्मानित किया। इस अवसर पर बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक नवल खान, मानव धर्म विकलांग सेवा संस्थान के आंचल शर्मा, चंद्रवीर सिंह चौहान, महेश शर्मा, सीताराम स्वामी उपस्थित रहें।

खिलाड़ियों को जीवन में मेहनत से सफलता पानी चाहिए : विधायक

- **ग्राम चिमनपुरा व बनेठी में जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का उद्घाटन**

कोटपूतली, (निसं)। विधायक हंसराज पटेल सोमवार को ग्राम पंचायत चिमनपुरा व बनेठी के दौरे पर रहे। पटेल ने ग्राम चिमनपुरा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विधालय में 68वीं जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता (क्रिकेट) व ग्राम बनेठी स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विधालय में जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता (वॉलीबॉल) छात्र एवं छात्रा (17 व 19 आयु वर्ग) का बतौर मुख्य अतिथि उद्घाटन किया। चार दिवसीय दोनों प्रतियेागिताओं का 26 सितम्बर गुरूवार को समापन होगा।

विधायक हंसराज पटेल ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

ग्राम चिमनपुरा में उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते हुये विधायक पटेल ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम बनते ही खेलेगा इण्डिया तभी तो बढेगा इण्डिया का नारा दिया था। पीएम मोदी के इसी नारे व लक्ष्य को साकार करने के लिये शिक्षा विभाग कार्य करे। आज देश दुनिया में भारतीय खिलाडी अपनी सफलता का परचम लहरा रहे है।

केन्द्र व राज्य की डबल इंजन सरकार भी इसी के लिये प्रयासरत है कि देश व प्रदेश का युवा एवं विधार्थी पढाई हो या खेल दोनों में सफलता प्राप्त कर अपने माता-पिता, परिवार, गांव, समाज व क्षेत्र का नाम देश व प्रदेश में रोशन करें। विधायक पटेल ने अपने सम्बोधन में खिलाडियों को जीवन में ईमानदारीपूर्वक कडी मेहनत व संघर्ष से सफलता प्राप्त करने का संदेश दिया। प्राचार्य बाबूलाल रावत ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस मौके पर जिला शिक्षा अधिकारी रामसिंह यादव, सीबीईओ जोगेन्द्र सिंह राठी, प्रधान प्रतिनिधि इन्द्राज रावत, सरपंच मानसिंह धानका, पूर्व सरपंच पुष्कर रावत, शिक्षाविद् पूरण कसाना समेत बडी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। इसी प्रकार ग्राम बनेठी में वॉलीबॉल एवं मलखम प्रतियोगिता का भी विधायक पटेल ने उद्घाटन किया।

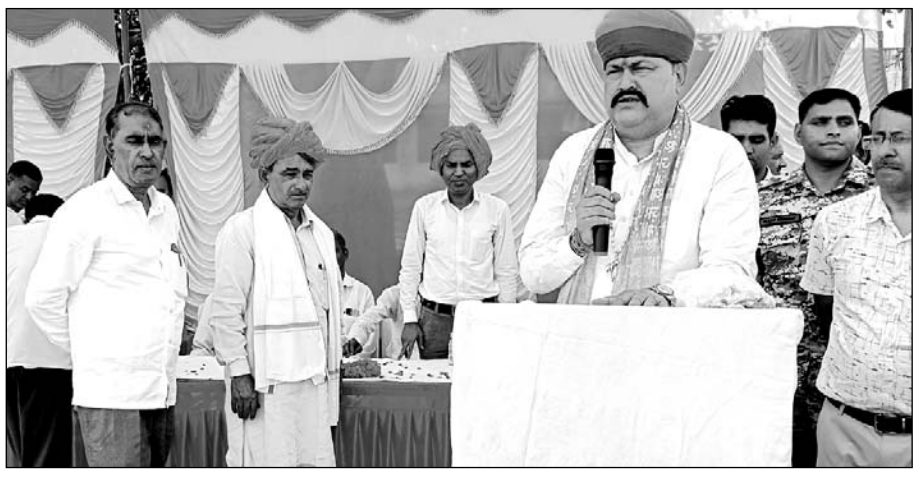

अध्यक्षता सरपंच प्रतिनिधि देवी सिंह ने की। इस दौरान पूर्व प्रधान विक्रम सिंह तंवर, पूर्व सरपंच सुरेश सिंह तंवर, एसीबीईओ भागीरथ मीणा समेत अन्य अतिथि मौजूद रहे। उप प्राचार्य राजकुमार बैरवा ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि प्रतियोगिता में 17 व 19 आयु वर्ग के छात्र एवं छात्रा खिलाडियों की कुल 45 टीमें भाग ले रही है। निर्णायक की भूमिका बिल्लूराम, यादराम, अमित कुमार, रिंकी, सरिता व राजेन्द्र ने निभाई। संचालन ओमप्रकाश यादव ने किया। इस दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई।

वर्षा जल संरक्षण व इन्वेस्टमेंट सबमिट कार्यक्रम की समीक्षा

- **संभागीय आयुक्त रश्मि गुप्ता ने होंडा के वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का जिला कलेक्टर किशोर कुमार के साथ निरीक्षण किया**

किशनगढ़ बास, (निसं)। खैरथल तिजारा जिला सचिवालय पर संभागीय आयुक्त जयपुर रश्मि गुप्ता व जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने औद्योगिक क्षेत्र में वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर के माध्यम से जल संग्रहण गतिविधियों के प्रोत्साहन हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों एवं औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर वर्षा जल संरक्षण व अक्टूबर माह में आयोजित होने वाले इन्वेस्टमेंट सबमिट कार्यक्रम आदि की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में संभागीय आयुक्त ने जिले में अक्टूबर माह में आयोजित होने वाले इन्वेस्टमेंट सबमिट को लेकर की गई तैयारी की अधिकारियों से समीक्षा की।

बैठक के उपरांत संभागीय आयुक्त ने होंडा के वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का जिला कलेक्टर किशोर कुमार के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी औद्योगिक इकाइयों के वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के सुचारू संचालन हेतु सर्वे करने के निर्देश दिए। बैठक में संभाग की आयुक्त ने जयपुर संभाग में वर्षा जल संरक्षण कार्य को चरणबद्ध रूप से करते हुए प्रथम पेज में निर्माण संरचनाओं के छत के पानी का संरक्षण करते हुए आगामी चरणों में बाजार, व्यापारिक संस्थान, खुले स्थान, सड़क इत्यादि मे भी वर्षा जल संरक्षण पर होने वाले कार्यों की जानकारी देते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया।

बैठक के दौरान जिला कलेक्टर किशोर कुमार अतिरिक्त जिला कलेक्टर खैरथल शिवपाल जाट, अतिरिक्त जिला कलेक्टर भिवाड़ी अश्विन के पंवार, उपखंड अधिकारी लाखन सिंह, वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक रीको आदित्य शर्मा एवं ज्ञानेंद्र शर्मा, जीएमडीआईसी सुरजीत सिंह खोरिया, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जयपुर संभाग के सभी जिला कलेक्टर सहित अधिकारी एवं औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

हाईवे पर अवैध कटों को सख्ती से बंद करें, पुन: खोलने वालों पर कार्रवाई करें : कलेक्टर

खैरथल, (निसं)। जिला कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में जिला सचिवालय पर सोमवार को हुई जिला सडक सुरक्षा समिति की बैठक में जिला कलेक्टर ने हाईवे एसएच 25 पर दुर्घटनाओं को निमंत्रण दे रहे अवैध कटों को तुरंत प्रभाव से कार्रवाई करते हुए सख्ती से बंद करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि जो लोग बंद करने के बाद फिर से अवैध कट बनाते हैं तो उनके विरुद्ध विभाग को कानूनी कार्रवाई के लिए निर्देश दिए हैं तथा डिवाइड के मध्य वृक्षारोपण के भी निर्देश दिए है।

जिला सचिवालय पर जिला सडक सुरक्षा समिति अधिकारियों के साथ सडक सुरक्षा के संबंध में संबंधित विभागों द्वारा उठाए गए कदमों की समीक्षा कर जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को कहा कि समन्वित प्रयास यह रहे कि जिले की सडकें दुर्घटना मुक्त होवे। दुर्घटना की स्थिति में जीवन बचाना प्राथमिकता रहे। बैठक में रिडकोर अधिकारियों ने बताया कि एसएच 25 पर 76 अवैध कट है। जिनको समय-समय पर बंद करा दिया जाता है। इसके बावजूद असामाजिक तत्वों उन्हें पुन: खोल दिया जाता है। जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए अवैध कटों को बन्द करने के उपरान्त यदि उन्हें पुन: खोले तो संबंधित के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई की जाए।

जिला कलेक्टर ने बैठक में नगर पालिका टपूकडा को अपने क्षेत्र में आने वाले एसएच 25 के आसपास गांव द्वारा हाईवे पर डाले जाने वाले कचरे के संबंध में प्रभावी कार्य योजना बनाकर हाईवे पर कचरा डालने वालों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि ब्लैक स्पॉट मार्गो पर अधिक साइन बोर्ड लगाकर यात्रियों को सजग करें ताकि ब्लैक स्पॉट पर दुर्घटनाओं को कम किया जा सके। उन्होंने रिडकोर के अधिकारियों को डिवाइड के मध्य में वृक्षारोपण करने के निर्देश भी दिए ताकि अवैध कट को रोका जा सके।

बैठक में जिला कलेक्टर ने खैरथल-तिजारा एवं भिवाडी के पुलिस अधिकारियों, पीडब्ल्यूडी अधिकारी एवं चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि दुर्घटना की सूचना आईआरएडीबी (इंटीठोटेड रोड एक्सीडेंट डाटाबेस) पर दर्ज करवाना सुनिश्चित कराये। उन्होंने डीटीओ सहित संबंधित अधिकारियों को शहर की यातायात व्यवस्था को बनाए रखने हेतु निर्देश दिये। जिला स्तरीय बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव, अधीक्षण अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग भूरी सिंह, रिडकोर अधिकारी पंकज, जिला शिक्षा अधिकारी राजकुमार जैन सहित परिवहन एवं आरएसआरडीसी के अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई।

- दुर्घटना रहित सुगम यातायात को लेकर दिए निर्देश

सार-समाचार

स्ट्रीट वेंडर्स को कचरा पात्र वितरित

श्रीमाधोपुर, (निसं)। आगामी 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस के उपलक्ष्य में स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत 17 सितम्बर 2024 से 2 अक्टूबर तक नगरपालिका श्रीमाधोपुर क्षेत्र में ''स्वच्छता ही सेवा पखवाडा'' का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान नगरपालिका कर्मचारीयों द्वारा स्ट्रीट वेण्डरर्स को गीले व सूखे कचरे हेतू अलग-अलग कचरा पात्र वितरण किये गये और समझाइश की गयी की गीले व सुखे कचरे का अलग-अलग कचरापात्र में एकत्रित कर नगरपालिका के कचरा वाहन में ही डाले साथ ही प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नही करे। इसके बाद स्टेशन रोड पर स्वच्छ स्ट्रीट फूड कार्यक्रम का आयोजन कर नुक्कड नाटक टीम द्वारा स्वच्छता के प्रति फूड स्ट्रीट वेण्डर एवं उपस्थित आमजन को अपने आस-पास स्वच्छता रखने हेतु जागरूक किया गया।

भजन संध्या के पोस्टर का विमोचन

श्रीमाधोपुर, (निसं)। श्रीराम गऊ नंदीशाला हांसपुर में 28 सितंबर शनिवार को रात्रि में जागरण होगा। एक शाम गऊ माता के नाम होने वाली भजन संध्या को लेकर पोस्टर का विमोचन जगह-जगह किया जा रहा है। इसी क्रम में उपखंड कार्यालय श्रीमाधोपुर में उपखंड अधिकारी अनिल कुमार ने किया। वही भजन संध्या की तैयारियों को लेकर शहर में ओम प्रकाश सैनी (प्रधान) व गांव में विश्वनाथ शर्मा की अगुवाई में प्रचार किया जा रहा है। 28 सितंबर को होने वाले रात्रि जागरण एक शाम गौ माता के नाम कार्यक्रम के तहत अलग-अलग जगह जाकर पोस्टर विमोचन किया जा रहा है। गौशाला की अलग-अलग टोलियों के द्वारा गांव गांव जाकर एक शाम गौ माता के नाम रात्रि जागरण कार्यक्रम का जमकर प्रचार प्रसार किया जा रहा है एक शाम गौ माता के नाम कार्यक्रम में राष्ट्रीय गौ भक्त ओमप्रकाश मुंडेर सहित कई लोग शामिल होंगे।

बच्चों को वितरित किए बैग

निवाई, (निसं)। उपखंड के गांव जगसरा मे राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापक सुश्री अंकिता पाण्डे के प्रोत्साहन पर भामाशाह एयर बाइट टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड जयपुर के ऑनर पवन चौधरी एवं विनोद भारद्वाज द्वारा विद्यार्थियों के लिए करीब तीस हजार रुपए की लागत के 115 बैग वितरित किए गए। प्रधानाध्यापक अंकिता पाण्डे ने बताया कि बैग्स मिलने पर बच्चों के चेहरे खिल उठे। पीओ नवलकिशोर शर्मा ने बताया कि भामाशाह विनोद भारद्वाज द्वारा उठाया गया कदम बहुत ही सराहनीय है। इससे बच्चों की आवश्यकता तो पूरी होगी साथ ही सरकारी विद्यालय के प्रति जुडाव भी बढेगा। इस अवसर पर नवलकिशोर शर्मा, मुकेश गुर्जर, हंसराज जगसरा, बीना मीना, बिरधीचंद मीना, असगर अली, रामफूल मीना, रामावतार गुर्जर, बजरंग लाल यादव, ममता शर्मा, सपना मीना व सत्यवीर गुर्जर सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

राष्ट्रीय कौशल विकास प्रशिक्षण शुरू

मालपुरा, (निसं)। केन्द्रीय भेड एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में सोमवार को 14वें राष्ट्रीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थान निदेशक डॉ. अरूण कुमार तोमर की अध्यक्षता में किया गया। डॉ. अमर सिंह मीणा ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 23 से 30 सितम्बर तक आयोजित होगा। जिसमे वैज्ञानिक भेड,बकरी एवं खरगोश पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम मे राजस्थान,बिहार,हरियाणा,मध्यप्रदेश व दिल्ली राज्यों के 25 ट्रेनी भाग लेगें। आठ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान संस्थान के विभिन्न विभागों के माध्यम से वैज्ञानिक तकनिक से भेड,बकरी एवं खरगोश पालन एवं प्रबंधन पर प्रशिक्षण दिया जायेगा। कार्यक्रम का समन्वयक डॉ. लीलाराम गुर्जर व सुरेश शर्मा द्वारा किया जायेगा। शुभारम्भ समारोह मे विभाग अध्यक्ष डॉ. जीजी सोनवाण्य,डॉ. अजय कुमार, सत्यवीर सिंह डांगी ने प्रशिक्षण मे अपने विचार सांझा किये।

ट्रॉली को चुराकर ले गए चोर

निवाई, (निसं)। एनएच 52 पर स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप के सामने रविवार की रात अज्ञात चोर ट्रैक्टर ट्रॉली बनाने वाले कारखाने पर रिपेयर होने आई ट्रॉली को चुराकर ले गए। सुबह कारखाने पर कार्य करने वाले मजदूर व मालिक पहुंचा तो ट्रैक्टर की ट्रॉली नहीं मिली। आसपास ढूंढने पर भी ट्रैक्टर की ट्राली का कहीं भी पता नहीं चलने पर पुलिस को सूचना दी। कारखाना मालिक शाहिद लोहार पुत्र नूरुद्दीन ने निवाई थाने में ट्रॉली चोरी की प्राथमिकी दर्ज करवाई है। पुलिस ने बताया कि कारखाने पर चोरों की ट्रौली को चुराकर ले जाते हुए की घटना सीसी कैमरे में कैद हो गई।

किसान आंदोलन की तैयारी पर बैठक

निवाई, (निसं)। ग्राम पंचायत बहड में किसान आंदोलन की तैयारी को लेकर किसान महापंचायत की बैठक आयोजित हुई। ब्लॉक अध्यक्ष दशरथसिंह चौहान ने बताया कि किसान महापंचायत द्वारा चलाया जा रहा किसान महापंचायत गांव ढाणी संग अभियान के अंतर्गत सोमवार को ग्राम पंचायत बहड तेजाजी के स्थान पर बैठक की गई जिसमें किसानों को सुअरो द्वारा फसलों को नुकसान का मुआवजा एवं अन्य मुद्दों पर युवा प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष दशरथसिंह चौहान ने किसानों से चर्चा की। उन्होंने बताया कि अभी तक प्रशासन द्वारा कोई किसानों की समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिसको लेकर शीघ्र ही महापंचायत की आमसभा आयोजित होगी। जिसको सफल बनाने के लि उन्होंने किसानों को अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आ ान किया। बैठक में ब्लॉक कोषाध्यक्ष मोहनलाल चौधरी, शिवराज पलेई, बाबूलाल मीणा, गिर्राज चौधरी, तुलसीराम सैनी, ओमप्रकाश गुर्जर, राजेश कुमार, कल्याण बैरवा, पप्पू सैनी, हंसराज व आलीशान खान सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

स्वयंसेविकाओं को शपथ दिलाई

निवाई, (निसं)। राजकीय कन्या महाविद्यालय पीपलू में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत प्राचार्य प्रो. सौलत अली खान द्वारा स्वयंसेविकाओं को शपथ दिलाई। शपथ में अपने आस पास गली, मोहल्ले, गांव व अपने राष्ट्र को स्वच्छ बनाए रखने में हमेशा तत्पर रहने का प्रण लिया। कार्यक्रम प्रभारी जे पी देवतवाल के निर्देशन में समस्त स्वयंसेविकाओं, महाविद्यालय स्टाफ तथा सभी कर्मचारियों द्वारा महाविद्यालय परिसर में प्लास्टिक एकत्रित कर स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम में प्रोफेसर विकास नौटियाल, डॉ. धर्मेन्द्र वर्मा, प्रभुलाल शर्मा, प्रयोग शाला सहायक रामकेश मीणा सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

रावण व राम जन्म की लीला का मंचन

पावटा, (निसं)। आदर्श रामलीला मैदान पावटा में आदर्श रामलीला मंडल के तत्वाधान में चल रही रामलीला के दूसरे दिन सोमवार की रात रावण जन्म, रामजन्म लीला का मंचन हुआ हुआ। लंका में रावण, कुंभकर्ण और विभीषण का जन्म हुआ और इसके बाद तीनों भाइयों ने घोर तपस्या की। इस पर प्रसन्न होकर ब्रह्मा, विष्णु व महेश ने दर्शन दिए। तीनों भाइयों ने इच्छानुसार वर मांगा। इसके पूर्व प्रभु ने कुंभकर्ण की नियत को समझकर मां सरस्वती को कुंभकर्ण की मति घुमाने को कहा। इसके बाद कुंभकर्ण ने इंद्रासन की जगह निद्रासन मांग ली। इसे सुनकर रावण अत्यन्त दुखी हुआ और प्रभु से कुंभकर्ण द्वारा मांगे गए वरदानों में राहत देने की प्रार्थना की। इस पर छह महीने में एक दिन जागने का प्रभु ने वरदान देकर रावण की विनती को स्वीकार किया। दूसरी तरफ राजा मनु अपनी पत्नि सतरूपा के साथ जंगल में घोर तपस्या की। इस पर भगवान विष्णु प्रकट हुए और त्रेता युग में मनु और सतरूपा के घर जन्म दिने का वर दिया। बताया कि मेरे साथ आदि शक्ति के रूप मे माता लक्ष्मी और शेषावतार लक्ष्मण होंगे अयोध्या में राजा दशरथ के यहां भगवान राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघन जन्म लेते हैं। अयोध्यावासी खुशियां मनाते हैं। जैसे जैसे चारों बालक बडे होते हैं उनकी बाल लीलाएं देखकर अयोध्या के निवासी प्रफुल्लित होते हैं। रामलीला में व्यास पीठ पर विराजमान योगेश शर्मा के मुख से निकली चौपाईया व प्रस्तुति देख भक्त भाव विभोर हो गए।

संक्षिप्त

महबूब पहलवान बने जिलाध्यक्ष

टोंक, (निसं)। प्रान्तीय मुल्मि तैली महापंचायत के प्रदेशाध्यक्ष अब्दुल लतीफ व सरंक्षक अशरफ अली के आदेशों पर महबूब पहलवान पुत्र कमरूद्दीन निवासी गैंदी की चौकी कालीपलटन टोंक को जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

महबूब पहलवान

हेमराज लांगड़ी बने सचिव

निवाई, (निसं)। कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलेट के निर्देशानुसार राजेश पायलट किसान संगठन के अध्यक्ष चौधरी रामकेश दिवाकर ने संगठन कोर कमेटी की सहमति से कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए गांव हरभावता निवासी हेमराज लांगडी को प्रदेश सचिव के पद पर नियुक्त किया है।

हेमराज लांगड़ी

दिव्यराज गुर्जर महामंत्री नियुक्त

सांभरझील, (निसं)। युवा वकील दिव्यराजवीर गुर्जर को भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा में जिला महामंत्री नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर मंडल अध्यक्ष जितेंद्र डांगरा, पूर्व पार्षद विष्णु कुमार सिंघानिया, पार्षद धर्मेंद्र जोपट, पार्षद अनिल कुमार गट्टानी, व्यापार महासंघ अध्यक्ष विनोद गट्टानी, पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र अठावाल, सत्यनारायण गोयल, कार्यकर्ता तरुण कुमार उपाध्याय, शैलेश माथुर, किसान मोर्चा के विनोद मालाकार, पूर्व पार्षद रामलाल माली, पार्षद सुशीला शर्मा, सत्यनारायण स्वामी सहित अनेक ने हर्ष व्यक्त किया है।

दिव्यराज गुर्जर

स्वास्थ्य संरक्षण पर व्याख्यान माला

आमेर, (निसं)। कूकस स्थित जयपुर कॉलेज ऑफ़ एजूकेशन एंड साइंस में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के सहयोग से महिला एवं बालिका स्वास्थ्य संरक्षण विषय पर एक व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान की प्रसूति विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ हेतल दवे ने कॉलेज की शिक्षिकाओं एवं सभी छात्राओं को फीमेल हाइजीन विषय पर व्याख्यान दिया साथ ही मासिक धर्म के दौरान क्या सावधानियां रखी जाएं, खान पान आदि किस प्रकार का हो, इस बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की। कार्यक्रम में छात्राओं के लिए एक विशेष योग सत्र का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में कॉलेज की प्राचार्य डॉ मधुबाला शर्मा ने स्मृति चिन्ह देकर डॉ हेतल एवं उनके सहयोगी चिकित्सकों को सम्मानित किया।

ओड़ समाज की कार्यकारिणी गठित

अलवर, (निसं)। ओड समाज सभा समिति जिला अलवर ओड समाज छात्रावास में हुकुमचंद पूर्व प्रधान की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें जिला अध्यक्ष उदय सिंह ने जिला कार्यकारिणी की निम्न प्रकार से घोषणा की। संरक्षक हुकुमचंद प्रधान, सुंदरलाल, जयपाल गल गट, पाली राम, ठाकुर दास, जवरी लाल जपलोद, बीरबल सरपंच, कश्मीर थानेदार, भोलानाथ, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन मागल इटका, फूलचंद चोमा, देवेंद्र झाडोली, जिला महामंत्री सुरेश चंद गन्दीका, जिला उप महामंत्री सतीश मजोका मुंडिया खेडा, कोषाध्यक्ष रामकुमार गंगवानी कार्यालय मंत्री किशोर खाम्बरा, मीडिया प्रभारी शंकर लाल मांगल, मंगत सिंह उक्त कार्यकारिणी समाज की बैठक में सर्वसम्मति से घोषणा की गई। मंच का संचालन एवं प्रदेश अध्यक्ष निर्मल प्रकाश सूरा ने कार्यकारिणी का माला पहना कर स्वागत सम्मान किया। आगामी जिला कार्यकारिणी की बैठक ०3 अक्टूबर 2024 को ओड छात्रावास बुद्ध विहार अलवर में रखी गई।

मेजर दलपत सिंह शेखावत का बलिदान दिवस मनाया

फुलेरा, (निसं)। कस्बे की सांभर रोड पर स्थित मेजर दलपत सिंह शेखावत सर्किल पर हाईफा हीरो मेजर दलपत सिंह शेखावत का बलिदान दिवस हनुमान सिंह परिहार की अध्यक्षता में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में फुलेरा नगर पालिका की अध्यक्षा संगीता अग्रवाल रही तो वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपाध्यक्ष योगेश सैनी, नेता प्रतिपक्ष संजय पारीक, पार्षद प्रमोद मीणा, गिरधारी सिंह शेखावत रहें। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों ने मेजर दलपत सिंह शेखावत के छायाचित्र के समक्ष माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। तत्पश्चात कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि संगीता अठावान ने कहा कि पालिका मण्डल रावणा राजपूत समाज के साथ हमेशा कन्धे से कन्धा मिलाकर तैयार है। कार्यक्रम में समाज के बच्चों ने विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए और समाज की गौरवशाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन गोविन्द सिंह बडगुर्जर के द्वारा किया गया। इस अवसर पर रमेश पंवार, राजेन्द्र सिंह, वीरेन्द्र दीया, विकास सिंह बडगुर्जर, मानसिंह, मोहन सिंह तंवर, खान सिंह, शैतान सिंह , इन्द्र सिंह, शंकर सिंह, गौरीशंकर, हिम्मत सिंह, रोहित सिंह, भवानी सिंह, योगेन्द्र सिंह, महेश सिंह सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

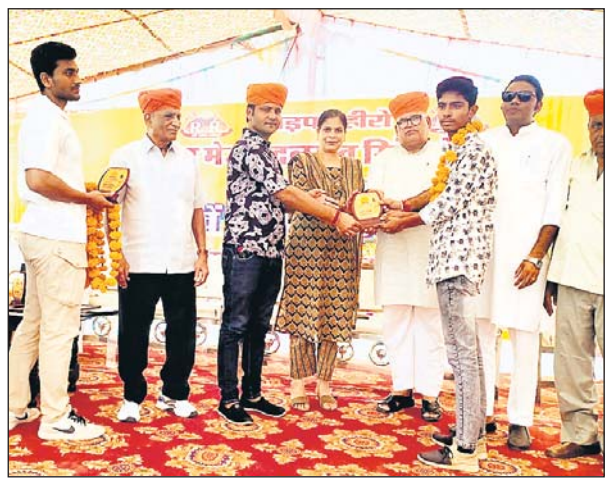
समाज की गौरवशाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया।

विवाद में फंसे दो आरोपी बरी

टोंक, (निसं)। न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट टोंक के द्वारा दिये गये आदेश के अनुसार आरोपी मोहम्मद शरीफ एवं मोहम्मद हनीफ को दिनांक 03.07.2012 को हुए अतिक्रमण को हटाने के दौरान दुकानदारों व नगर परिषद टोंक के अधिकारियों व कर्मचारियों के बीच विवाद में दोनो आरोपियों को थाना कोतवाली टोंक में प्रकरण संख्या 180/2012 के अन्तर्गत धारा 332, 353, 34 गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। जिस पर नगर परिषद के अधिकारियों/कर्मचारियों एवं दोनो आरोपियों के बीच हुए विवाद में दोनो को गिरफ्तार किया गया था। एडवोकेट सलीम नकवी/एड. सआदत नकवी ने पेरवी करते हुए 23 सितम्बर को दोनो आरोपियों को कोर्ट से बरी के आदेश जारी करवायें और बताया कि दोनो आरोपी मोहम्मद शरीफ पुत्र मोहम्मद शेर खां उम्र 62 साल एवं मोहम्मद हनीफ उर्म मोहम्मद अशफाक पुत्र मोहम्मद शरीफ उम्र 32 साल निवासी नई बस्ती सआदतगंज कालीपलटन टोंक को न्यायालय द्वारा अपराध में दोषी ना मानकर दोषमुक्त किया गया।

श्री वीर तेजा नामकरण का साइन बोर्ड लगाने से उपजा विवाद

चाकसू, (निसं)। कस्बे के कोटखावदा रोड कृषि मंडी के आगे गरुडवासी तिराहे पर लोगों के द्वारा श्री वीर तेजा सर्किल नामकरण का साइन बोर्ड लगाने और उसके बाद प्रशासन के द्वारा बिना अनुमति के साइन बोर्ड हटाकर जप्त करने के बाद गुस्साए जाट समाज के लोग प्रदर्शन करने लगे और मौके पर धरने पर बैठ गए जो सोमवार को भी जारी रहा। वही प्रदर्शन स्थल पर समाज के कई जनप्रतिनिधि भी पहुंचे। वहीं मामले में बैरवा समाज के लोगों ने सोमवार को उपखंड कार्यालय में उपखंड अधिकारी शिवचरण शर्मा को ज्ञापन सौंपा है।

ज्ञापन में बताया गया कि चाकसू में तेजाजी महाराज के नाम से सर्किल हो इस बात का हम भी समर्थन करते हैं पर जो भाईयों ने जगह चुनी है वो गलत चुनी है वहां पर हमारे समाज के संत शिरोमणी हरिहरानंद त्यागी महाराज की समाधि स्थल है और वहां हमारे समाज ने उनका भव्य मंदिर व बैरवा-छात्रावास भी बना रखा है, हम उस जगह को उनके नाम पर पहले से ही रजिस्टर करवा रखा है। इसलिए प्रशासन को जगह बदलकर वीर तेजा सर्किल या मूर्ति लगाएं। प्राप्त जानकारी के अनुसार लोगों द्वारा वीर तेजाजी बोर्ड लगाने पर विवाद के हालत हो गए। अचानक इस तरह के बोर्ड से आसपास के लोग अचंभित हो गए। बिना अनुमति के बोर्ड लगाने एवं लोगों के द्वारा सूचना मिलने के बाद पालिका प्रशासन के कर्मचारियों ने बोर्ड को जप्त कर लिया। नगरपालिका की ओर से बोर्ड जब्त करने से बोर्ड लगाने वाले लोगों में आक्रोश फैल गया और देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड जमा हो गयी। इससे नाराज जाट समुदाय के युवक एवं अन्य लोग दरी पट्टी बिछाकर मौके पर धरने पर बैठ गए। देर रात तक मामले का समाधान नहीं निकलने पर नाराज लोग तेजाजी महाराज की जयकारों एवं ढोल मंजीरे के साथ भजन गाकर रात भर जागरण करने के लिए तिराहे पर बैठे रहे। वहीं हालात की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी राजूराम बामणिया जाब्ते के मौके पर मौजूद रहे। वही नगरपालिका की ओर से बोर्ड जब्त करने के बाद युवाओं ने लाल रंग से जगह-जगह वीर तेजाजी सर्किल लिख दिया। पालिका ईओ डॉ. बनवारी लाल मीणा ने बताया कि बोर्ड लगाने की अनुमति नहीं होने पर नगरपालिका ने उसे जब्त कर लिया है। किसी भी सार्वजनिक चौक, चौराहे या सडक का नाम रखने का एक लंबा प्रोसेस है। इस तरह की बिना अनुमति माहौल पैदा करना गलत है। मौके पर किसी तरह के हालात ज्यादा नहीं बिगडे इसके लिये चाकसू थाना प्रभारी राजूराम बामनिया अन्य थानों के मय जाप्ता के साथ शांति व्यवस्था को लेकर तैनात रहे और चारो तरफ विशेष निगरानी किये हुए है। उपखण्ड अधिकारी शिवचरण शर्मा ने मामले को गंभीरता से देखने की बात कही है। वही बोर्ड की खबर चाकसू में जोरो से होने पर अन्य समाज के लोगों की भीड मौके पर जमा है।

- प्रशासन द्वारा बिना अनुमति के साइन बोर्ड हटाकर जब्त करने पर जाट समाज के लोगों ने किया प्रदर्शन

मिनरल वाटर फैक्ट्री के विरोध में एडीएम को दिया ज्ञापन

अलवर, (निसं)। उमरैण पंचायत समिति अर्न्तगत पडने वाली माचडी ग्राम पंचायत के अलापुर गांव के दर्जनों ग्रामीण ने गांव में लगाई जा रही मिनरल वाटर फैक्ट्री के विरोध में गांव के जसवंत सिंह यादव के नेतृत्व में एडीएम प्रथम संजू शर्मा से मुलाकात की और उन्हें ज्ञापन दिया। एडीएम प्रथम ने उनकी मांग पर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

ग्रामीणों द्वारा दिए ज्ञापन में करीब ढेड सौ ग्रामीणों के हस्ताक्षर है। ग्रामीणों ने ज्ञापन में मांग की है कि अलापुर डार्क जोन में आता है और यहां गाजियाबाद की एक फर्म ने कृषि कार्य के नाम पर जमीन ली और अब उस पर मिनरल वाटर की फैक्ट्री लगाने जा रहा है जिससे अलापुर ही क्या उसके आस-पास के क्षेत्रों में भी पानी सूख जाएगा और ग्रामीणों का पलायन करने के लिए मजबूर होना पडेगा इसलिए ग्रामीणों ने जिला प्रषासन से मांग की है कि उक्त फैक्टी को तुरंत प्रभाव से हटवाया जाए एवं इस फैक्ट्री को लगवाने में जिन अधिकारियों व नेताओं की संदिग्ध भूमिका रही है उनकी जांच की जाए ताकि आगे से कोई भी अधिकारी अकेले और गलत निर्णय नही ले पाए। एडीएम ने ग्रामीणों की मांग को गंभीरता से सुना और उन्हें आष्वासन दिया की उनकी मांग पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

छात्राओं को टेबलेट वितरीत

टोंक, (निसं)। देवनारायण राजकीय बालिका आवासीय युसुफपुरा में 10 छात्राओं को टेबलेट वितरीत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी स्टॉफ व प्रधानाचार्य ने हर्ष व्यक्त किया। टेबलेट प्राप्त करनी वाली छात्राओं ने स्कुल प्रशासन व सरकार का धन्यवाद व्यक्त किया। इस मौके पर स्कूल प्रशासन के प्रधानाचार्य रमेश मीना तथा अन्य स्टॉफ दीपक शर्मा, दिवाकर, दिनेश मीणा, राजेश गुर्जर मनोज राजवंशी इत्यादि मौजूद रहे।

खेल की भावना से खेलने से संघर्ष सीखने को मिलेगा : सुशीला करनानी

टोंक, (निसं)। 68वीं जिला स्तरीय 17 व 19 वर्षीय छात्रा क्रिकेट प्रतियोगिता 2024 का उद्घाटन स्थानीय सेन्ट जोजफ पब्लिक स्कूल डाईट रोड टोंक पर 23 सितम्बर को प्रात: 10 बजे किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत रूप से सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी सुशीला करनानी का स्वागत सेन्ट जोजफ पब्लिक स्कूल की प्राचार्य हुमा खान ने किया तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही कंचन हिरोनी चेयरमेन सेन्ट जोजफ पब्लिक स्कूल ने आये हुए अतिथियों एवं टीमो का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सुशीला करनानी ने कहां कि आज महिलाऐं किसी भी क्षेत्र में कमजोर नहीं है। वह आये दिन स्वर्ण पद जीतकर देश का नाम रोशन कर रही है। उन्होने कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाडी के लिए जरूरी है कि वह अपने लक्ष्य को साधकर अनुशासन के साथ मेहनत और परिश्रम से निरंतर प्रयास करते हुए सफलता हासिल करें तथा वह शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहकर अपनी दिनचर्या अनुशासन के साथ निर्धारित करें। प्रतियोगिता में खेल भावना के अनुरूप हार जीत को प्रतिस्पर्धा के रूप में खिलाडी को जीवन का संघर्ष सीखने को मिलेगा तथा जीत की खुशी और हार के गम को बर्दाश्त करने की क्षमता ही उसकी जीवन में संघर्षो से मुकाबला करने के क़ाबिल बनाएगी।

मुख्य अतिथि मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी सुशीला करनानी का स्वागत सेन्ट जोजफ पब्लिक स्कूल की प्राचार्य हुमा खान ने किया।

संस्था निदेशक गोर्वधन हिरोनी ने इस अवसर पर प्रतियोगिता की जानकारी देते हुए आयी टीमो का हार्दिक अभिनन्दन किया तथा सम्बोधित करते हुए कहा कि आज का खिलाडी हमारे समाज राज्य और देश का भावी कर्णधार है, विकसित राजस्थान के लिए बेहतरीन खिलाडियों का होना राज्य व केंद्र सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने शारीरिक शिक्षकों और खेल के कोचों से आग्रह किया कि वह अपने दायित्व को ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ निभाए।

- छात्रा क्रिक्रेट प्रतियोगिता का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ने खिलाडियों को खेल भावना की शपथ दिलाई तथा अन्त में प्राचार्य हुमा खान द्वारा कार्यक्रम में पधारे अतिथियों एवं गणमान्य नागरिकों अभिभावकों का शिक्षा विभाग के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। स्कूल के खेल प्रभारी अरशद रजा ने बताया कि 23 सितम्बर को छात्रा क्रिक्रेट प्रतियोगिता 19 वर्षीय में राजकीय विद्यालय लावा के साथ देवनारायण युसुफपुरा के मैच में देवनारायण विद्यालय विजय रही वही द्वितीय पारी में बनस्थली विद्यापीठ व राजकीय विद्यालय लवादर के मैच में वनस्थली विद्यापीठ विजय रही।

विकास सागवान होगें टोंक एसपी

टोंक, (निसं)। राज्य सरकार द्वारा आईपीएस अधिकारियों के किए तबादलों में 15 जिलों के पुलिस

अधीक्षक बदले। जिसमे टोंक पुलिस अधीक्षक संजीव नैन को पुलिस अधीक्षक अलवर लगाया गया। वही पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान को हनुमानगढ से टोंक पुलिस अधीक्षक के पद पर लगाया गया। राज्यपाल के आदेशों सें जारी आईपीएस अधिकारियों की सूची में टोंक पुलिस कप्तान की कमान आईपीएस विकास सागवान संभालेंगे उनका ट्रांसफर हनुमानगढ सें टोंक किया गया है। वही टोंक एसपी संजीव नैन कों अलवर की जिम्मेदारी दी गई है। हनुमानगढ सें पहले विकास सागवान जैसलमेर एसपी,एसओजी जयपुर एसपी, एएसपी अजमेर, एसपी अलवर के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके है।

यह कहना बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है कि ऋषभ पंत 34 टेस्ट मैच खेलकर भारत के सबसे महान विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं। समय लीजिए, जल्दबाजी में निष्कर्ष पर नहीं पहुंचना चाहिए। **- दिनेश कार्तिक**

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, ऋषभ पंत के बारे में कहा।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मोहम्मद रफीक

1980 में शतरंज ओलिंपियाड में सिल्वर मेडल जीतकर मोहम्मद रफीक ने पूरी दुनिया में अपना और अपने देश का नाम रौशन किया। उस दौरान माल्टा में हुए टूर्नामेंट में भारत के लिए मेडल जीतने वाले खिलाड़ी बने थे। रफीक ने 13 में से कुल 9 मुकाबले अपने नाम किए थे जबकि 2 मैच ड्रॉ रहे थे। हालांकि, वो कभी भी अपने करियर में कभी ग्रैंडमास्टर नहीं बन सके।1976 में, रफीक भारतीय शतरंज में चर्चा का विषय बन गए थे, क्योंकि उन्होंने नेशनल बी के लिए चैंपियनशिप जीती थी। उस टूर्नामेंट में खान ने 11 गेम जीते थे।

क्या आप जानते हैं ?... द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान फीफा के इतालवी उपाध्यक्ष डॉ. ओटारियानो बैरासी ने विश्व कप ट्रॉफी को अपने पलंग के नीचे एक जूते के डिब्बे में छुपाए रखा।

भारत की अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को नौ विकेट से हराया

ऑस्ट्रेलिया को 176 रनों पर ढेर किया, साहिल पारेख ने जड़ा नाबाद शतक

पुडुचेरी, 23 सितंबर। साहिल पारेख (नाबाद 109) और अभिज्ञान कुंडू (नाबाद 53) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत की अंडर-19 क्रिकेट टीम ने सोमवार को नौ विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं। आज यहां 177 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की अंडर-19 टीम शुरुआत अच्छी नहीं रही। तीसरे ओवर में हैरी होकेस्ट्रा ने रुद्ध पटेल को (10) पर रोनाल्डो के हाथों कैच आउट करा दिया। इसके बाद साहिल पारेख और अभिज्ञान कुंडू ने भारतीय पारी को संभालते हुए ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 22 ओवर में एक विकेट पर 177 रन बनाकर नौ विकेट से मुकाबला जीत लिया। साहिल ने 75 गेंदों में 14 चौके और पांच छक्के लगाते हुए (नाबाद 109) रनों की शतकीय पारी खेली। वहीं अभिज्ञान कुंडू ने 50 गेंदों में नौ चौके लगाते हुए (नाबाद 50) रन बनाये। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों की श्रृंखला 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से हैरी होकेस्ट्रा को एक विकेट मिला। इससे पहले गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने एकदिवसीय मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 176 रन पर ढ़ेर कर दिया हैं। ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया । बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और मोहम्मद एनान ने सलामी बल्लेबाज एलेक्स ली यंग (19) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। दूसरे ओपनर रिले किंग्सेल (15) को मोहम्मद अमान ने रनआउट किया। इसके बाद भारतीय गेंदबाद के आगे ऑस्ट्रेलिया का कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक टिक नहीं सका और उसके लगातार विकेट गिरते रहे। ओलीवर पीके (15), जैक कर्टेन (17) रन बनाकर आउट हुये।

एडिसन शेरिफ ने टीम के लिये सर्वाधिक (39) रनों की पारी खेली। क्रिश्चिन होवे (28), लिंकन हॉब्स (16), हेडन शिलर (2), विश्व रामकुमार (6) और हैरी होकेस्ट्रा (9) रन बनाकर आउट हुये। भारतीय गेंदबाजों के कहर के आगे ऑस्ट्रेलिया की टीम 49.3 ओवर में 176 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम को जीत के लिये 177 रन बनाने है। भारत की ओर से समर्थ नागराज, मोहम्मद एनान और किरण चोरमाले ने दो-दो विकेट लिये। युद्धजीत गुहा और हार्दिक राज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

ओलिंपिक-पैरालिंपिक में हिस्सा लेने वाले 17 खिलाड़ी सम्मानित

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी ने पेरिस ओलिंपिक और पैरालिंपिक में हिस्सा लेने वाले 17 खिलाड़ियों का सम्मान किया। इनमें 15 ओलिंपियन और 2 पैरालिंपियन शामिल रहे। ओलिंपिक मेडलिस्ट हॉकी टीम के मेंबर अमित रोहिदास और प्रवीण कुमार को स्पेशल अवॉर्ड दिए गए। अमित ब्रॉन्ज जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा रहे, जबकि पैरा-शॉटपुटर प्रवीण कुमार ने गोल्ड मेडल जीता। हर खिलाड़ी को 7 लाख रुपए की इनामी राशि दी गई। समारोह में ओडिशा की रनर दुती चंद, अनुराधा बिस्वाल शामिल रहीं। यूनिवर्सिटी के फाउंडर डॉ. अच्युत सामंत ने बताया कि संस्थान से कुल 20 ओलिंपियन और 2 पैरालिंपियन निकले हैं। इनमें से 7 खिलाड़ी अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किए जा चुके हैं।

इनका हुआ सम्मान

अमित रोहिदास (हॉकी), किशोर कुमार जेना (जेवलिन थ्रो), अन्नू रानी (जेवलिन थ्रो), तजिंदरपाल सिंह तूर (शॉटपुट), पारुल चौधरी (5000 मीटर स्टीपलचेज), ज्योति याराजी (100 मीटर बाधा दौड़), प्रियंका (20 किमी रेस वॉक), प्राची और एमआर पूवम्मा (4400 मीटर रिले), परमजीत सिंह बिष्ट, अक्षदीप सिंह और विकास सिंह (20 किमी रेस वॉक), अंकिता (5000 मीटर दौड़), रामपाल और प्रवीण कुमार (हाई जंप में पैरा-एथलीट)।

भारत ने ओलिंपिक में 6 और पैरालिंपिक में 29 मेडल जीते भारतीय खिलाड़ियों ने पेरिस में आयोजित ओलिंपिक गेम्स में एक सिल्वर सहित 6 मेडल जीते हैं।

ईरानी कप में मुबंई के कप्तान होंगे रहाणे

श्रेयस और शार्दूल भी टीम में शामिल, एक अक्टूबर को लखनऊ में मुकाबला

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। ईरानी कप के लिए मुंबई ने अनुभवी अंजिक्य रहाणे को कप्तानी सौंप दी है। टीम में श्रेयस अय्यर और शार्दूल ठाकुर भी शामिल रहेंगे। श्रेयस ने दलीप ट्रॉफी में हिस्सा लिया था, वहीं शार्दूल इंजरी के बाद वापसी कर रहे हैं। जबकि रहाणे पिछले दिनों इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेल रहे थे। ईरानी कप में 2023 की रणजी ट्रॉफी चैंपियन मुंबई का सामना रेस्ट ऑफ इंडिया से होगा।

मुकाबला लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 1 से 5 अक्टूबर तक खेला जाएगा। भारत के ऑलराउंडर शार्दूल ठाकुर ने इसी साल जून में एंकल इंजरी की सर्जरी कराई। सर्जरी के बाद वह 3 महीने तक क्रिकेट से दूर रहे। फिर सितंबर में ही कर्नाटक के टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने बताया कि वह ईरानी कप के लिए अवेलेबल रहेंगे। ईरानी कप के लिए पूरे स्क्वॉड की घोषणा मंगलवार तक हो सकती है। 2015-16 तक मुंबई ने रणजी ट्रॉफी के 41 खिताब अपने नाम किए थे। टीम फिर अगले 6 टूर्नामेंट में ट्रॉफी नहीं जीत सकी।

2016 और 2021 में टीम फाइनल में पहुंची थीं, लेकिन सौराष्ट्र और मध्य प्रदेश से हार गई। पिछले साल फिर अजिंक्य रहाणे टीम इंडिया से बाहर हुए। जिसके बाद मुंबई ने उन्हें अपनी रणजी टीम का कप्तान बना दिया। टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल में विदर्भ को हराकर 42वीं बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीत लिया। टीम की खिताबी जीत 6 साल बाद आई।

सिंधु को नए कोच की तलाश

एशियन गेम्स 2026 है अगला लक्ष्य

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। भारतीय स्टार शटलर पीवी सिंधु पेरिस ओलिंपिक में भले ही मेडल नहीं जीत पाई हों लेकिन उनका अगल लक्ष्य तय हो चुका है। दरअसल, सिंधु ने 2016 के रियो ओलिंपिक में सिल्वर और 2021 के टोक्यो ओलिंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। पेरिस ओलिंपिक में पहली बार ऐसा हुआ जब पीवी सिंधु बिना मेडल के देश लौटीं। उनका सफर क्वार्टर फाइनल में ही खत्म हो गया। वहीं अब सिंधु को अपने नए कोच की तलाश है। 29 वर्षीय सिंधु लॉस एंजेलिस ओलिंपिक तक 33 की हो जाएंगे। बैडमिंटन जैसे खेल में 33 की उम्र में ओलिंपिक मेडल जीतना आसान नहीं होता। सिंधु का अगल ओलिंपिक खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर करता है। हालांकि, उनका अगला लक्ष्य एशियन गेम्स 2026 है। वह इसके लिए नया कोच तलाश रही हैं और उन्होंने बेंगलुरु छोड़ हैदराबादा लौटने का फैसला भी किया है। फिलहाल, पीवी सिंधु के पिता पीवी रमन ने इंडिया एक्स्प्रेस को बताया कि उनकी बेटी अब कुछ समय तक अनूप श्रीधर के साथ ट्रेनिंग करेंगी। साथ ही उन्होंने बताया कि, सिंधु ट्रेनिंग के लिए हैदराबाद के गाचीबावली स्टेडियम लौट आई हैं। अभी कोई कैंप नहीं चल रहे हैं इसलिए हैदराबाद में ट्रेनिंग शुरू कर दी है। वह सीजन के शुरुआत अर्कटिक ओपन से करेगी।

सीडीसी ने एलेक्स हेपबर्न को 10 साल के लिए लगाया प्रतिबंध

लंदन, 23 सितंबर। स्वतंत्र क्रिकेट अनुशासन आयोग (सीडीसी) ने वॉर्सेस्टरशायर के पूर्व ऑलराउडर एलेक्स हेपबर्न को बलात्कार के लिए जेल की सजा काटने के तीन साल बाद 10 साल के लिए इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की किसी भी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने पर 10 साल के लिए प्रतिबंध लगाया है। सीडीसी की ओर से सोमवार को जारी बयान के अनुसार हेपबर्न को 2019 में हेपबर्न के आपराधिक मामले और पेशेवर क्रिकेटर के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान एक आपत्तिजनक व्हाट्सएप ग्रुप में शामिल होने के बाद उनका यह निलंबन किया गया है। 16सितंबर को सुनाये गये फैसले में हेपबर्न को एक महिला से बलात्कार का दोषी पाया। क्रिकेट नियामक ने बयान में कहा, हेपबर्न आरोप पत्र और संबंधित संचार का जवाब देने में विफल रहे।

पूरन ने 20 क्रिकेट में बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। टी20 क्रिकेट को हमेशा से ही बल्लेबाजों का खेल माना जाता है। यहां पर जब बैट्समैन गेंद को बाउंड्री के पार भेजता है, तो वह फैंस बहुत ही खुश होते हैं। क्रिकेट में रिकॉर्ड्स हमेशा से ही टूटने के लिए बनते हैं। लेकिन अब वेस्टइंडीज के स्टार बल्लेबाज निकोलस पूरन ने एक ऐसा महारिकॉर्ड बनाया है, जिसका टूटना मुश्किल लग रहा है। उन्होंने ट्रिनबागो नाइट राइडर्स की तरफ से खेलते हुए सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स की टीम के खिलाफ 43 गेंदों पर 93 रनों की धमाकेदार पारी खेली। इस पारी के दौरान उन्होंने 6 चौके और 7 छक्के लगाए। उनकी वजह से ही ट्रिनबागो नाइट राइडर्स की टीम मुकाबला जीतने में सफल रही है। खास बात ये रही कि वह अंत तक आउट नहीं हुए। निकोलस पूरन ने मैच में 7 छक्के जड़ते ही साल 2024 में टी20 क्रिकेट में अपने 150 छक्के पूरे कर लिए हैं। वह टी20 क्रिकेट के एक कैलेंडर ईयर में 150 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने हैं। उनसे पहले ऐसा कोई भी नहीं कर पाया था। क्रिस गेल ने साल 2015 में टी20 क्रिकेट में 135 छक्के लगाए थे।

टीम यूरोप ने 5वीं बार जीता लेवर कप

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। स्पेन के टेनिस कार्लोस अल्काराज के दमदार प्रदर्शन से टीम यूरोप ने लेवर कप जीत लिया है। यूरोप ने टीम वर्ल्ड को 13-11 से हराया। 21 साल के अल्काराज ने रविवार रात आखिरी मैच में टेलर फ्रिट्ज को 6-2, 7-5 से मात दी।

टीम यूरोप ने 5वीं बार लेवर कप जीता है। इससे पहले टीम यूरोप 3 साल पहले 2021 में चैंपियन बनी थी। जीत के बाद अल्कारेज ने कप्तान ब्योर्न बोर्ग को गले लगाकर कहा- हमने यह आपके लिए किया है। कप्तान बोर्ग ने अपने कॉम्पटीटर, दोस्त और टीम वर्ल्ड के कप्तान जॉन मैकेनरो पर 5-2 के रिकॉर्ड के साथ अपना कार्यकाल समाप्त किया। टूर्नामेंट के तीसरे और आखिरी दिन टीम यूरोप 4-8 से पिछड़ रही थी। ऐसे में अल्कारेज और रूड की जोड़ी ने दिन के पहले डबल्स मैच में बेन शेल्टन और फ्रांसिस टियाफो पर 6-2, 7-6 की जीत दर्ज की।

श्रीलंका ने पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड को 68 रनों से हराया

प्रबथ जयसूर्या ने 68 रन देकर पांच विकेट लिये

गाले, 23 सितंबर। प्रबथ जयसूर्या की शानदार गेंदबाजी की बदौलत श्रीलंका ने सोमवार को पहले टेस्ट मैच के पांचवें दिन न्यूजीलैंड को 68 रनों से हरा दिया है।

आज यहां मैच के पांचवें दिन न्यूजीलैंड की टीम कल के स्कोर आठ विकेट पर 207 रन से आगे खेलना शुरु किया। अभी टीम के स्कोर में दो रन ही जुड़े थे कि प्रबथ ने शतक की ओर बढ़ रहे रचिन रविंद्र (92)को पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके दो रन बाद विलियम ओरूर्क (शून्य) को बोल्ड कर प्रबथ ने न्यूजीलैंड की पारी को 211 के स्कोर पर समेट कर मुकाबला 68 रनों से जीत लिया। मैच में नौ विकेट लेने वाले श्रीलंकाई स्पिनर प्रबथ जयसूर्या को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। इससे पहले 275 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। और उसने छह रन के स्कोर पर डेवन कॉन्वे (चार) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद प्रबथ ने केन विलियमसन (30) को के. मेंडिस के हाथों स्टंप आउट करा दिया। टॉम लेथम (28) को धनंजय ने पगबाधा किया। टॉम ब्लंडल (30) को प्रबथ ने बोल्ड आउट किया। रचिन रवींद्र ने न्यूजीलैंड के लिए सबसे अधिक 92 रन बनाए। न्यूजीलैंड के सात खिलाड़ी दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। श्रीलंका के लिए प्रबथ जयसूर्या ने 68 रन देकर पांच विकेट लिये। रमेश मेंडिस को तीन विकेट मिले। धनंजय डी सिल्वा और असिथा फर्नांडो को 1-1 बल्लेबाज को आउट किया। श्रीलंका ने दूसरी पारी में दिमुत करुणारत्ने (86), दिनेश चांदीमल (61) और एंजलो मैथ्यूज (50) रनों की अर्धशतकीय पारियों के दम पर 309 का स्कोर खड़ा किया था।

जसप्रीत बुमराह सभी फॉर्मेट में सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज हैं: स्टीव स्मिथ

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। इन दिनों टीम इंडिया के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह वर्ल्ड क्रिकेट को लगातार प्रभावित कर रहे हैं। खेल का कोई भी फॉर्मेट हो बुमराह वहां अपनी छाप छोड़ते दिख रहे हैं। वह वनडे वर्ल्ड कप में भी धमाल मचा रहे थे और हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप विजेता टीम में भी अहम भूमिका निभाकर आए और अब टेस्ट क्रिकेट में भी लगातार विरोधी बल्लेबाजों के लिए खौफ बने हुए हैं। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने भी उन्हें ऑल फॉर्मेट बेस्ट फास्ट बॉलर करार दिया है।

बता दें इस साल नवंबर में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी, जहां दोनों टीमों को बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। इस दौरान बुमराह ही भारतीय पेस अटैक की अगुआई करेंगे। स्मिथ ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख बल्लेबाज हैं और वह टीम के सबसे सीनियर खिलाड़ी भी हैं, जिन्हें कंगारू टीम के लिए उपयोगी पारियां खेलनी होंगी। इस बीच स्मिथ बुमराह की फॉर्म देखकर उनसे प्रभावित भी हैं और अपने खेल को लेकर चिंतित भी होंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैच की सीरीज 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया में पिछली दो सीरीज जीती हैं। अगर भारत को लगातार तीसरी टेस्ट सीरीज जीतनी है तो ऑस्ट्रेलिया में बुमराह के असाधारण कौशल पर काफी कुछ निर्भर करेगा।

स्मिथ ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, 'वह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं, चाहे मैं नई गेंद से, थोड़ी पुरानी गेंद से या पुरानी गेंद से उनका सामना करूं। उनके पास सभी तरह का शानदार कौशल है। वह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं, तीनों प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज हैं।' पैंतीस वर्षीय स्मिथ पिछली कुछ सीरीज से ऑस्ट्रेलिया के लिए पारी का आगाज कर रहे हैं और उनके भारत के खिलाफ भी ऐसा ही करने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया के लिए 109 टेस्ट खेल चुके स्मिथ के इस बहुप्रतीक्षित सीरीज के दौरान 10 हजार टेस्ट रन का आंकड़ा पार करने की उम्मीद है। उन्होंने अब तक 9685 रन बनाए हैं।

विमेंस टी-20 वर्ल्डकप का थीम सॉन्ग लॉन्च

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। 3 अक्टूबर से यूएई में शुरू हो रहे विमेंस वर्ल्ड कप से पहले आईसीसी ने ऑफिशियल इवेंट सॉन्ग '"व्हाटएवर इट टेक्स' रिलीज कर दिया है।

यूट्यूब चैनल में रिलीज हुए इस सॉन्ग में साउंड-ट्रैक के साथ ऑफिशियल म्यूजिक वीडियो भी लॉन्च किया गया है, जिसमें टूर्नामेंट का सिनेमैटिक प्रीव्यू दिखाया गया है।

इसमें विमेंस क्रिकेट के आईकॉनिक पलों की हाइलाइट्स है। सोमवार को प्रेस रिलीज जारी करके आईसीसी के जनरल मैनेजर (मार्केटिंग और कम्यूनिकेशन) क्लेयर फरलोंग ने कहा, विमेंस 20 वर्ल्ड कप 2024 वर्ल्ड-क्लास प्लेयर्स के लिए निखरने का सबसे अच्छा स्टेज है।

विमेंस क्रिकेट ग्लोबल स्टेज पर मजबूती से स्थापित है, और हमारा लक्ष्य ऑफिशियल इवेंट सॉन्ग के लॉन्च के साथ इसकी मान्यता को और बढ़ाना है। ये सॉन्ग आने विमेंस क्रिकेट की आने वाली जनरेशन को इंस्पायर करेगा।

महिला ताइक्वांडो में उप्र के खिलाड़ियो को मिली स्वर्णिम सफलता

लखनऊ, 23 सितंबर। बड़ोदरा (गुजरात) में 19 से 22 सितंबर तक खेली गयी द्वितीय खेलो इंडिया महिला ताइक्वांडो लीग के पहले चरण में उत्तर प्रदेश की अन्वेषा जैन, अंशिका मौर्या, श्रेया शर्मा व तुषिका वर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्णिम सफलता हासिल की।

इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट में चार स्वर्ण, तीन रजत व तीन कांस्य सहित कुल 10 पदक जीते। उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव राजकुमार ने बताया कि लखनऊ की अन्वेषा जैन ने बालिका कैडेट अंडर-59 किग्रा में, अंशिका मौर्या ने बालिका कैडेट 59 किग्रा से अधिक वर्ग में, श्रेया शर्मा ने बालिका जूनियर 68 किग्रा से अधिक वर्ग में और देवरिया की तूषिका वर्मा ने बालिका जूनियर अंडर-52 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीते।

एडिन मार्करम ने बचाई साउथ अफ्रीका की लाज

अफगानिस्तान के खिलाफ क्लीन स्वीप रोका

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज हार चुकी साउथ अफ्रीका की टीम खुद को क्लीन स्वीप से बचा लिया। पहले 2 मैच हार चुकी साउथ अफ्रीका के लिए इस बार उसके गेंदबाजों ने अफगानिस्तान के बल्लेबाजों खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। इस मैच में अफगानिस्तान 169 रन बनाकर ढेर हो गई और साउथ अफ्रीका ने 170 रनों का लक्ष्य 33 ओवरों में 7 विकेट से अपने नाम कर लिया। अफगान टीम की ओर से एक छोर पर रहमानुल्लाह गुरबाज (89) खड़े हुए थे लेकिन सामने वाले छोर से उन्हें किसी भी बल्लेबाज का साथ नहीं मिला. गुरबाज के अलावा सिर्फ 2 और बल्लेबाज कप्तान शाहिदी (10) और अल्लाह गजानफर (31) ही दहाई का आंकड़ा छू पाए।

शारजाह क्रिकेट मैदान पर खेले गए इस तीसरे और आखिरी वनडे में अफगान टीन ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया था। लेकिन इस बार वह 200 का आंकड़ा भी नहीं छू पाई, जबकि दूसरे वनडे में उसने यहां 300 का स्कोर खड़ा किया था। अफ्रीकी टीम के लिए लुंगी गिडी (2/22), काबा पीटर (2/22) और एंडिले फेहलुकवायो (2/17) ने अफगानिस्तान को लगातार झटके दिए।

170 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी अफ्रीकी टीम के लिए कप्तान टेंबा बवूमा (22) और टॉनी डे जॉर्जी (26) ने ठोस शुरुआत करने की कोशिश की। हालांकि इस कोशिश में कप्तान बवूमा अल्लाह गजानफर की गेंद पर बोल्ड हो गए। रीजा हैंड्रिक्स ने यहां सधी हुई पारी खेलने की कोशिश की और उन्होंने 31 बॉल पर सिर्फ 1 चौके की मदद से 18 रन ही बनाए। इतनी ही गेंदों पर जॉर्जी ने 2 चौके और 1 छक्के की मदद से 26 रनों का योगदान दिया. दोनों ही बल्लेबाज 80 रनों के कुल योग तक पवेलियन लौट गए।

नैशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस ने कश्मीर में आतंकवाद तथा अलगाववाद को चरम पर पहुंचाया था- भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधानसभा चुनावों के लिये जम्मू-कश्मीर का दौरा किया

कठुआ, 23 सितंबर (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी केवल देश को तोड़ने की बात करते हैं। उन्हें सोचना चाहिए कि देश को तोड़ने का काम तो उनके पूर्वजों ने ही कर दिया है। देश में आपातकाल, घोटाले तथा लूट की राजनीति करने वाली कांग्रेस जनता से केवल झूठे वादे करती है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर हिन्दुस्तान का मुकुट है। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था में अद्वितीय सुधार हुआ है। जम्मू कश्मीर में न केवल आधारभूत ढांचा मजबूत हुआ है, बल्कि यहां के लोगों का जीवन स्तर भी बढ़ा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान सोमवार को "बनी" विधानसभा प्रत्याशी जीवन लाल के समर्थन में कठुआ के दुग्गैन तथा दुग्गन सहित विभिन्न स्थानों पर जनसभाओं को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि धारा 370 का हटना जम्मू-कश्मीर के विकास में मील का पत्थर साबित हुआ है। इस फैसले से न केवल कश्मीर में विकास के द्वार खुले हैं बल्कि पूरा देश भी एकजुट हुआ है।

शर्मा ने कहा कि इस देश में सबसे ज्यादा समय तक राज करने वाली कांग्रेस सरकार ने कभी भी आमजन के हितों की परवाह नहीं की। नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर के युवाओं को बरगलाकर उन्हें आतंकवाद और अलगाववाद की आग में झोंक दिया, और आज वही पार्टियां लोगों के पास वोट मांगने आ रही हैं। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे ऐसी पार्टियों तथा नेताओं से बचकर भाजपा को अपना वोट दें, जिससे घाटी के युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलें।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कठुआ में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने जनता से हाथ उठा कर समर्थन मांगा।

- **मुख्यमंत्री ने कहा, "धारा 370 हटने से जम्मू-कश्मीर में युवाओं को अब रोजगार के पर्याप्त अवसर मिल रहे हैं।"**
- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने "बनी" विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी जीवन लाल के समर्थन में अनेक जनसभाओं का संबोधित किया।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे देश में 4 करोड़ गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान मिला। उनमें से 2.71 लाख से अधिक परिवारों को जम्मू-कश्मीर में यह लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि समग्र विकास कार्यक्रम के तहत, जम्मू-कश्मीर के किसानों के लिए 5 हजार करोड़ रुपए की योजनाएं चलाई जा रही हैं। यहां के केसर, भदरवाह राजमश, रामबन सुलाई शहद और उधमपुर के कलाड़ी कुलचा इत्यादि को जी.आई. टैग मिलने से यहां के किसानों के जीवन में खुशहाली आई है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर की ऊंची-ऊंची पहाड़ियों से इतनी बड़ी संख्या में लोग बड़े उत्साह तथा उमंग के साथ अपना समर्थन देने आए हैं, जो यह दर्शाता है कि क्षेत्र में अधिक से अधिक सीटें भारतीय जनता पार्टी जीतेगी। शर्मा ने भाजपा प्रत्याशी जीवन लाल को अधिक से अधिक मतों से विजयी बनाने की अपील की। इस अवसर पर केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह, भाजपा के स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव आज जयपुर में

जयपुर, 23 सितंबर। केन्द्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव मंगलवार सुबह जयपुर पहुंचेंगे। वे जयपुर में गांधीनगर जयपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य के निरीक्षण के साथ ही "रेल रक्षक" का भी अवलोकन करेंगे और रेलवे स्टेशन पर प्रेस वार्ता को भी संबोधित करेंगे।

उल्लेखनीय है कि गांधीनगर जयपुर रेलवे स्टेशन पर, भारतीय रेलवे द्वारा प्रथम बार 72 गुणा 48 मीटर के एयर कॉनकोर्स हेतु गर्डर लॉन्चिंग की गई है।

- **वैष्णव जयपुर-सवाई माधोपुर के कवच प्रणाली से सुसज्जित रेल्वे ट्रैक का निरीक्षण करेंगे।**

इसके बाद वैष्णव जयपुर-सवाईमाधोपुर रेलखण्ड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण भी करेंगे।

सवाई माधोपुर में रेल मंत्री पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मण्डल के सवाईमाधोपुर-इंद्रगढ़ सुमेरगंज मंडी स्टेशनों के मध्य नवस्थापित "कवच 4.0 प्रणाली" का ट्रायल रन भी करेंगे।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सवाई माधोपुर से सुमेरगंज मंडी तक ट्रेन में सफर कर इस प्रणाली का ट्रायल करेंगे। इस निरीक्षण के बाद वे सुमेरगंज मंडी से दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

उलेखनीय है कि कवच प्रणाली से सुसज्जित यह ट्रैक रेल सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम है, जो ट्रेन संचालन को और अधिक सुरक्षित बनाएगा।

'आर.ए.एस. में ऐसे लोगों को टॉप करवाया, जो पास होने लायक नहीं थे'

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने आर.पी.एस.सी. के पूर्व अध्यक्ष दीपक उप्रेती, शिव सिंह राठौड़ व संयज श्रोत्रिय की सी.बी.आई. से जाँच की मांग उठाई

जयपुर, 23 सितम्बर। आर.ए.एस. भर्ती 2018 और 2021 में धांधली के आरोप के साथ ही, कैबिनेट मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने आर.पी.एस.सी. के तत्कालीन अध्यक्षों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मीणा ने इन अध्यक्षों की भूमिका पर मिलीभगत करने के आरोप के साथ इनकी शिकायत की कॉपी मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव शिखर अग्रवाल को दी है। मीणा ने आर.ए.एस. 2018 और 2021 पेपर लीक को लेकर सबूत भी सौंपे और कहा कि तीन मुख्य पूर्व अध्यक्ष, दीपक उप्रेती, शिव सिंह राठौड़ और संजय श्रोत्रिय इसमें शामिल हैं। उन्होंने इनकी भूमिका की जांच सी.बी.आई. या फिर एस.ओ.जी. से कराने की मांग की

इसके अतिरिक्त 2018 के आर.ए.एस. टॉपर की कॉपी को लेकर मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने तत्कालीन अध्यक्ष दीपक उप्रेती पर संगीन आरोप लगाए। मंत्री मीणा ने कहा कि आर.पी.एस.सी. के तत्कालीन अध्यक्ष दीपक उप्रेती, शिव सिंह राठौड़ और संजय श्रोत्रिय ने ऐसे युवाओं को आर.ए.एस. में टॉप करवाया, जो वास्तव में पास होने के लायक तक नहीं थे, अतः इस मामले की सी.बी.आई. जांच होनी चाहिए।

मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने अपनी शिकायत में कहा कि आर.ए.एस. 2018 की परीक्षा में शिव सिंह राठौड़ की भूमिका संदिग्ध रही है। आरएएस 2018 की मुख्य परीक्षा 28, 29 जनवरी, 2019 को संपन्न हुई थी। उस समय आर.पी.एस.सी. के चेयरमैन दीपक उत्प्रेती थे। आर.पी.एस.सी. चेयरमैन दीपक उत्प्रेती ने आर.ए.एस. 2018 की मुख्य परीक्षा की उत्तर पुस्तिका जांचने के समन्वयक की अहम जिम्मेदारी शिव सिंह राठौड़ को दी। मुख्य परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं को जांचने का काम ऑनलाइन एम.डी.एस. विश्वविद्यालय अजमेर में किया गया, जहां उत्तर पुस्तिकाएं जांचते समय सी.सी.टी.वी. कैमरे सहित जो अन्य मापदंड निर्धारित थे, उन्हें पूरा नहीं किया गया।

- **मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रमुख सचिव शिखर अग्रवाल को, किरोड़ी लाल मीणा ने 2018 तथा 2021 की आर.एस.एस. परीक्षा के पेपर लीक के सबूतों सहित शिकायत की कापी सौंपी।**
- **शिकायत के अनुसार, उप्रेती ने 2018 की मुख्य परीक्षा की उत्तर पुस्तिका जाँच के समन्वयक की जिम्मेदारी शिव सिंह राठौड़ को दी थी। उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच के समय सी.सी.टी.वी. कैमरा सहित अन्य निर्धारित मापदंड लागू नहीं किये गये।**

मीणा ने कहा कि एम.डी.एस. विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति आर.पी. सिंह को आर.ए.एस. की मुख्य परीक्षा की उत्तर पुस्तिका जांचने के समय एम.डी.एस. विश्वविद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाने, शिक्षक भर्ती और अशैक्षिणक पदों पर भर्ती की अनियमितताओं को लेकर 9 सितंबर, 2020 को ए.सी.बी. ने गिरफ्तार किया था। एम.डी.एस. विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति आर.पी. सिंह ने उत्तर पुस्तिकाएं जांचने का कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर शिवदयाल सिंह शेखावत को बनाया था। शिवदयाल सिंह की नियुक्ति भी विवादों में रही है।

मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने बताया कि आर.ए.एस. 2018 के परिणाम के बाद उत्तर पुस्तिकाओं में कई अभ्यर्थियों द्वारा छोड़े गए प्रश्नों के उत्तर बाद में लिखवाए गए। उदाहरण के तौर पर रोल नंबर 804088 आरएएस 2018 की मुख्य परीक्षा के प्रथम प्रश्नपत्र में 30 अंक से अधिक प्रश्नों में / लिखा था। अंकशीट पर उनके अंक शून्य दर्शाए गए, यानी अभ्यर्थी ने परीक्षा के दौरान कुछ प्रश्नों का जवाब ही नहीं लिखा था। जिन्हें जांचने के दौरान परीक्षक ने / लिख दिया।

वहीं, जब अभ्यर्थी अच्छे अंक / रैंक लाने में कामयाब नहीं हुए तो तत्कालीन चैयरमेन शिवसिंह राठौड़ ने आर.ए.एस. 2018 की मुख्य परीक्षा की उत्तर पुस्तिका अपलोड कराने में जानबूझकर कर देरी की। इस बीच कुछ परीक्षार्थियों को उत्तर पुस्तिका मुहैया कराकर उनसे छूटे हुए प्रश्नों के उत्तर लिखवाए गए और फिर उसके बाद उत्तर पुस्तिका को अपलोड कराया गया।

चाइल्ड...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सटीक रूप से दर्शाने के उद्देश्य से 'बाल पोर्नोग्राफ़ी' शब्दावली को 'बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री' शब्दावली से प्रतिस्थापित करने के उद्देश्य से पोक्सो में संशोधन लाने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। पीठ ने यह भी कहा कि इस संशोधन के लिए फिलहाल सरकार अध्यादेश जारी कर सकती है।

भारतीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर पदोन्नत किए गए सभी पाँच अधिकारी इन पदों पर सेवा-विस्तार मिलने के बाद आए हैं। एक प्रकरण ऐसा भी था, जब एक अफसर को उस समय जनरल मैनेजर के पद के लिए पदोन्नति दी गई, जब उसकी सेवानिवृत्ति में कुछ ही दिन शेष थे।

जयपुर हैरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाने पर राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 39(1) के तहत मुनेश गुर्जर को सुनवाई का अवसर देते हुए विभाग ने स्पष्टीकरण नोटिस भी जारी किया था। मुनेश गुर्जर की ओर से स्पष्टीकरण नोटिस का जवाब संतोषप्रद नहीं पाया गया।

निलंबन आदेश में कहा गया है कि प्रकरण के तथ्यों, प्राप्त रिपोर्ट और अभियोजन स्वीकृति के आधार पर, मुनेश गुर्जर की संलिप्तता प्रथम दृष्टया जाहिर होती है। ऐसे में महापौर पद के अनुरूप आचरण और व्यवहार नहीं करने और पद का दुरूपयोग करने के कारण राज्य सरकार ने मुनेश गुर्जर के खिलाफ न्यायिक जांच करवाने का फैसला लिया है। वहीं, मेयर पद पर बने रहने से विचाराधीन न्यायिक जांच को प्रभावित करने की संभावना को देखते हुए, मुनेश गुर्जर को हेरिटेज नगर निगम की महापौर और वार्ड 43 पार्षद पद से निलंबित किया गया है।

ज्ञात रहे कि यह तीसरा मौका है, जब मुनेश गुर्जर को राज्य सरकार ने निलंबित किया है। इससे पहले उन्हें पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने 5 अगस्त 2023 और फिर 26 सितंबर, 2023 को निलंबित किया था। हालांकि दोनों बार मुनेश गुर्जर ने राज्य सरकार के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी, जहां से उनको राहत मिली और वापिस महापौर की कुर्सी पर बैठीं।

देखा जाए तो मुनेश गुर्जर के निलंबन को लेकर यू.डी.एच. मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने भी तीन बार बयान दिए, लेकिन दो बार तो उसका असर ही देखने को नहीं मिला। गत 10 सितम्बर को तो उन्होंने 24 घंटे में खुशखबरी मिलने का बयान दे दिया था, लेकिन हुआ कुछ नहीं। इसके बाद 22 सितम्बर को वे सूरजगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में बोले थे कि "मुनेश की खबर कल मिल जाएगी" और निलंबन हो गया।

वहीं दूसरी ओर, मुनेश गुर्जर के निलंबन के बाद राजनैतिक गलियारों में हलचल मच गई है। अब कार्यवाहक महापौर नियुक्त करने की जद्दोजहद शुरू होगी। इस कार्रवाई को भाजपा सरकार द्वारा शहरी सरकार में बड़े बदलाव की तरफ बढ़ाए गए पहले कदम की तरह देखा जा रहा है।

हैरिटेज नगर निगम जयपुर में अभी निर्दलीयों के सहयोग से कांग्रेस का बोर्ड है। गत 13 माह के कार्यकाल में मुनेश गुर्जर तीसरी बार निलंबित की गई हैं। इस बीच विभाग ने कार्यवाहक महापौर के लिए मंत्री झाबर सिंह खर्रा के पास फाइल भेज दी है।

उधर, कांग्रेस पार्षदों का एक धड़ा फिर से भाजपा के संपर्क में आ गया। सूत्रों के मुताबिक ऐसे 10 पार्षद भाजपा को समर्थन दे सकते हैं। ऐसा हुआ तो कांग्रेस बोर्ड को हटाकर भाजपा बोर्ड बन सकता है। गौरतलब है कि मुनेश गुर्जर ने ए.सी.बी. की चार्जशीट को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। अगली सुनवाई नवम्बर में है।

'एसएमएस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। यह बहुत ही गंभीर बात है कि साधारण आदमी स्टेडियम में जा नहीं सकता, लेकिन सोसायटी के कुछ लोग उसका उपयोग कर रहे हैं।

अदालत ने एडहॉक कमेटी के अधिवक्ता ए.के. जैन से पूछा है कि कमेटी ने किस पत्र के आधार पर एफ.आई.आर. दर्ज कराई। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ताओं की ओर से जवाब का प्रति जवाब देने के लिए समय मांगा गया। अदालत ने मामले की सुनवाई 7 अक्टूबर को तय की है।

तिरुपति का लड्डू अयोध्या का स्थान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लड्डू बनाने में नहीं हुआ था। कुछ सवाल उठ रहे हैं कि जुलाई से लेकर अब तक इस रिपोर्ट के बारे में आंध्र सरकार एवं टी.टी.डी. चुप क्यों थे।

राजनैतिक पर्यवेक्षकों को लगता है लड्डू विवाद, जिसे राजनेताओं का एक वर्ग हवा दे रहा है, के दो लक्ष्य है, एक तो यह कि क्षेत्रीय दल वाय.एस.आर. सी.पी. को धार्मिक भावनाएं उभारकर खत्म कर दिया जाए, क्योंकि आंध्र की जनता तो सबूत के बिना भी इस दावे पर भरोसा करती दिख रही है और दूसरा लक्ष्य मंदिर पर सरकार के नियंत्रण से सम्बंधित है। एक समानान्तर प्रयास मंदिर को सरकार के नियंत्रण से निकाल कर खुद के नियंत्रण में लेने का चल रहा है। लेकिन कुल मिलाकर, लड्डू विवाद ने भाजपा को हिंदुत्व का नया मुद्दा दे दिया हैं क्योंकि राम मंदिर से अब फायदा नहीं मिल रहा है और जिस तरह से आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और जनसेना के प्रमुख, फिल्म स्टार पवन कल्याण अपनी हरकतों से इस मुद्दे को हवा दे रहे हैं, उससे यह बात साफ है। ज्ञातव्य है कि पवन कल्याण ने ही भाजपा-टी.डी.पी. और जनसेना का गठबंधन करवाया था।

उन्होंने 11 दिन का उपवास शुरु कर दिया है, जिसका भारी प्रचार किया जा रहा है और वक्फ बोर्ड की तर्ज पर राष्ट्रीय सनातन धर्म रक्षण बोर्ड की बात की जा रही है, जिससे भाजपा को देश भर में हिंदुओं की भावनाएं उभारने का बड़ा अवसर मिल गया है।

इसका भाजपा को आगामी विधानसभा चुनावों में तो लाभ नहीं मिलेगा, लेकिन आगे चलकर यह विवाद भाजपा व उसके सहयोगियों को देश भर में हिन्दुत्व भावनाएं उभारने में मदद देगा क्योंकि हाल ही में भाजपा का वोटर भाजपा से खिसक कर विपक्ष की ओर झुकता नज़र आया है।

आंध्र प्रदेश में इस विवाद से वह लॉबी सक्रिय हो गई है जो मंदिर को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करवाना चाहती है। भाजपा की भी लम्बे समय से यह मांग रही है क्योंकि दक्षिण भारत में देश के कुछ सर्वाधिक समृद्ध मंदिर हैं।

अब कई हिंदू संगठन, जो मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने के लिए संघर्ष करते रहे हैं, और भाजपा नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी इस लड़ाई में आगे आ गए हैं। सोमवार को स्वामी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मांग की कि तिरुपति लड्डू के निर्माण में जानवरों की चर्बी के कथित इस्तेमाल की जांच सुप्रीम कोर्ट अपनी निगरानी में करवाए। उन्होंने कोर्ट से कहा कि सुप्रीम कोर्ट आंध्र प्रदेश सरकार को मामले का सारा ब्यौरा पेश करने को कहे। स्वामी और आर.एस.एस. तथा विश्वहिन्दू परिषद जैसे संगठन मांग करते रहे हैं कि मंदिरों का संचालन गैर सरकारी संगठनों को दिया जाए, ये संगठन मंदिर प्रशासन बेहतर तरीके से चलाएंगे। संघ ने अपना दांव भाजपा के मार्फत खेला है।

'मेरे पिता कांग्रेस के झंडे में लिपटकर गए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्दर कोई असन्तोष नहीं है लेकिन कुछ अन्दरूनी मुद्दों का समाधान प्रक्रियाधीन है।

इकसठ वर्षीय कांग्रेस नेता सैलजा, जो पार्टी की प्रमुख दलित नेता हैं, ने कहा कि भाजपा नेता उन्हें सलाह देने से बाज आयें।

यह पूछने पर कि वे हरियाणा में प्रचार कब से करेंगी, सैलजा ने कहा : "बहुत जल्दी, मैं वहाँ होऊँगी।"

सैलजा ने कई भाजपा द्वारा किए गए इन दावों को साफ तौर पर खारिज कर दिया कि वे पार्टी बदल सकती हैं। उन्होंने कहा, "कांग्रेस को छोड़ने का सवाल ही नहीं उठता। यह पार्टी मेरे खून में रची-बसी है। मेरे पिताजी अपनी आखिरी साँस तक कांग्रेसी रहे तथा जब उनका निधन हुआ, उनका शव कांग्रेस के झन्डे में लिपटा हुआ था। (एक दिन) सैलजा भी उसी कांग्रेसी झन्डे में लिपटी हुई होगी। मैं कहीं नहीं जा रही हूँ।"

उन्होंने आगे कहा कि भाजपा नेता प्रचार में उनकी अनुपस्थिति का उपयोग कांग्रेस पर हमला करने के कारण के रूप में न करें। उन्होंने कहा, "मेरा राजनैतिक कैरियर बहुत लम्बा रहा है तथा मुझे उन लोगों से कहीं ज्यादा राजनैतिक अनुभव है, जो मेरा नाम ले रहे हैं तथा मेरे द्वारा कांग्रेस छोड़े जाने की अटकलें लगा रहे हैं।"

सैलजा, जिन्होंने कांग्रेस जीतने की स्थिति में, प्रदेश की मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को नहीं छुपाया, ने उकलाना (एस.सी.) विधानसभा सीट से टिकट पाने के लिए जोर लगाया था। लेकिन, चूँकि सैलजा अभी-अभी सिरसा लोकसभा सीट जीती हैं, इसलिए कांग्रेस हाईकमान नहीं चाहती थीं कि वे सिरसा सीट को खाली करें तथा पार्टी ने उनसे पार्टी के उम्मीदवारों का प्रचार करने के लिए कहा था।

12 सितम्बर, जिस दिन कांग्रेस ने पार्टी उम्मीदवारों की अन्तिम सूची जारी की थी, से सैलजा, वास्तव में ही, हरियाणा में कहीं दिखाई या सुनाई नहीं दीं।

सैलजा ने मीडिया को बताया कि कांग्रेस के जीतने की स्थिति में, वे मुख्यमन्त्री पद की प्रबल आकांक्षी थीं। उन्होंने कहा, "यह मेरे लम्बे राजनैतिक कैरियर तथा मेरे समर्थकों की शुभकामनाओं के कारण ही सम्भव हुआ है कि मैं यहाँ तक पहुँची हूँ। समाज के सभी वर्गों का यथेष्ट तथा बराबर प्रतिनिधित्व होना ही चाहिए।"

इससे पूर्व, शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर, उनके द्वारा आरक्षण पर की गई टिप्पणी को लेकर प्रहार किया था तथा जोर देते हुए कहा था कि अगर कोई व्यक्ति कोटा को सुरक्षित रख सकता है, तो वह केवल प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ही हैं।

सत्तारूढ़ भाजपा दलित नेता सैलजा के चुनाव प्रचार से दूर रहने की स्थिति को लेकर कांग्रेस पर निशाना साध रहे हैं।

हाल ही में, केन्द्रीय मन्त्री मनोहर लाल खट्टर ने सैलजा को भाजपा में शामिल होने के लिए आमन्त्रित किया था, क्योंकि ऐसी रिपोर्ट थीं कि वे विधानसभा चुनाव प्रचार से स्वयं को दूर रखे हुए हैं।

आरक्षण पर गांधी की टिप्पणी का जिक्र करते हुए शाह ने कहा, "राहुल गांधी ने अमेरिका में कहा था कि विकास के बाद आरक्षण की कोई जरूरत नहीं है। वे (कांग्रेस) विकास के बाद आरक्षण हटा देंगे।"

शाह ने सभा में उपस्थित जन समूह से पूछा "हमारा हरियाणा पूरी तरह विकसित राज्य है। आप लोग आरक्षण चाहते हैं या नहीं?"

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर हमला बोलते हुए, शाह ने कहा कि राज्य में भाजपा के सत्ता में आने से पहले, सरकारी नौकरियाँ "खर्ची"(रिश्वत) या "पर्ची"(पक्षपात) के बिना नहीं दी जाती थीं।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ही है, जिसने सरकारी नौकरियाँ पारदर्शी तरीके से दी हैं।

'क्या युवा प्रोफैशनल्स में वाकई में "इनर स्ट्रैन्थ" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अर्न्स्ट एण्ड यंग में काम करने वाली युवा प्रोफैशनल ने भी इसी तरह का अति दुष्कर काम चुना और स्पष्टतया बुरी तरह थक गई। उसकी मां ने प्रधानमंत्री को इसके बारे में लिखा था, जिसके बाद पूरा घटनाक्रम सार्वजनिक हुआ।

वित्त मंत्री की सलाह शायद इस नारे से प्रभावित है कि अगले तीन/चार साल में भारत विश्व की तीसरे नम्बर की इकोनॉमी होने जा रही है, अतः युवा पीढ़ी पर, प्रोफैशनल जिम्मेवारियों का प्रेशर तो बढ़ेगा और इस दबाव को भारत सफलता से झेल लेगा, यह छवि विश्व में बनना जरूरी है, विदेशी पूँजी को भारत लगातार आने के लिये प्रेरित करते रहने के लिये।

सीतारमन ने युवा प्रोफेशनल्स पर पड़ रहे काम के भारी दबाव तथा शारीरिक व मानसिक दबाव के प्रति भारी असंवेदनशीलता का परिचय दिया है। उन्होंने तो मैनेजमैंट "गुरु" जैसी भूमिका की भी सिफारिश की है। मैनेजमैंट और मैनपावर डवलपमैंट के आधुनिक विशेषज्ञों की तरह, जिनमें बहुत सारे भारतीय भी हैं- रोज़मर्रा के भारी दबावों को झेलने के लिए योग तथा आध्यात्म के मूल्यों की बात की जा रही है।

सीतारमन ने भी इसी तरह की भूमिका अख्तियार करते हुए कहा कि "जो भी पढ़ाई या नौकरी आप करें, आपके अंदर प्रैशर्स को झेलने की आंतरिक शक्ति होनी चाहिए।" यह उन भाषणों की तरह ही है, जो हम आए दिन आध्यात्मिक गुरुओं के मुँह से सुनते हैं। सीतारमन ने शिक्षा प्रणाली को लेकर भी सलाह दी। उन्होंने कहा, "शैक्षणिक संस्थाओं को विविधता तथा आध्यात्मिकता को शामिल करना चाहिए। तब हमारे बच्चों को आंतरिक शक्ति मिलती है।" दुःखद घटना घटित होने के बाद आध्यात्मिकता की बड़ी-बड़ी बातों को केवल मानसिक विलासिता कह सकते हैं।

उस पीड़िता के लिये यह परोक्ष उपदेश है कि उसने अपनी तथाकथित "आंतरिक शक्ति" क्यों खो दी तथा शारीरिक थकान से हार मान गई। जाहिर है कि युवा पीड़िता के मां-बाप को यह उपदेश बहुत अच्छा नहीं लगेगा।

261 करोड़ वसूली के मामले में बैंक को राहत, जे.डी.ए. की नीलामी पर रोक

राजस्थान हाईकोर्ट ने सम्पत्ति पर यथास्थिति के आदेश दिए और राज्य सरकार से जवाब मांगा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर 23 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक्सिस बैंक को राहत देते हुए आगरा रोड जामडोली के समीप 40 एकड़ की जमीन की लीज़ रद्द करने और पुनः नीलामी करने के जयपुर विकास प्राधिकरण (जे.डी.ए.) के आदेश पर अंतरिम रोक लगाकर यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दिए हैं। साथ ही राज्य सरकार से भी इस प्रकरण में जवाब प्रस्तुत करने के लिए कहा है। इस 40 एकड़ जमीन को राज्य सरकार के आदेश पर जे.डी.ए. ने वर्ष 2006 में मैसर्स नेसा लैज़र लिमिटेड को "कैम्बे गॉल्फ कोर्स" बनाने के लिए आवंटित की थी। परंतु इस कंपनी ने गॉल्फ कोर्स के बजाय पांच सितारा होटल बनाना शुरू कर दिया। कंपनी ने एक्सिस बैंक समेत कई बैंकिंग संस्थाओं से करोड़ों रु. का ऋण लिया था। गौरतलब है कि अकेले एक्सिस बैंक से ही 175 करोड़ रु. का ऋण लिया था, जो आज तक नहीं चुकाया गया, ऐसे में ब्याज समेत यह राशि बढ़कर 261 करोड़ रु. पहुंच गई है। मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव और न्यायाधीश आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश एक्सिस ट्रस्ट्री सर्विसेज और मैसर्स नेसा लैज़र लि. की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। इस प्रकरण में अपीलार्थी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एन.माथुर और उनके सहायक अधिवक्ता आशुतोष भाटिया पैरवी के लिए पेश हुए थे।

इस मामले के तथ्यों के अनुसार, जे.डी.ए. द्वारा राज्य सरकार के निर्देश पर जयपुर-आगरा रोड पर जामडोली में यह 40 एकड़ जमीन मैसर्स नेसा लैज़र को वर्ष 2006 में दी थी। जे.डी.ए. ने इस कैम्बे गोल्फ कोर्स बनाने के लिए इस कंपनी को जमीन लीज़ पर दी थी। शर्तों के अनुसार कंपनी को 3 साल के भीतर कम से कम 60 करोड़ रु. का निवेश करना था और "9-होल" गॉल्फ कोर्स, गॉल्फ अकेडमी, कॉफ्रेंस हॉल, बैंक्वेट हॉल, स्वीमिंग पूल, स्पा, जिम, स्वीमिंग पूल, बिजनेस लॉन्ज समेत कई तरह की सुविधाएं विकसित करेगी। परंतु इस कंपनी ने वर्ष 2008 में केन्द्रीय पर्यटन विभाग से इस जमीन पर पांच सितारा होटल बनाने की परमिशन लेने के लिए आवेदन कर दिया। इस होटल को बनाने के लिए मैसर्स नेसा लैज़र ने एक्सिस बैंक समेत कई बैंकिंग संस्थाओं से करोड़ों रु. का ऋण लिया।

- **गौरतलब है कि जयपुर में आगरा रोड जामडोली में 40 एकड़ जमीन जे.डी.ए. ने मैसर्स नेसा लैज़र लिमिटेड को वर्ष 2006 में "गॉल्फ कोर्स" बनाने के लिए आवंटित की थी। परंतु इस कंपनी ने पांच सितारा होटल बनाना शुरू कर दिया।**
- **कंपनी ने एक्सिस बैंक समेत कई बैंकिंग संस्थाओं से करोड़ों रु. का ऋण लिया था। अकेले अपीलार्थी एक्सिस बैंक से ही 175 करोड़ रु. का ऋण लिया था, जो आज तक नहीं चुकाया गया, ऐसे में ब्याज समेत यह राशि बढ़कर 261 करोड़ रु. पहुंच गई है।**
- **जयपुर विकास प्राधिकरण ने आवंटन शर्तों की अवहेलना पर वर्ष 2017 में यह लीज़ रद्द कर दी थी, जिसे राजस्थान हाईकोर्ट में एक्सिस बैंक और मैसर्स नेसा लैज़र ने चुनौती दी।**
- **सुनवाई के दौरान अपीलार्थी बैंक की ओर से अदालत में कहा गया कि "सारफेसी एक्ट के तहत बैंक का ऋण वसूली अधिकार, जे.डी.ए. के अधिकार से ऊपर है।"**
- **अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि "जे.डी.ए. एक्ट की धारा 54डी के तहत प्राधिकरण स्वतः लीज़ रद्द नहीं कर सकता, यह अधिकार सिविल कोर्ट का है।"**

इस प्रकरण में जयपुर विकास प्राधिकरण के अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि, जे.डी.ए. ने इस जमीन पर गॉल्फ कोर्स के बजाय होटल का निर्माण होने पर कंपनी को नोटिस दिया। कम्पनी के जवाब से संतुष्ट नहीं होने पर वर्ष 2017 में जे.डी.ए. प्रशासन ने इस जमीन की लीज़ रद्द कर दी थी। लीज़ रद्द करने के आदेश को कंपनी ने पहले जे.डी.ए. ट्रिब्यूनल में चुनौती दी थी, लेकिन वहां से कोई राहत नहीं मिली।

इसके बाद राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ में भी अपील की, लेकिन वहां भी कंपनी के पक्ष में कोई निर्णय नहीं हुआ। ऐसे में अब यह मामला राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ के समक्ष पहुंचा है।

इस मामले में अपीलार्थी के वकील का कहना है कि सारफेसी एक्ट के तहत बैंक एक "सिक्योर्ड क्रेडिटर" (सुरक्षित लेनदार) है और इस वजह से बैंक को अपनी ऋण वसूली का हक जे.डी.ए. से पहले है।

उन्होंने अदालत को यह भी बताया कि, जे.डी.ए. एक्ट की धारा 54डी में जयपुर विकास प्राधिकरण के पास विस्तृत अधिकार हैं, जिसके तहत वह लीज़ रद्द करने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटा सकती है। उल्लेखनीय है कि जे.डी.ए. किसी भी संपत्ति की लीज़ रद्द करने के लिए इस धारा में वर्णित कारणों को उद्धृत करते हुए लीज़ रद्द के लिए मुकदमा दायर कर सकती है।

अदालत ने जे.डी.ए. के अधिवक्ता से पूछा कि, क्या विकास प्राधिकरण ने लीज़ रद्द करने की कार्रवाई धारा 54डी के तहत की थी। इस पर अधिवक्ता ने नकारात्मक जवाब देते हुए कहा कि आवंटन शर्तों की अवहेलना पर जे.डी.ए. ने स्वतः लीज़ रद्द करने कार्रवाई की थी। अदालत ने इस पर कहा कि धारा 54डी के तहत लीज़ रद्द करने की कार्रवाई अदालत कर सकती है, जे.डी.ए. स्वयं यह कार्रवाई नहीं कर सकता। अदालत ने इस प्रकरण में अंतरिम स्टे देते हुए कहा कि राज्य सरकार इस प्रकरण में अपना जवाब प्रस्तुत करें।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908